प्राचीन लेख संग्रह.

भाग १ लो.

—स्व० श्रीविजयधर्मसूरि.

प्राचीन लेख संग्रह.

(भाग १ लो.)

संग्राहक

जगत्पूज्य स्वर्गीय शास्त्रविशारद–जैनाचार्य

श्रीविजयधर्मसूरि महाराज

सम्पादक

मुनिराज श्री विद्याविजयजी महाराज.

प्रकाशक

फूलचंदजी वेद

सेक्रेटरी, श्रीयशोविजयजैनग्रंथमाळा

भावनगर.

मूल्य बे रुपया.

वीर सं. २४५५ धर्म सं. ७ इ. स १९२९

जगत्पूज्य-श्रीविजयधर्मसूरिभ्यो नमः

प्रस्तावना.

इतिहासनो विषय जेटलो कठिन छे, तेटलोज आवश्यकीय छे. कोई पण देश, जाति के समाजनी प्राचीन संस्कृति, सभ्यता, भाषा, व्यवहार, रीतरिवाज विगेरेनुं ज्ञान इतिहासथीज थई शके छे. आवो शृंखलाबद्ध इतिहास तो त्यारेज लखी शकाय के ज्यारे पहेलां तेनी सामग्री एकठी करवामां आवे. सामग्री विना—साधन विना साध्य नथी साधी शकातुं. परन्तु इतिहासनी सामग्रीने भेगी करवी, ए शुं स्हेलुं काम छे? भारतवर्षनो—खास करीने जैनसमाजनो साचो इतिहास तो आजे धूळना ढगलाओमां, इंट-पत्थरनी दिवालोमां अने कीडाओना खाद्य एवा जर्जरित थयेला कागळोनां पृष्ठोमां समाएलो छे आमांथी साचा इतिहासने तारवी काढवो एटले शुं? संक्षेपमां कहीए तो इतिहासनी सामग्री एकठी करवी, एटले धूळधोयानो धंधो करवो. परन्तु आ धंधो करेज छूटको छे. भले सवा खांडीनी महेनतना परिणामे छटांक पण साचुं तत्त्व नीकळे. ए तत्त्व काढेज छूटको छे. एवा छूटा छूटा प्रयत्नोथी छटांक छटांक करतां घणुं तत्त्व भेगुं थई शकशे. अने एज संग्रहित कराएलुं तत्त्व जैनधर्म अने जैनजातिनुं मुख उज्ज्वल करशे. एटलुंज नहिं परन्तु भारतवर्षनी प्राचीन संस्कृतिमां म्होटो प्रकाश पाडशे, कारण के, भले आजे जैनसमाज, भारतवर्षमां आटामां लूण बराबरनी हस्ती धरावती होय; परन्तु ए तो कोईपण इतिहासज्ञथी हवे अजाण्युं नथीज रह्युं के—भारतवर्षनो इतिहास, ए जैन इतिहासना अभावमां अपूर्णज रहेवानो. कोई पण भारतीय इतिहास लेखकने, जैन

इतिहास उपर दृष्टि अवश्य नाखवीज पडशे. जैन इतिहासनो आश्रय लेवोज पडशे. अनेक जैन राजाओ अने जैन मंत्रीओ भारतवर्षना गौरवने जाळवी गया छे. अनेक जैन आचार्यो थई गया छे के–जेओनो न केवळ धार्मिक इतिहासमांज फाळो छे, बल्के जेमनां जीवनोनो संबंध एक या बीजी रीते भारतीय अजैन राजाओ साथे पण जोडायेलो हतो. अनेक भारतीय प्राचीन नगरीओ, यद्यपि जैन इतिहासमां उल्लेखाएली होवा छतां, एनो संबंध भारतना इतिहासनी साथे रहेलो छे. भारतीय साहित्य, भारतीय शिल्पकला, इतिहासोपयोगी शिलालेखो अने एवी सेंकडो बाबतो छे, के जेनुं रक्षण जैनोना हाथे वधारे थयुं छे. अने एनुंज ए कारण छे के–अत्यारे भारतवर्षना एक साचा–तटस्थ निष्पक्षपाती अने भारतना गौरवप्रेमी इतिहासकारने ए वस्तुस्थितिनुं साचुं ध्यान करवुंज पडे छे.

एक फ्रेंच विद्वान् **डॉ. ए. गेरिनोटे,** पोताना एक लेखमां (के जे 'जैनशासन' नामक पत्रना विशेषांकमां प्रकट थयो छे) लख्युं छे:

"ते शिलालेखोनो तथा जैनोना व्यावहारिक साहित्यनो अभ्यास, भारतवर्षना इतिहासनुं ज्ञान कराववामां सहाय रुप थई शकशे."

इ. स. १९११ मां इतिहासना प्रखर विद्वान् **महामहोपाध्याय पंडित गौरीशंकर हीराचंद ओझाए "भारतवर्षना प्राचीन इतिहासनी सामग्री"** ए नामनुं एक पुस्तक लख्युं छे. तेमां तेमणे केटलाक जैनग्रंथोनां नाम आपी, ए ग्रंथो भारतीय इतिहासने माटे विशेष प्रकारे उपयोगी बताव्या छे.

गुजरातना स्वर्गीय साक्षर **श्रीयुत मणिलाल बकोरभाई व्यासे,** पोताना '**विमल प्रबंध**' नी प्रस्तावनामां लख्युं छे:

"राजतरंगिणी, कीर्त्तिकौमुदी के कान्हडदेप्रबंध जेवा अपवादने

बाद करीए तो, आ काळना ब्राह्मणवर्गना विद्वानोने हाथे ऐतिहासिक रचना कंई थई नथी, एम कहीए तो चाले. जैनसाधुओए ए दिशामां ब्राह्मणो करतां घणुं वधारे कर्युं छे. चावडा अने सोलंकी वंशना इतिहासने माटे आपणे जैनसाधुओना आभारी छीए. विद्योत्तेजक महाराजा भोजनी कीर्त्ति आपणा सुधी पहोंचाडवा माटे पण जैनसाधुओनोज आपणे आभार मानवो पडशे. मुसलमानी राज्यकाळ पूर्वेनी गुजरातनी लोकस्थिति जैनसाधुओनी नोंधोथी आपणने प्रत्यक्ष थाय छे." विगेरे.

उपर्युक्त कथनथी हवे स्पष्ट समजाय तेम छे के भारतवर्षीय इतिहासनो जैन इतिहासनी साथे घनिष्ट संबंध छे. अथवा एम कहेवुं जोईए के जैन इतिहास, ए भारतीय इतिहासनुं अंग छे. आ एक अंग तैयार करवा माटे सौथी पहेलां तेनां साधनो तैयार करवां जोईए. आवा इतिहासने माटे जे साधनो छे ते आ छेः—

१ प्राचीन ग्रंथोपरनी प्रशस्तिओ.

२ प्राचीन मंदिरो संबंधी म्होटा शिलालेखो.

३ ऐतिहासिक रासाओ.

४ ताम्रपत्रो, दानपत्रो विगेरे.

५ जूना सीक्काओ.

६ एवा न्हाना न्हाना लेखो, के जे धातुनी मूर्त्तियोनी पाछळ खोदेला होय छे.

विगेरे विगेरे.

आ साधनो जेटला जेटला अंशमां बहार आवतां जाय, प्रकाशित थतां जाय, तेटला तेटला अंशमां जैन इतिहास लखवानो मार्ग सरळ थतो जाय, ए निश्चित वात छे.

स्वर्गस्थ जगत्पूज्य गुरुदेव **श्रीविजयधर्मसूरीश्वरजी महाराजने, बनारस छोड्या पछी,** एटले लगभग १६—१७ वर्षनी वात उपर, आवां ऐतिहासिक साधनो एकत्रित करी, भविष्यमां एक **जैन इतिहास** तैयार करावानी इच्छा उत्पन्न थइ हती अने ते इच्छाने बर लाववा, गुरुदेवे एवां साधनो एकत्रित करवां शरु कर्यां हतां. पूज्यपाद आचार्यश्री **विजयेन्द्रसूरि महाराज** (ते वखतना उपाध्याय इंद्रविजयजी महाराज) नो तो इतिहासनो खास विषय ज हतो. गमे तेवा विकट पहाडोमां प्रवेश करीने पण इतिहासनी सामग्री हाथ करवी, ए एमना मन, जीवननुं ध्येय प्राप्त करवा जेवुं लागतुं—लागे छे. परिणामे अनेक प्राचीन भंडारोमांथी हजारो ग्रंथोपरनी प्रशस्तिओ, सेंकडो प्राचीन सिक्काओ, अने केटलाए हजारनी संख्यामां न्हाना म्होटा शिलालेखोनो संग्रह थई शक्यो. बीजी तरफथी इतिहासोपयोगी जैन रासाओनुं सम्पादन कार्य पण आरंभायुं. जेना परिणामे स्वर्गीय गुरुदेवे **ऐतिहासिक रास संग्रहना ३ भागो अने देवकुलपाटक** एम चार ऐतिहासिक ग्रंथो बहार पडाव्या. ते उपरान्त **ऐतिहासिक** राससंग्रहनो **चोथो** भाग पण, आ पंक्तियोना लेखके सम्पादन करेलो बहार पड्यो छे.

जे वखते जैन लेखकोमां इतिहासना विषय तरफ बहुज अल्प प्रवृत्ति हती, ते वखते आ अगत्यना विषय तरफ स्वर्गीय गुरुदेवे अने पूज्य आचार्यश्री **विजयेन्द्रसूरि** महाराजे प्रवृत्ति आदरी हती. आ प्रवृत्तिना फलरूप जे कार्यो बहार आव्यां, एनो उदार साक्षरोए सारो आदर कर्यो हतो. अने '**देवकुलपाटक**' जेवा एक नानकडा परन्तु इतिहासोपयोगी पुस्तक उपर एक लांबी समालोचना '**बॉम्बे क्रोनोकल**' मां प्रकाशित थई हती.

स्वर्गीय गुरुदेवना अने पूज्य आचार्य **श्रीविजयेन्द्रसूरीश्वरजी महाराज**, तथा मुनिराज श्री जयन्तविजयजी आदिना सतत प्रयत्नथी

एकत्रित कराएली ऐतिहासिक सामग्रीनो जोइए तेटलो उपयोग अमाराथी हजु सुधी नथी थई शक्यो, ए खरेखर दुःखनो विषय छे. अने एनां कारणो पण स्पष्ट छे. गुरुदेवनी बीमारी, ते पछी स्वर्गवास अने ते पछी चोक्कस संस्थाओने स्थायीरुप आपवाना उपदेशमां अमारी साहित्य प्रवृत्ति लगभग साव शिथिल थइ छे, ए मारे दुःखी हृदये कहेवुं पडे छे. परन्तु हवे पाछा अमे अमारी पूर्वीय साहित्य प्रवृत्तिमां, गुरुदेवनी कृपाथी, आववा भाग्यशाली थइशुं. एवी आशा राखवामां आवे छे. अस्तु.

ए पहेलांज कहेवामां आव्युं छे के—स्वर्गीय गुरुदेव अने आचार्य श्रीविजयेन्द्रसूरि महाराजे, सामग्री भेगी करी छे. एमां केटलाए हजार न्हाना म्होटा शिलालेखो पण छे. ए शिलालेखो जुदा जुदा गामोनां मंदिरो अने जुदां जुदां स्थानोमांथी लेवामां आवेला छे. ए हजारो शिलालेखोमांथी पांचसो शिलालेखोनो एक भाग जनताने सादर करवामां आवे छे. आ लेखो ते पूज्यपादोना संग्रहित करेला होवाथी आ पुस्तकनुं सर्वाधिकश्रेय तेओश्रीओनेज छे. एम कहेवानी आवश्यकता छे शुं ?

शिलालेखो ए इतिहासने माटे खरेखरुं अपूर्व साधन छे. शिलालेखोमांथी आचार्योनी परंपराओ, जातियो, वंशो, गच्छो, अने एवी अनेक बाबतोनो इतिहास तारवी शकाय छे. ज्यां सुधी मारो ख्याल छे, आवा शिलालेखो संबंधी एक भारामां सारुं काम सौथी पहेलां (इ. स. १९०८ मां) फ्रेंच विद्वान् डॉ. ए गेरीनाटे बहार पाडयुं हतुं. एमां तेमणे इ. स. १९०७ सुधीमां प्रसिद्धिमां आवेला ८५० शिलालेखोनुं संक्षेपमां पृथक्करण कर्युं हतुं. डॉ. गेरिनोटना ए संग्रहमां इ स. पूर्वे २४२ थी लइने इ. स. १८८६ सुधीना—एटले लगभग २२०० वर्षनी अंदर अंदरना शिलालेखोनो समावेश करवामां आव्या छे.

छेल्लां केटलांक वर्षोथी केटलाक जैन साक्षरोनी प्रवृत्ति पण आ दिशा तरफ वळी छे. अने तेनी साक्षी रुपे **श्रीमान जिनविजयजीना** लेखसंग्रहना भागो, **श्रीयुत पूर्णचंद्रजी नाहारना** भागो अने **स्वर्गीय आचार्य श्रीबुद्धिसागरसूरिजीना** भागो छे. न्यूनाधिक अंशे, आ बधाये लेखसंग्रहो खरेखर इतिहासने माटे उपयोगी छे. तेमां **श्रीजिनविजयजीना** संग्रहोमां वधारे शोधखोळ अने उहापोह थयेलो जोवाय छे.

अमारा आ लेखसंग्रहमां एकंदर १०० लेखो आपवामां आव्या छे. अने ते बारमा शतकथी शरु करीने सोळमा शतकना मध्यकाल सुधीना आप्या छे. आ बधाये शिलालेखो अमुक संख्याना अपवाद रुप बाद करीने धातुनी मूर्त्तियो उपरना न्हाना शिलालेखो छे. आवा न्हाना लेखोमांथी वधारे हकीकत न मळी शके, ए वात खरी छे; परन्तु घणा लेखोनो संग्रह थवाथी एमांथी घणुं घणुं तारवी शकाय. अने ए तारवणी इतिहासने माटे घणी उपयोगी थई शके, एम मारुं मानवुं छे. आ वातनी खातरी आमां आपेली जुदी जुदी अनुक्रमणिकाओ उपरथी थई शकशे. यद्यपि आ अनुक्रमणिकाओ, ए अनुक्रमणिका मात्रथीज वधारे उपयोगी थई शके तेम नथी. तेना उपर विस्तृत नोटोनी जरुर छे. ते ते गच्छो, ते ते शाखाओ, प्रशाखाओ, ते ते जातियो अने ते ते आचार्यो-साधुओनो इतिहास तेनी साथे जरुर जोईए, अने तोज ते पेला बृहद् इतिहासने माटे उपयोगी थई शके. परन्तु आ कार्य खास इरादापूर्वकज अधूरुं राखवामां आव्युं छे

वात एम छे के- स्वर्गीय गुरुदेवना संग्रहमां आटलाज नहिं, परन्तु केटलाये हजार शिलालेखो छे, अने ते शिलालेखो, आ संग्रहमां आपेला शतकोवाळा शिलालेखो छे. आ बधाये शिलालेखोने १००-१०० शिलालेखना एक एक भाग तरीके बहार पाडवानी अमारी योजना छे. प्रत्येक भाग आवीज रीते, एटले मूळ शिलालेखो अने

तेमांथी नीकळतां नामोनी अनुक्रमणिकाओ साथे बहार पाडवो. एम बधाये भागो बहार पडी गया पछी, ए बधा भागोमां आवेला गच्छो, ज्ञातियो, शाखाओ, आचार्यो, गामो विगेरे उपर ऐतिहासिक प्रमाणो अने विवेचन साथे एक भाग बहार पाडवो. जो आ कार्य मात्र आ एकज भाग उपर करवामां आवे छे, तो बाकीना हजारो शिलालेखो-मांथी मळनारी हकीकतोथी आपणे वंचित रहेवुं पडे छे. अर्थात् ए अंग अपूर्ण रही जाय छे अथवा जो प्रत्येक भागमां एज प्रमाणेनी नोटो अने विवेचनो आपवामां आवे छे, तो समय अने द्रव्यनो व्यर्थ व्यय कराववा जेवुं थाय छे. अतएव नोटो अने विवेचनो लख-वानुं कार्य सौथी पाछळ एटले बधा शिलालेखो छपाइ गया पछी करवानुं राख्युं छे. अने ए छेल्लो भाग न केवळ शिलालेखोना संबंधमांज उप-योगी थशे, परन्तु ते भाग केटलीये शताब्दियोना खासा इतिहासरूप थशे, ए वात, इतिहास प्रेमीयो कल्पना उपरथी पण समजी शकशे.

आटलुं निवेदन कर्या पछी आ संग्रहना संबंधमां थोडुं निवेदन करी लउं.

आ संग्रहमां जे गामोना लेखो आवेला छे, तेमांना म्होटे भागे लेखो तो गुरुदेव अने पूज्यपाद आचार्यश्री विजयेन्द्रसूरि महाराजे स्वयं लीधेला छे, ज्यारे केटलाक गामोना, दाखला तरीके कतारगाम, पूना, महेसाणा, राधनपुर, वीसनगरना लेखो स्वर्गीय साक्षर मणिलाल बकोरभाई व्यास अने न्याय-व्याकरणतीर्थ पंडित हरगोविंददास त्रिकमचंद शेठे लीधेला छे. अतएव तेओनो आभार मानवो आवश्यक समजुं छुं.

जे जे लेखोमां मात्र संवत् छे. मास तिथि नथी. तेवा लेखो, ते मैकाना अंतमां आपवामां आव्या छे.

जे जे लेखोमां ज्यां ज्यां अशुद्ध लखायुं छे, ते ते लेखोमां तेनी स्हामे ( ) आम चिन्ह करी शुद्ध लखवामां आवेल छे ज्यारे [ ] चिन्हनी अंदर आपेल अक्षरो–शब्दो स्वतंत्रताथी–विशेष समजवाने माटे मूकवामां आव्या छे.

शिलालेखो उपरथी केटलीये ज्ञातव्य बाबतो आपणी नजरे पडे छे. दाखला तरीके—

केटलाक लेखोमां तीर्थंकरना नामनी साथे '**जीवितस्वामी**' विशेषण आपवामां आवेलुं होय छे. आनो अर्थ ए नथी के ते तीर्थंकरनी विद्यमानतामां ए मूर्त्ति भरावबामां आवी हती. आमां आवेला लेखोमांज नहिं, परन्तु घणे स्थळे पाषाणनी के धातुमूर्त्तियो उपरना लेखोमां **जीवितस्वामी श्री महावीर स्वामी, जीवितस्वामी श्री नेमिनाथ प्रभु** इत्यादि लखवामां आवेलुं होय छे आनुं कारण समजवुं कठिन छे. मने लागे छे के 'जयवंत' ना अर्थमां कदाच जीवित अथवा 'जीवंत' शब्द मूकातो हशे.

अत्यारे गुजरातीमां तो नहिं, परन्तु हिंदीमां घणे भागे एवो रिवाज छे के–जो एक शब्दने बे वार लखवानी जरुर पडे छे, तो तेने एकवार लखीने तेनी आगळ २ मूकवामां आवे छे. दाखला तरीके **उसने मेरेको पूछ २ कर हैरान किया।** '**पूछ**' शब्दने बे वार नहिं लखतां तेनी आगळ २ मूकवामां आवे छे. आ रिवाज कोइक अंशे सोळमा शतकमां पण हतो, एम एक लेख उपरथी जणाय छे. जुओ ३४९ नंबरनो लेख. **श्री २ श्रीमाल** आ बगडो बीजीवारना 'श्री' ने सूचवे छे. प्राचीनलेखोमां आ प्रवृत्ति बहुज ओछी जोवाय छे.

लेख नं. ३३० अने ३३१ मां एक विचित्रता छे. ३३० नंबरना लेखमां '**माघ सुदि ३ सोमे**' छे, ज्यारे ३३१ नंबरना

लेखमां 'माघ सु० ४ रवौ' छे. त्रीजना दिवसे सोमवार, अने चोथना दिवसे रविवार, ए केम बनी शके ? संभव छे के कदाच वांचवामां गडबड थई होय. अथवा ए तिथि लखवामांज गडबड पडेलेथी होय.

आ लेखसंग्रहना संबंधमां बीजी घणी घणी बाबतोना उल्लेखनो अवकाश छे, दाखला तरीके कया कया गच्छोमांथी कइ कइ शाखाओ नीकळी अने ते शा कारणथी ? विगेरे, परन्तु आ बधी बाबतो भविष्यना भागो उपर—बल्के तमाम लेखोनी तारवणीरुप सौथी छेल्ला बहार पाडवाना भाग उपर राखी, हाल तुर्त तो आ लेखसंग्रहमां आपेली हकीकतो ऊपरथी—अनुक्रमणिकाओ ऊपरथीज इतिहास प्रेमियो यथा-योग्य लाभ उठावे, एटलु इच्छी शासनदेव हवे पछीना भागो बहु जल्दी बहार पाडवानुं सामर्थ्य अर्पे एज इच्छी विरमुं छुं

शिवपुरी (ग्वालीयर) ज्येष्ठ सु. १, २४५५ धर्म सं ७	**विद्याविजय.**

आ लेखसंग्रहमां आवेला लेखो जे जे गाममांथी लेवामां आवेला, ते ते गामोनी

अनुक्रमणिका.

शिलालेखोमां आवेली अटको.

परि०	=	परिख, पारेख.
सं०	=	संघवी, संघपति.
ठ०	=	ठक्कुर, ठक्कर.
श्रे०	=	श्रेष्ठि, शेठ.
महं०	=	
सा०	=	शाह, साहू.
व्य०	=	व्यवहारी.
साधु	=	शाह, साहू.
मं०	=	मंत्रि.
दो०	=	दोसी.

महाजन, महाजनी.

आ लेखसंग्रहमां आवेल राजाओनां नामो.

नाम	लेखनो नंबर	लेखनो संवत
वणवीरदेव (चाहमान)	८७	१४४३
रणवीरदेव ,,	८७	१४४३
मोकलदेव	११८	१४७८
मोकल	१६३	१४९४
कुंभकर्ण (मोकलपुत्र)	१६३	१४९४

आ लेखसंग्रहमां आवेल जाति, वंश, कुलनी

अनुक्रमणिका.

३२८, ३४३, ३५९, ३८०, ३९३, ३९५,
३९६, ४२०, ४५२, ४९८.

१४ श्रीश्रीमाल ५२, ९२, ९५, ९८, ९९, १०२, १०४,
११६, १२०, १२७, १२९, १३०, १३१,
१३५, १३६, १३७, १४१, १४४, १४५,
१४६, १५०, १५४, १५६, १५७, १५८,
१७२, १७३, १७५, १७८, १८१, १८५,
१८७, १९१, १९२, १९४, १९५, २०२,
२०५, २०७, २०८, २०९, २१०, २११,
२१८, २२३, २२७, २२८, २३०, २३१,
२३२, २३४, २३५, २४१, २५३, २५४,
२५५, २६२, २६३, २६५, २६७, २६८,
२७०, २७१, २७५, २७६, २८३, २८४,
२९०, २९३, २९४, २९६, २९९, ३००,
३०२, ३०६, ३०९, ३१३, ३१४, ३१६,
३१८, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२५,
३२६, ३२९, ३३०, ३३१; ३३२, ३३४,
३३७, ३३८, ३३९, ३४१, ३४४, ३४५,
३४६, ३४९, ३५१, ३५७, ३६०, ३६५,
३६६, ३६८, ३६९, ३७६, ३८१, ३८२,
३८३, ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९४,
३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०३, ४०५;
४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४१२,
४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४२४,
४२६, ४२७, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१,

नोटो.

१ जुदा जुदा लेखोमां ओसवाल, ओस, उकेश, उपकेश, इत्यादि नामो आवे छे, परन्तु आ बधांये नामो एकज जातिनां सूचक होवाथी बधां एक साथे आपवामां आव्यां छे.

९ पाछळना त्रण शिलालेखोमां 'डीसावाळ' छे, ज्यारे ९१ नंबरना लेखमां 'देसावाळ' छे परन्तु 'डीसावाळ' अने 'देसावाळ' ए एकज ज्ञाति छे.

१० प्राग्वाट अने पोरवाड ए एकज ज्ञातिनां बे नामो छे, माटे साथे आप्यां छे.

१४–१९ श्रीश्रीमाळ अने श्रीश्रीवंश ए बन्ने संभव छे के कदाच एकज होय, परन्तु अत्यारे प्रायः 'श्रीश्रीवंश' ज प्रसिद्ध होवाथी बन्नेने जुदा गणवामां आव्या छे.

आ लेखसंग्रहमां आवेल गोत्र, शाखा, अन्वयनी

अनुक्रमणिका.

नोटो.

३ 'ऊकेश.' ए नाम जाति तरीके (ओशवाळ) प्रसिद्ध छे, परन्तु ४७९ नंबरना शिलालेखमां स्पष्ट रीते ऊकेशगोत्रे लखवामां आवेल छे.

१२, १३, १४, १९ मूळ शिलालेखोमां षटवट, पयरज, षांटहड अने षीवल्या लखेल छे, 'ख' ना स्थानमां 'ष' लखवानो प्राचीन समयमां बहुधा रिवाज हतो. अमे तेने सुधारी ष नो 'ख' लखेल छे.

२९ नवलक्ष–नवलखा, एनो कोइ स्थळे गोत्र तरीके उल्लेख छे, ज्यारे कोइ स्थळे 'शाखा' तरीके. आ उपरथी समजाय छे के 'गोत्र' नो उपयोग कोइपण जातिनी 'शाखा' तरीके पण करवामां आवे छे.

३२–३३ 'नाहट' अने 'नाहर' ए बन्ने एक हशे, एवी कल्पना तरफ कोइए न जवुं. कारण के आ बन्ने गोत्रो जुदां जुदां छे. मुर्शिदाबाद अने कलकत्तामां नाहर–नाहार गोत्रनां केटलांक कुटुंबो छे. लश्कर, आगरा, बीकानेरमां केटलांक कुटुंबो नाहट–नाहटा गोत्रनां छे. आ बन्ने गोत्रो जुदां जुदां छे.

५० लाडउलि=लाडोली=लाडोलना रहेवासी, एम पण बनी शके. अमुक गामना नाम उपरथी पडेली ए अटक पण होय.

६४ 'सांखुला' ए अत्यारना 'सांखला' नुं मूळ रुप हशे. सांकला–सांखला गोत्रना अत्यारे शिवपुरी अने बीजा गामोमां घणा मारवाडी गृहस्थो छे.

१७ राजपूतोनी एक जातिनुं नाम ' सीसोदिया ' तो प्रसिद्ध छे, परन्तु ओशवाल–उपकेश ज्ञातिमां ' सीसोदिया ' नामनुं गोत्र हतुं, ए ४७० नंबरना लेख उपरथी स्पष्ट थाय छे. जे राजपूतो जैनाचार्यना उपदेशथी जैन थया, तेओनांज गोत्रो अत्यार सुधी ओशवाल ज्ञातिमां रहेलां छे, तेमांनुं एक ' सीसोदिया ' गोत्र पण हतुं. ए नक्की छे. आ गोत्रना अत्यारना वाणिया, ए उदयपुर महाराणाना सगोत्रीय कहेवाय.

आ लेखसंग्रहमां आवेल गच्छोनी

अनुक्रमणिका.

नोटो.

६ ' कछोलीवालगच्छ ' आ गच्छनुं नाम मात्र १६० नंबरना शिलालेखमांज छे. त्यां पण कछोलीवालगच्छे पूर्णिमापक्षे एम लखवामां आव्युं छे. संभव छे के–पूर्णिमागच्छनी शाखा होय, अने तेने गच्छनुं नाम आप्युं होय.

२९ ' भीमपल्लीय ' ए पूर्णिमा–पूनमीया गच्छनी शाखा छे.

३३ ' मेदूरीय ' ए उपकेशगच्छनी शाखा छे.

३४ ' रत्नपुरीय ' ए मल्लाहडगच्छनी शाखा छे, एम ४९ अने १२४ नंबरना शिलालेख उपरथी जणाय छे. ज्यारे २९६ नंबरना शिलालेखमां ' रत्नपुरीगच्छे ' एम करी ' रत्नपुरीय ' ए गच्छ बतावेल छे. एक गच्छनी शाखा, ए धीरे धीरे ' गच्छ ' तरीके प्रसिद्ध थाय, एमां आश्चर्य नथी.

३८ प्रसिद्धिमां तो ' अंचलगच्छ ' नुं बीजुं नामज ' विधिपक्ष ' छे, परन्तु आ संग्रहमां जेटला लेखो अंचलगच्छना आव्या छे, ते बधामां ' **अंचलगच्छ** ' नुं ज नाम छे. ज्यारे ' विधिपक्ष ' ना नामना उल्लेखवाळो एकज लेख ३४४ नंबरनो छे. आ लेखमां प्रतिष्ठापकनुं नाम 'श्रीजयकेसरसूरि' लखवामां आव्युं छे. ज्यारे अंचलगच्छना बीजा बधा शिला-लेखोमां आ नामने मळतुंज नाम श्रीजयकेसरिसूरि आप्युं छे. विधिपक्षवाळो शिलालेख १५२० ना चैत्रनो छे, ज्यारे तेज संवत्‌ना वैशाखनो शिलालेख पण छे के जे जयकेसरिसूरिनी प्रतिष्ठानो छे आ बधा साम्य उपरथी एम जरुर समजी

शकाय छे के आ लेख पण अंचलगच्छीय 'श्रीजयकेसरि-सूरि' नो ज छे. अने अत्यारे 'अंचलगच्छ' अने 'विधिपक्ष' एकज गणाय छे. ते पण आ उपरथी साचुं सिद्ध थाय छे.

४१ 'सिड्रानी गच्छ' ए वांचवामां कदाच भूल देखाय छे. 'सिद्धान्त' अथवा 'सिद्धान्ती' ने सिड्रानी वंचायुं हशे. कारण के सिद्धान्तीय–सिद्धान्ती–सिद्धान्त एवा गच्छनुं नाम पण छे. जुओ तेनी नीचेनो एटले ४२ नंबरनो गच्छ.

जुदा जुदा गच्छान्तर्गत शाखाओ.

गच्छनुं नाम.	शाखानुं नाम.	लेखाङ्क.
उपकेशगच्छ	मेदुरीय शाखा	१२८.
मड्डाहडगच्छ	रत्नपुरीय शाखा	४९, १२४, २५१.
पिप्पलगच्छ	त्रिभविया शाखा	१३०, १४६, १७२, १८९, १९४, १९९, २१०.
	तलध्वजीय शाखा	४१६.
मडुकरगच्छ	चतुर्दशीपक्ष	२२३.
चैत्रगच्छ	धारणपद्रीय	२३०, २८४, ३१९, ३१६, ३६६, ४१४.
	चांद्रसमीय	३४६.
	सलखणपरा	४२९.
पूर्णिमागच्छ	साधुपूर्णिमा	२४६.
	भीमपल्लीय	२७०, ३२०, ३२१, ३७६.
	प्रधान शाखा	३२९.
	वटप्रद्रीय	४९५.
द्विवंदनीकगच्छ	वृद्धशाखा	२७४.
बृहद्गच्छ	चोकडीयावट	४०२.

तपागच्छ	वृद्धतपा—बृहत्तपा	१७९, २००, २०४, २१७, २५४, २६३, २७९, ३०७, ३२३, ३६२, ३७५, ३९८, ४०८, ४२०, ४३३, ४५७, ४७१, ४८९.
	कोरंटा	३८७.
कच्छोलीवालगच्छ	पूर्णिमापक्ष—(द्वितीय शाखा)	१६०.

आ लेखसंग्रहमां आवेल आचार्यो, साधुओनी

अनुक्रमणिका

१९	उदयानंदसूरि	पिप्पलगच्छ	८५.
२०	ककुदाचार्य	उपकेशगच्छ	९०, २०३, २५२, २९५.
२१	कक्कसूरि	कोरंटकगच्छ	६३, ३०५, ३७१, ३७३.
२२	कक्कसूरि	उपकेशगच्छ	२०३, २१३, २५१, २५२, २९५, ३०८, ३४८.
२३	कमलचंद्रसूरि	उढवगच्छ	८९.
२४	कमलचंद्रसूरि	नागेन्द्रगच्छ	३९९, ४०७.
२५	कमलप्रभसूरि	पूर्णिमागच्छ	२९०, ३०२, ३९१.
२६	कमलप्रभसूरि	चंद्रगच्छ	३३.
२७	कमलाकरसूरि		५१.
२८	कालिकाचार्य	भावडारगच्छ	१९२, २७२, ४७८.
२९	गुणचंद्रसूरि	धर्मघोषगच्छ	४६.
३०	गुणचंद्रसूरि	चैत्रगच्छ	५०.
३१	गुणचंद्रसूरि		४०.
३२	गुणतिलकसूरि	पूर्णिमागच्छ	२५७, ४८३.
३३	गुणदेवसूरि	चैत्रगच्छ	२३५.
३४	गुणदेवसूरि	पिप्पगच्छ	३०६, ३६९.
३५	गुणदेवसूरि	नागेन्द्रगच्छ	३२४, ३९५, ४००.
३६	गुणधीरसूरि	पूर्णिमागच्छ	३२५, ३२६.
३७	गुणनिधानसूरि	हरसउरगच्छ	४४८.
३८	गुणप्रभसूरि		७२.
३९	गुणप्रभसूरि		९५.
४०	गुणरत्नसूरि	पिप्पलगच्छ	२३१, ३१३, ३८३, ४१६,
४१	गुणरत्नसूरि	पूर्णिमागच्छ	४९७.
४२	गुणसमुद्रसूरि	पूर्णिमागच्छ	१५८, २०५, २६७, ४३८, ४४०.

४३ गुणसमुद्रसूरि	नागेन्द्रगच्छ	१७९, २२७, २६२, २९६, ३२४, ३२८, ३३४, ४००.
४४ गुणसागरसूरि		७२.
४५ गुणसागरसूरि	बृहद्गच्छ	१३३.
४६ गुणसागरसूरि	नागेन्द्रगच्छ	१४९, २९६, ३२४.
४७ गुणसागरसूरि	पिप्पलगच्छ	३१३, ३८३, ४१६.
४८ गुणसुंदरसूरि	मलधारीगच्छ	३४७.
४९ गुणसुंदरसूरि	पूर्णिमागच्छ	२०२, २२२, २७७, ३६८, ३८१.
५० गुणसुंदरसूरि		१५६.
५१ गुणसुंदरसूरि	हरसउरगच्छ	४४८.
५२ गुणसेणसूरि	नागेन्द्रगच्छ	३६.
५३ चंद्रप्रभसूरि	पिप्पलगच्छ	३०६, ३६९, ४४२.
५४ चंद्रसिंहसूरि	जाल्योधरगच्छ	६७.
५५ चंद्रसूरि		३८.
५६ जयकीर्त्तिसूरि	अंचलगच्छ	१२९, १८२.
५७ जयकेसरसूरि	विधिपक्ष	२४४.
५८ जयकेसरीसूरि	अंचलगच्छ	२०९, २२८, २३४, २४१, २४४, २६१, २८५, २८६, २९१, ३०४, ३११, ३३३, ३४९, ३५०, ३६५, ३७७, ३७८, ३८५, ३८६, ४०१, ४१९, ४२१, ४३२, ४३४, ४४२, ४४४, ४५०, ४५१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४७६.

७८	जिनभद्रसूरि	खरतरगच्छ	१४२, २४३, ३४०, ३९९, ४६८, ४७२.
७९	जिनरत्नसूरि	तपागच्छ	२००, ३०७, ३६२, ४२०, ४९७, ४७१.
८०	जिनराजसूरि	रुद्रपल्ली	३९२.
८१	जिनराजसूरि	खरतरगच्छ	८८, १४२, १६३, २४३.
८२	जिनवर्धनसूरि	खरतरगच्छ	१०९, १०७, ११२, ११९, १३८, १९२, १९३, १६३, १६९, १७०, ३६४.
८३	जिनसमुद्रसूरि	खरतरगच्छ	४८७.
८४	जिनसागरसूरि	खरतरगच्छ	१४३, १९१, १९२, १९३, १६३, १६९, १६८, १७०, ३६४.
८५	जिनसुंदरसूरि	तपागच्छ	११८.
८६	जिनसुंदरसूरि	खरतरगच्छ	३६४.
८७	जिनहर्षसूरि	खरतरगच्छ	३१४, ४२३, ४७९.
८८	जिनेश्वरसूरि	चैत्रगच्छ	३९.
८९	जिनेश्वराचार्य	सरवालगच्छ	४, ७, ११, १९.
९०	जिनोदयसूरि	रुद्रपल्लीगच्छ	३९२.
९१	जीवदेवसूरि	वायटीयगच्छ	१७.
९२	जीवदेवाचार्य	अङ्गालिजीयगच्छ	२.
९३	ज्ञानचंद्र	धर्मघोषगच्छ	८६.
९४	ज्ञानदेवसूरि	चैत्रगच्छ	४१४, ४२८, ४२९.
९५	ज्ञानसागरसूरि	तपागच्छ	३७९, ३९८, ४२४.
९६	तपोरत्न	तपागच्छ	३८७.

१९४	रत्नशेखरसूरि	तपागच्छ	११८, २२१, २३६, २३८, २४०, २४२, २४५, २४७, २५०, २५७, २५९, २८०, २८२, २९३, २९४, ३०१, ३१०, ३१९, ३२७, ३३६, ३४२, ३५३, ३५८, ३७२, ३७४, ३७९, ४२२, ४६१.
१९५	रत्नशेखरसूरि	पिप्पलगच्छ	२८९.
१९६	रत्नसागरसूरि	पूर्णिमागच्छ	७१.
१९७	रत्नसिंहसूरि	तपागच्छ	१४०, १७९, १९७, २०७, २१४, २१७, २५४, २६३, २७९.
१९८	रत्नाकरसूरि		६९.
१९९	रत्नाकरसूरि	ब्रह्माणगच्छ	८२.
२००	रत्नाकरसूरि	बृहद्गच्छ	३८०.
२०१	राजतिलकसूरि	पूर्णिमागच्छ	२७५, ३३२.
२०२	राजशेखरसूरि	मलधारीगच्छ	६२.
२०३	लक्ष्मीदेवसूरि	चैत्रगच्छ	२३०, २८४, ३१५, ३१६, ३६६.
२०४	लक्ष्मीदेवसूरि		२५३.
२०५	लक्ष्मीसागरसूरि	तपागच्छ	११८, २४५, ३१०, ३१९, ३२७, ३३६, ३४२, ३५३, ३५५, ३५६, ३५८, ३६१, ३६७, ३७२, ३७४, ३७९, ३८४, ४०४, ४२२, ४५४,

नोटो.

११ आ उदयदेवसूरि सोमचंद्रसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. २६९.

२१ आ कक्कसूरि ए नन्नसूरिनी पाटे थया छे, अने तेमना गुरुनी मूर्त्ति उपरनो आ लेख छे. जूओ ले ६३

२३ आ कक्कसूरि अने २१ नंबरना कक्कसूरि, बन्ने एकज गच्छना छे, परन्तु ते बन्ने छे जूदा जूदा.

२९ गुणचंद्रसूरि ए मुनिचंद्रसूरिना शिष्य छे, जूओ ले. नं ४६.

३५ आ गुणदेवसूरि गुणसमुद्रसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं.४००

३७ आ गुणनिधानसूरि गुणसुंदरसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले नं. ४४८

३८ आ गुणप्रभसूरि गुणसागरसूरिना शिष्य थाय छे. कदाचित् ३९ नंबरना गुणप्रभसूरि अने आ एकज होय. बन्नेमां गच्छनां नाम नथी लख्यां.

४६ आ गुणसागरसूरि ए उदयदेवसूरिना पट्टधर थाय छे. जूओ ले. नं. १४९.

४७ आ गुणसागरसूरि, ए गुणरत्नसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. ३८३

५०–५१ आ बन्ने गुणसुंदरसूरि कदाच एकज होय, कारणके बन्नेना लेखोमां संवत् लगभग पासे पासे छे. परन्तु एकमां गच्छनुं नाम नहिं आपवाथी अने विशेष खातरीवाळुं प्रमाण नहिं मळवाथी जूदा आप्या छे.

५३ आ चंद्रप्रभसूरि, ए गुणदेवसूरिना पट्टधर छे. जुओ ले. नं. ३०६

५४ आ चंद्रसिंहसूरि, ए हरिभद्रसूरिना शिष्य छे. जुओ ले. नं. ६७

५५ आ चंद्रसूरि ए पूर्णचंद्रसूरिना शिष्य छे. जुओ ले. नं. ३८

५७–५८ आ बन्ने एकज होई शके. कारणके अंचलगच्छनुं बीजुं नाम 'विधिपक्ष' पण छे, एम कहेवाय छे. आ संबंधी जुओ गच्छो उपरनी नोट. नं. ३८

५९ आ जयचंद्रसूरि, ए सोमसुंदरसूरिना शिष्य छे, जुओ ले. नं १९८

६० आ जयचंद्र, ए पार्श्वचंद्रना पट्टधर छे, अने भीमपल्लीय छे. जुओ ते नंबरोवाळा लेखो

६४ आ जयरत्न, ए जयचंद्रसूरिना शिष्य छे. जुओ ले. नं. ४९४.

६९ आ जिनकुशलसूरि, ए जिनचंद्रसूरिना शिष्य छे जुओ ले. नं. ५६

७२–७३ आ बन्ने जिनचंद्रो जुदा जुदा छे. ७२ नंबरवाळा जिनवर्धनसूरिना पट्टधर, तो ७३ नंबरवाळा छे जिनभद्रसूरिना पट्टधर.

७५ आ जिनदेवसूरि, ए जिनेश्वरसूरिना शिष्य छे जुओ ले. नं. ३९

७६ आ जिनदेवसूरि, ए गुणदेवसूरि संतानीय छे. संभव छे ७५ नंबरना अने आ बन्ने एक होय.

७८ आ जिनभद्रसूरि ए जिनराजसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. २४३.

८४ आ जिनसागरसूरि, ए जिनचंद्रसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. ११५.

८६ आ जिनसुंदरसूरि, ए जिनसागरसूरिना पट्टधर छे. जओ ले. नं. ३६४.

८७ आ जिनहर्ष, ए जिनसुंदरसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. ३१४.

९० जिनोदेवसूरि, ए जिनराजसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले नं ३९२

९९–१०० पहेला देवगुप्तसूरि, ए सिद्धाचार्यसंतानमां, मेदुरीयशाखामां थया छे. ज्यारे १०० नंबरना देवगुप्तसूरि कक्कुदाचार्यसंतानमां थया छे.

१०१ आ देवचंद्रसूरि देवाचार्य संतानीय छे. जूओ ले. नं. ११९.

१०२ आ देवप्रभसूरि रत्नशेखरसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. ९३

१०५ आ देवरत्नसूरि जयानंदसूरिना पट्टधर छे. जओ ले. नं. ४३५

११० आ देवसूरि सर्वानंदसूरि संतानीय छे जूओ ले. नं. ६७.

११७–११८ आ बन्ने देवेन्द्रसूरि जुदाज लागे छे. कारणके– बन्नेना संवतोमां ६९ वर्षनुं अंतर छे. वळी जुदा जुदा गच्छनी पद्धति प्रमाणे पहेला देवेन्द्रसूरिनी करावेली प्रतिष्ठाना लेखमां **देवेन्द्रसूरीणामुपदेशेन** (जेवी रीते के अंचलगच्छ विगेरेना आचार्योनी प्रतिष्ठाना लेखोमां होय छे.) लखवामां आवेल छे. ज्यारे बीजा देवेन्द्रसूरिना लेखमां **देवेन्द्रसूरिभिः** एम लखवामां आवेल छे.

१२६–१२७ आ बन्ने धर्मचंद्रसूरि, यद्यपि एकज गच्छना छे, परन्तु छे बन्ने जूदा जूदा. जूओ बन्नेना शिलालेखो.

१३२–१३३ आ बन्ने नन्नसूरि एकज गच्छना होवा छतां जुदा जूदा छे. पहेला नन्नसूरिनी तो मूर्त्ति उपरनो ते लेख छे. अने ते

मूर्त्ति तेमना शिष्य कक्कसूरिए स्थापित करावी छे. जेनो संवत् १३९३ छे, एटले नन्नसूरि तो ते पहेलां थइ गयेला होय, ए स्वाभाविक छे. बीजा नन्नसूरि पोते एक भगवान्‌नी मूर्त्तिनी प्रतिष्ठा करे छे, जेनो संवत् १४६६ छे.

१३६ आ नरसिंहसूरि रत्नसागरसूरिनी पाटे थया छे. जूओ ले. नं. ७१

१३७ पद्मचंद्रगणि, ए देवसूरिना शिष्य छे. ले. नं. १८

१४९ आ पूर्णचंद्रसूरि, ए देवचंद्रसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. ११९

१५३–१५४ यद्यपि बन्ने प्रद्युम्नसूरि एकज गच्छना छे, परन्तु बन्ने जुदा छे. १५४ नंबरवाळानो सं. १२१९ नो छे, तो पहेलानो १५०१ नो छे.

१८० मेरुनंदनोपाध्याय, ए जिनदेवसूरिना शिष्य छे. जूओ ले. नं. १०७

१८४–१८५–१८९ आ त्रणे यशोभद्र जुदा जुदा समयमां थयेला छे. त्रणेना संवतो जोवाथी खातरी थशे.

१८७ आ रत्नदेवसूरि, ए उदयदेवसूरिना पट्टधर छे जुओ ले. नं. ३८२

१९४ आ रत्नशेखरसूरि, ए श्रीसोमसुंदरसूरिना शिष्य थाय छे. जूओ ले. नं. २९४

१९८–१९९ आ बन्ने रत्नाकरसूरि कदाच एकज होय, परन्तु एकमां गच्छनुं नाम नहिं होवाथी जुदा बताववामां आव्या छे.

२०१ आ राजतिलकसूरि मुनितिलकसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. ३३२

२०५ आ लक्ष्मीसागरसूरि ए रत्नशेखरसूरिना पट्टधर छे. जूओ तेमना लेखो.

२०६ आ लक्ष्मीसागरसूरि मलयचंद्रसूरिना पट्टधर छे जूओ ले. नं. ३४६

२१३ आ विजयचंद्रसूरि पद्मशेखरसूरिना पट्टधर ले. नं. १६९

२१७ आ विजयसिंहसूरि अजितदेवसूरिना शिष्य छे जुओ ले नं.२

२१८ आ विजयसेनसूरि पूर्णदेवसूरिना शिष्य छे जूओ ले. नं.४२

२२० आ विनयचंद्रसूरि धर्मचंद्रसूरिना पट्टधर छे जूओ ले. नं. ८७

२२१–२२२ बन्ने विनयप्रभसूरि जुदा जुदा छे कारण के बन्नेना संवतोमां १११ वर्षनुं आंतरु छे, बीजा विनयप्रभ, ए पद्माणंद सूरिना पट्टधर छे.

२२३ आ विबुधप्रभसूरि, ए यशोभद्रसूरिना शिष्य छे जुओ ले. नं. ९३

२२५–२२६ बन्ने विमलसूरि जुदा जुदा छे, लगभग दोढसो वर्षनुं बन्नेमां आंतरु छे. बीजा विमलसूरि ए बुद्धिसागरसूरिना पट्टधर छे. जुओ ले. नं. ३००

२५३–२५४ आ बन्ने सर्वदेव यद्यपि हुंबडगच्छीय छे, परन्तु बन्ने जुदा छे कारण के बन्नेनां संवतोमां लगभग सो उपर वर्षोनुं अंतर छे.

२६२ आ सागरसूरि ए ज्ञानचंद्रसूरिना पट्टधर छे. जुओ ले. नं.८६

२६४ आ साधुरत्नसूरि मुनिशेखरसूरिना पट्टधर छे जूओ ले. नं. १९६

२६६ आ साधुसुंदरसूरि ए साधु रत्नसूरिना पट्टधर छे जूओ ले. नं. ३३७

२६८ आ सावदेवसूरि, कक्कसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले. नं. १०९

२६९-२७० एकनुं नाम सिंघदत्तसूरि लख्युं छे, अने बीजानुं सिंहदत्त-सूरि. बन्ने आगमगच्छीय छे. अने समयमां पण लांबो फरक नथी. तेथी अमने तो बन्ने एकज लागे छे. 'सिंह' अने सिंघ ऐ लखवा मात्रमां फरक छे.

२७२ आ सिंहसेनसूरि ए देवभद्रसूरिना शिष्य छे. जूओ ले.नं.१६

२८३ आ सोमचंद्रसूरिने 'सिड्डानीगच्छ' ना बताव्या छे. परन्तु लेख वांचवामां गडबड थएली छे. सिद्धान्ती किंवा 'सिद्धान्त गच्छ' होवुं जोइए.

२८९ सोमदेवसूरि, ए धर्मघोषसूरिना पट्टधर छे, जूओ ले. नं. ४९

२९४ हेमतिलकसूरि, ए रत्नाकरसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले.नं.८२

२९६ हेमरत्नसुरि, ए कमलचंद्रसूरिना पट्टधर छे. जूओ ले नं.३९९

२९८ आ हेमसूरि, ए सुप्रसिद्ध कुमारपाल प्रतिबोधक हेमचंद्राचार्य ज जणाय छे. कारणके गुरुनुं नाम देवसूरि आप्युं छे. अने गच्छ पण चंद्रगच्छ बताव्यो छे.

२९९ आ हेमहंससूरिने उदयप्रभसूरि तथा श्रीपूर्णचंद्रसूरिना पट्टधर बतावावामां आव्या छे. जूओ ले. नं. २८१.

आ लेख संग्रहमां आवेल गामोनी अनुक्रमणिका.

	नाम	लेखाङ्क		नाम	लेखाङ्क
१	अजमेर	३१४.	१७	काहीआणा	४६७.
२	अणहिलपुर	९.	१८	कुणगिरि	२४२.
३	अणिया	३६७.	१९	कोचाडा	४१२.
४	अहमदावाद	२१३, ३५५, ३७२, ३९३, ४३९, ४४०, ४५९, ४८४.	२०	खयरवाडा	२३८.
५	अहमदनगर	३९८.	२१	गंधार	३०१, ३९६, ४०८, ४३३, ४८३, ४८८, ४८९.
६	आडीसर	३२५.	२२	गहूआ	३८२.
७	आत्रसुंबा	३६९	२३	गोवहल	३४१.
८	आद्रीयाणा	३१४, ३४६, ४१३.	२४	गोलग्राम	३३६.
९	आस्यापुली	३०३.	२५	घुंघणि	४६४.
१०	ईडर-इलदुर्ग	४७४, ४७५.	२६	घोघा	१४१, २९६, ३२१, ४१६, ४२४, ४४७.
११	उपलोआसर	४००.	२७	चित्रकूट	२०, ४८७.
१२	करहेटक	१७०.	२८	चूडा	३००.
१३	कर्केरा	३६१.	२९	जसधण	२०७.
१४	काकर	४५५.	३०	जांबू	३३२.
१५	काछोली	७५.	३१	जाखुरा	४५७.
१६	कायथा	३५६.			

नोटो.

१२ ' करहेटक ' ए अत्यारनुं करेडा छे. ' करेडा पार्श्वनाथ 'ना तीर्थ तरीके प्रसिद्ध छे. उदयपुरनी पासे छे.

३२-३३ जालउर अने जालहर ए बन्ने कदाचित एक होय 'जालहर' ए अक्षरो वांचवामां फर्क होय. 'उ' नो 'ह' वंचायो होय. जालउर एज जालोर छे

३९ झींझूवाटक ए अत्यारना ' झींझूवाडा ' नुं नाम छे.

६७ बोरसिद्ध ए अत्यारनुं ' बोरसद ' छे.

७३ ७४ महूआ अने महूया ए बन्ने एकज होय एम संभवे छे. घणा शब्दोमां केटलाक 'आ' लखे छे तो केटलाक 'या' लखे छे. एवुंज आमां बन्युं होय. परन्तु आ ' महूआ ' ए अत्यारनुं ' महूवा छे के केम ? ए शोधवानुं रहे छे.

९९ ' वाटापल्ली ' ए अत्यारनी ' वडाली ' छे, एम केटलाकोनुं मानवुं छे.

१०९ सत्यपुर, ए अत्यारनुं ' साचोर ' छे. सचउर=सत्यपुर साचोर, एम अनुक्रमे बन्युं छे.

शुद्धिपत्र.

पृष्ठ	लेख नं.	अशुद्ध	शुद्ध
८	२६	मूरिचन्द्रसागर चन्द्र	सुरिचन्द्र सागरचन्द्र
५०	१६९	साषुला	सांषुला (सांखुला)
७३	२४८	१४०९	१५०९
७४	२५२	कुक्कदाचार्य	कक्कुदाचार्य
९५	३२८	श्रीशुणसमुद्रसूरिभिः	श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः
९९	३४१	विष्फ(प्प)ल	पिष्फ(प्प)ल
१०८	३७१	श्रीसालदेवसूरिभिः	श्रीसावदेवसूरिभिः
१०९	३७३	श्रीपा(भा)वदेवसूरिभिः	श्रीसावदेवसूरिभिः
१११	३८१	प्र०	प(पक्षे)
१२६	४३३	श्रीउरप	श्रीउदय
१४०	४८३	श्रीगुगतिलक	श्रीगुणतिलक
१४४	४९३	श्रीजशोभद्रसूरि	श्रीज(य)शोभद्रसूरि
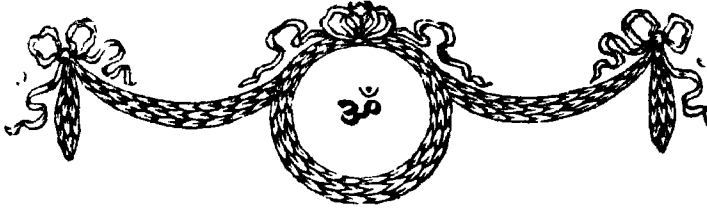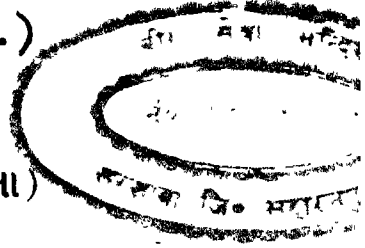
शान्तमूर्तिश्रीवृद्धिचन्द्रगुरुभ्यो नमः

प्राचीनलेखसंग्रह.

(भाग १ लो.)

(બારમા શતકના)

(१)

संवत् ११२३ चैत्रशुदि ८ सोमे

श्रीषंडरेकसंताने लपमादंजिनालये ।

शांतिसूरेर्गिरा वीरः सगोष्टयकारि मुक्तये ॥ १ ॥

सं० १२५८ वर्षे महं वील्हणेन परिकरजीर्णोद्धार[:]कृतः

(૧) વીઓવાના દેરાસરમાં મૂલનાયકજીના પરિકર નીચેનો આ લેખ છે. વર્તમાનમાં મૂલનાયક શ્રીપાર્શ્વનાથજી છે. હેની પ્રતિષ્ઠાનો સં. ૧૬૪૪ નો છે. આથી અને પરિકર નીચેના લેખથી માલૂમ પડે છે કે–પહેલાં આ પરિકરમાં મૂલનાયકજી મહાવીરસ્વામી હતા.

(२)

संवत् ११३६ फाल्गुनवदि ४ श्रीअड्डालिजीयगच्छे श्री-जीवदेवाचार्यसंताने कुंभानाजप्रतिबद्धसोढसुताशांतिना स्वस्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथप्रतिमा कारापिता

(३)

संवत् ११४३ वैशाखसुदि ३ बृहस्पतिदिने श्रीवीरनाथ-देवस्य श्रावको नाम । जरुकः कारयामास सद्येवं ...देवि मनातु । श्रीअजितदेवाख्यसूरिशिष्येण सूरिणा श्रीमद्विजयसिंहेन जिन-युग्मं प्रतिष्ठितम् बृहद्गच्छे

(४)

संवत् ११७४ फाल्गुनवदि ४ श्रीसरवालसं-स्थितगच्छप्रतिपालकश्रीजिनेश्वराचार्ये श्रीवर्द्धमानपुरे परि० महणसुत...कनेन ...देवश्रेयार्थं श्रीसीतलदेवप्रतिमा कारिता

અને પાછળથી પાર્શ્વનાથપ્રભુને પધરાવેલ છે. આ ગામ, માર-વાડમાં આવેલ **રાણી** સ્ટેશનથી ૧॥ ગાઉ અને વરકાણા તીર્થથી અડધો ગાઉ દૂર છે.

(૨) વઢવાણ શહેરના મ્હોટા દેરાસરના પરિકરની નીચેનો લેખ.

(૩) કોરટાના, ઋષભદેવ સ્વામીના મંદિરમાં કાઉસગીયા ઉપરનો લેખ. આ ગામ શિવગંજ (એરણપુરા)થી લગભગ ૮ માઇલ ઉત્તરમાં છે.

(૪) વઢવાણશહેરના મ્હોટા દેરાસરમાં ભમતીની અંદર પરિકરની ની-ચેનો લેખ.

(५)

संवत् ११८१ आशाढसुदि १० शुक्रे श्रीषंडेरकगच्छे श्री(अ)णहिल्लपुरीयश्रीशान्तिनाथचैत्ये सं० धवल तत्सुत छेमुदेव तत्पुत्र षाढाकेन श्रीवण्णादिपुत्रयुतेन निजमाता सत्यहामा निजपुत्र सेतुकनिमित्तं श्रीधर्मनाथबिंबं मोक्षार्थं च कारितमिति **श्रीषा(शा)लिभद्रसूरिणा** प्रतिष्ठितं

(६)

संवत् ११६३ राजश्रीश्राविका (कया) श्रीमहावीरप्रतिमा कारापिता

(७)

संवत् ११६४ माघशुदि ६ भू(भौ)मे **श्रीवर्द्धमानपुरे श्रीसरवालगच्छे** श्रीजिनेश्वराचार्यसंताने ठ० देवानंदेन स्वमातुः सज्जणिश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथप्रतिमा कारापिता

(८)

संवत ११६६ माघसुदि १२ गुरौ सहजमत्या स्वश्रेयोर्थं श्रीऋषभनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **श्रीमद्देवसूरिभिः** ॥

---

(५) **નાડોલના** બજારમાં વિદ્યાશાળાની સ્હામેના દેરાસરમાં મૂલનાયકજીના પરિકર નીચે આ લેખ છે. આ ગામ મારવાડના **રાણી** સ્ટેશનથી ત્રણ ગાઉ દૂર છે. અને તે મારવાડની મ્હોટી પંચતીર્થીમાંનું એક તીર્થ ગણાય છે.

(૬) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૭) વઢવાણશહેરના મ્હોટા દેરાસરમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(૮) ઉદેપુરના શીતલનાથના દેરાસરની ધાતુની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(તેરમા શતકના)

(૯)

सं० १२०१ वैशाखसुदि ६ रवौ माणिकनिमित्र(त्तं) पुनाकेन चतुर्विंशतिजिनप्रतिमा प्रतिष्ठापिता

(१०)

॥ संवत् १२०७ चैत्रवदि ५ स(श)नौ श्रीअड्डालिजीयगच्छे श्रीदेवाचार्यसंताने श्रे० सांति दुहिता स्नामी सांपी स्वश्रेयोर्थं श्रीअजितनाथजिनयुगलं कारापितं ॥ मंगलं महाश्री ॥

(११)

संवत् १२०८ ज्येष्ट(ष्ठ)शु० २ बुधे श्रीसरवालगच्छे श्रीजिनेश्वराचार्यसंताने बोहासुतवता नेमिकुमारेण भार्या लक्ष्मी आत्मश्रेयोर्थं प्रतिमा कारिता

(१२)

सं० १२१० माघशु० ८ गुरौ श्रीशांतिबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीदेवसूरिभिः कारितं सलपूश्राव(वि)कया स्वश्रेयोर्थं ॥

---

(૯) ચિત્તોડના ગઢ ઉપર નવા મંદિર પાસે યતિની કોટડીમાં, ચોવીશીના ગટ્ટાની પાછળનો લેખ.

(૧૦) વઢવાણ શહેરના મ્હોટા મંદિરમાં ગભારામાં પેસતાં બે મૂર્તિઓ ઉભી છે, તે ઉપરનો લેખ.

(૧૧) **વઢવાણ** શહેરના મ્હોટા દેરાસરમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(૧૨) **માંડલ**ના શ્રીપાર્શ્વનાથના દેરાસરમાં ધાતુની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૩)

संवत् १२१० ज्येष्ठसुदि १३ गुरा (रौ) वोसरि पुत्र वीसेलव भ्रातृश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारितेति ॥

(૧૪)

संवत् १२-- फागुणसुदि ११ सोमे श्री**षंडेरकगच्छे** लुशापाठकचैत्ये श्रीशालिभद्राचार्यैः सकलगोष्ठियुतैः श्रीनेमिनाथमूलनायक[स्य]। प्रतिमा कारिता॥ प्रतिष्ठिता श्री**शालिभद्रसूरिभिः** ॥

(૧૫)

संवत् १२१२ माघशुदि ११ श्री**वर्द्धमानपुरे** श्री**सरवालगच्छे** श्रीजिनेश्वराचार्यसंताने आमचंडसुतेन वोसिना मातुः मोहिणिश्रेयोर्थं.....श्रीवास(सु)पूज(ज्य)प्रतिमा कारिता ॥

(૧૬)

संवत् १२१३ आषाढवदि १ रवौ श्री**पल्लिकायां** श्रीऋषभदेवचैत्ये सं देदा सोमदेव तील्हणसहितया मदनिकाश्राविकया स्वश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता भ पूज्यपाददेवभद्रसूरिशिष्यैः **सिंहसेनसूरिभिः**

---

(૧૩) **ચિત્તોડ** ગામના શ્યામ ઋષભદેવના દેરાસરમાં ધાતુની પ્રતિમા ઉપરનો લેખ.

(૧૪) **ઓયા**ના દેરાસરમાં ડાબા હાથના પરિકરની નીચેનો લેખ. આ ગામ મારવાડમાં. વાલીથી ૩ ગાઉ ઉપર છે.

(૧૫) **વઢવાણ**શહેરના મ્હોટા દેરાસરમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(૧૬) **ઘાણેરાવ**ના બીજા ન્હાના ઋષભદેવજીના મંદિરમાં મૂલનાયકજીની નીચેનો લેખ. આ ગામ મારવાડની મ્હોટી પંચતીર્થીમાંનું એક તીર્થ ગણાય છે.

(૧૭)

॥ सं १२१५ माघवदि ४ शुक्रे । सागरतनुजयशोभद्र नामा श्रीपार्श्वनाथजिनपिंपं(बिंबं) । पुत्र यशःपालच्छिरदेवीभार्या समं चक्रे ॥ **श्रीहेमचंद्रसूरि[णा]** प्रत्रि(ति)ष्टि(ष्ठि)तं ॥

(૧૮)

संवत् १२१५ वैशाखसुदि १० सोमे **विसाडास्थाने** श्री-महावीरचैत्ये समुदायसहितैः देवणाग नागड जोगडसुतैः देल्हा जवरण जसचंद्र जसदेव जसधवल जसपालैः श्रीनेमिनाथबिंबं का-रितं प्रतिष्ठितं **बृहद्गच्छीय**श्रीमद्देवसु(सू)रिशिष्येन पं० **पद्मचंद्रग-णिना** प्रतिष्ठितं

(૧૯)

संवत् १२१६ माघवदि ५ उसभसुत—बशांतेः स्वपितु -पिकायाः स्वमातुश्च श्रेयोर्थं **श्रीसजाधपवास्तव्यैः(व्यैः)श्रीब्रह्माणक-गच्छसंव(ब)द्धैः** । सहदेव । सर्वदेव । यशोदेवैः चतुर्विं(र्विं)शतिजिनपट्टः कारितः **श्रीप(प्र)द्युमन(म्न)सूरिभिः** प्रतिष्ठिता(तः)

(૨૦)

॥ संवत् १२२१ मार्ग्गसिरसुदि ६ श्रीफलवर्द्धिकायां देवा-धिदेवश्रीपार्श्वनाथचैत्ये श्रीप्राग्वाटवंसीय रोपि मुणि भं० दसाढाभ्यां आत्मश्रेयोर्थं श्रीचित्रकूटीय सिलफटसहितं चंदको प्रदत्तः(त्तः) सु(शु)भं *भवत् (तु) ॥*

---

(૧૭) સુરત, તાલાવાળાની પોળમાં સીમંધરસ્વામીના મંદિરની ધાતુ-ની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૮) **નાડોલ**ના પદ્મપ્રભુના દેરાના ગભારામાં પેસતાં કાઉસગીયા નીચેનો લેખ.

(૧૯) સાદડી (મારવાડ)ના મંદિરની ધાતુની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૨૦) મેડતાની પાસેના ફલોધિપાર્શ્વનાથના દેરાસર માંહેલો એક લેખ.

(२१)

॥ संवत् १२२८ फाल्गुनवदि ५ भो(भौ)मे **श्रीअडालिज्ज-गच्छे श्रीमोढवंशे** श्रे० धांधू भार्या । चडवश्राविकया आत्म-श्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसप्रतिमा कारिता ॥

(२२)

। सं १२३५ फागणशुदि ३ रवौ भा० सा उयेत वधू नंदोर्याः श्रेयोर्थं श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **ब्रह्माणगच्छीय-श्रीप्रद्युम्नसूरिभिः** ॥ छ ॥

(२३)

संवत् १२३७ फागुणसुदि २ भौमे **श्रीषंडेरकीयगच्छे** ...द पाल्हणपुत्र देवकुमार जसवीर वीहलण जगदेव जसदेव... कारितं **श्रीसुमतिसूरिभिः** प्रतिष्ठापितं

(२४)

सं १२४३ वर्षे कार्तिकवदि ५ भो(भौ)मे श्राविका पांदीवात्म-श्रेयोर्थं महावीरबिंबं कारापितं ॥

---

(૨૧) **વઢવાણ** શહેરના મ્હોટા મંદિરમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(૨૨) **રાધનપુર**ના શાંતિનાથના મંદિરની ધાતુની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૨૩) **નાડોલ**ના પદ્મપ્રભુના મંદિરમાં, જમણા હાથની કોટડીની અંદરનો લેખ.

(૨૪) **વઢવાણ** શહેરના મ્હોટા મંદિરમાં, કલ્પવૃક્ષ સાથેની પ્રભુમૂર્તિની નીચેનો લેખ.

(२५)

॥ संवत् १२४६ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ)शुदि १० बुधे श्रे० दादू सुता रत्नी तस्याः स्वपत्न्याः श्रेयोर्थं श्रे० छाहडेन श्रीनेमिनाथविंवं (बिंबं) कारितं **श्रीदेवानंदसूरिभिः** प्रतिष्ठितमिति ॥

(२६)

संवत् १२५१ ज्येष्ट(ष्ठ)शुदि ६ शुक्रे श्री**षंडेरकगच्छे** श्री-यशोभद्रसूरिसंताने **पंन्यास** देव म० सूरिचन्द्रसागर चन्द्र...देव-धणचन्द्रप्रमुखसहितैः श्रीरि(ऋ)षभनाथबिंबं कारापितं **श्रीसुमतिसू-रिभिः** प्रतिष्ठितं ॥ लूंणाकाचैत्य

(२७)

संवत् १२५६ ज्येष्ट(ष्ठ)शुदि १० रवौ श्रे० चाडसीहेन निजकु-टुंबसहितेन पार्श्वनाथ०[:] कारितः प्रतिष्ठितः **श्रीदेवभद्रसूरिभिः** ॥

(२८)

सं० १२६१ ज्येष्ठसुदि० १० बृहस्पतिदिने श्रीनरचंद्रोपा-ध्यायैः पं० कुलचंद्रसाधुगुणचंद्रविणयचंद्र......चंद्रबहुचंद्रवीरचंद्र महाराजपुत्रश्रीदेवसीहपुत्रिका श्रीदेवडी सिरयादेवि कारापिता प्रति-ष्ठिता श्री**नरचंद्रोपाध्यायेन**......

---

(२५) **વઢવાણ** શહેરના મ્હોટા મંદિરમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(२६) **ઓયા** (મારવાડ) ના મંદિરમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(२७) **ઉદયપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(२८) **પેરવા** (મારવાડ)ના મંદિરમાંની એક દેવી ઉપરનો લેખ. આ ગામ એરણપુરા સ્ટેશનથી લગભગ ૧૦ માઇલ થાય છે.

(૨૯)

। संवत् १२६१ आषाढवदि ८ शनौ(नौ) श्रे० पासदत भार्या वेलिसिरिसहसा स्वश्रेयसे श्रीरि(ऋ)षभनाथबिंबं कारितं

(૩૦)

सं १२६२ फागु(ल्गु)णशुदि १० रवौ श्रे० पूनदेवसुतवीरा पासदेवश्रेयोर्थं का० प्र० **श्रीसी(सिं)हदेवसूरिभिः**

(૩૧)

सं० १२(?)७० वर्षे फा० व० २ प्रा० व्य० वीजा भार्या वीन्हश्रेयसे सु० सोमाकेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० वृ० **श्री भावदेवसूरिभिः**

(૩૨)

॥ संवत् १२७३ वर्षे कार्त्तिकवदि ५ सोमे **श्रीमोढ**... श्रीअड्डालि-**ज्जगच्छीय** श्रे० आसादेवसुत श्रे० शांतिपुत्रेण व्य० उदयपातेन श्रे० षोहिणि स्वश्रेयोर्थं श्रीमल्लिनाथजिनबिंबं (बिंबं) कारितमिति

---

(૨૯) **પાટડી**ના દેરાસરની ધાતૂની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૩૦) **ઉદયપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૩૧) **લીંબડી**ના જૂના દેરાસરની ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૩૨) **વઢવાણ શાહેર**ના મ્હોટા મંદિરની ભમતીમાં પરિકરની નીચેનો લેખ.

(૩૩)

संवत् १२७५ वर्षे वैशाखशुदि ४ शुक्रे

श्रीमच्चंद्रकुले नभोवदतुले सज्जीवकाव्यालये
भास्वत्सोममुनींद्रमंगलबुधोत्ताराविशाखोदये ।
जातो मोहतमोपहो दिनमणिः श्रीवर्धमानाभिधः
सूरिर्भूरिगुणप्रतोषितसुरो भव्यांबुजोद्बोधकः । १

तत्पट्टे श्रीदेवसूरिः हेमसूरिस्ततोभवन् ।
जज्ञेथ श्रीयशश्चंद्रसूरिः सूरिशिरोमणिः ।। [२]
सूरिश्रीमुनिचंद्राह्वो विस्व(श्व)विद्यामहोदधिः ।
ततः श्रीकमलप्रभसूरिः काममदापहः ।। ३
तत्संताने गुणाधाने हुंवटान्वयशालिना ।
श्रीसंघसमुदायेन मोक्षसंगमकांक्षिणा ।। ४
सौधपंक्तिनि(वि)निर्जितविबुधविमानावल्यां
वाटापल्यां श्रियोवत्यां नगर्या न्यायभूपतेः ।।'५
श्रीमतः शांतिनाथस्य त्रिलोकीशांतिकारिणः ।।
विंबोद्धारः शुभाकरश्चक्रे प्राणप्रणाशनः ।। ६

प्रतिष्ठितः **श्रीसोमसूरिभिः** ।। मंगलमस्तु ।। कर्मस्थाने कारापकः
पंडित**जिनचंद्रः** ।। इति ।। छ ।। छ ।। छ ।।

---

(૩૩) **વડાલી**ના, શાંતિનાથના દેરાસરમાં ભમતીના ડાબા પડખે બીજી કોટડીમાં પબાસણની નીચેનો લેખ.

(३४)

संवत् १२८५ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ)शुदि ३ रवौ **जामाणंकीय** व्य० यशोधवल सुत व्य० पूनाकेन भ्रातृवीरदेवश्रेयसे श्रीनेमिनाथप्रतिमा कारिता

(३५)

संवत् १२९० वर्षे माघसुदि ५ शुक्रे श्रे० वढपाल श्रे० जगदेवाभ्यां श्रेयोर्थं पुत्रसाभदेवेन भ्रातृपूनसिंहसमेतेन चतुर्विंशतिपट्ट[:] कारितः। प्रतिष्ठित[:] **बृहद्गच्छीयैः श्रीशांतिप्रभसूरिभिः**

(३६)

सं १२९२ ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि १५ गुरौ भावयजापुत्रीजाभ्यां पार्श्वनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठित(तं) श्री**नागेंद्रगच्छे श्रीगुणसेणसूरिभिः** ॥

(३७)

मं० १२९८ वैशाषवदि २ रवौ श्री**वायटीयगच्छे** श्री-जीवदेवसूरिसंताने पितृराजसी(सिं)हश्रेयोर्थं सुतमाहलणेन श्रीपार्श्वनाथः कारितः ॥

---

(૩૪) **લીંચ**ના દેરાસરની ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૩૫) **રાણકપુર**ના મંદિરમાં ભોંયરાની અંદરની ચોવીશીના પટ્ટ ઉપરનો લેખ.

(૩૬) **કતાર** ગામના લાડુઆ શ્રીમાલીના નાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ. આ ગામ સુરતની પાસે છે.

(૩૭) **વળા** (કાઠીયાવાડ) ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૩૮)

सं० १२६६ वैशाखसु० १४ श्रे० गोसलभार्या—णिश्रेयोर्थं वसुसिंहेन बिंबं कारितं प्र० पूर्णचंद्रसूरिशिष्यैः **श्रीचंद्रसूरिभिः**॥

(ચૌદમા શતકના.)

(૩૯)

संवत् १३०३ वर्षे चैत्रवदि ४ सोमादिने **श्रीचैत्रगच्छे** श्री-भद्रेश्वरसंताने भर्तृपुरीयवत्सश्रे० भीम अर्जुन कडवट श्रे० चूडा पुत्र श्रे० वयजा धांधल पासड उवादिभिः कुटुंबसमेतैः .... प्रतिमा कारिता। प्रति० श्रीजिनेश्वरसूरिशिष्यैः **श्रीजिनदेवसूरिभिः** ॥

(४०)

सं० १३०४ जेष्ट (ज्येष्ठ)सुदि ६ के (?) लूणपालो (लेन)का (?) लूणहींगोत्र (त्रेण) श्रीपारस (पार्श्व) नाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि (ष्ठि) तं **श्रीदेवभद्रसूरिभिः** ॥

(४१)

॥६०॥ संवत् १३०५ ज्येष्ट(ष्ठ) शुदि ११ सोमे **प्राग्वाट-ज्ञातीय** ठ० सांगाभार्या ठ० सलषणदेव्या श्रीरोहिणीबिंबं कारितं॥ ६ छ ॥ ३ ॥ छ ॥ प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीरत्नप्रभसूरिभिः** ॥

---

(૩૮) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૩૯) કરેડાના મંદિરની ભમતીની ઓરડીમાંની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ. આ ગામ **ચિત્તોડ**થી ઉદેપુર આવતાં રસ્તામાં આવે છે. અને તે '**કરેડા પાર્શ્વનાથ**' ના તીર્થ તરીકે પ્રસિદ્ધ છે.

(૪૦) રાણકપુરના મંદિરમાં ભોંયરમાંની ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૧) ડભોડા (અમદાવાદ—પ્રાંતીજ લાઇન) ના મંદિરમાં એક પાષાણની મૂર્ત્તિ છે. એ બાજુએ શ્રાવક—શ્રાવિકાની ન્હાની મૂર્ત્તિઓ છે. મધ્યમાં ભગવાનની મૂર્ત્તિ છે. પરિકર પણ છે. અને ત્હેની નીચેનો આ લેખ છે.

(४२)

संव० १३२३ माघशुदि ६ भो(भौ)मे सरेत्य (?) भां० सलखू-श्रेयसे पूर्वप्रतिमोद्धारणार्थं श्रीनेमिनाथप्रतिमा कोनाकसंतानीय भांडा० मूलदे वचोवाल्या पु० वीरपालनीहडाभ्यां कारितं प्रतिष्टि-(ष्ठि)तं ....आचार्यश्रीपूर्णदेवसूरिशिष्य**श्रीविजयसेनसूरिभिः** ॥

(४३)

॥ सं० १३२५ वर्षे फाल्गुन सुदि ८ भो(भौ)मे **श्रीहस्तिकुंडीयगच्छे धरकटवंशीय** ....पुत्र नेजाकेन मातृ.... श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **श्रीवासुदेवसूरिभिः** ॥

(४४)

सं० १३३८ वर्षे चैत्रवदि- शुक्रे महं० हीराश्रेयोर्थं महं० सुतदेवसिंहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **श्रीसूरिभिः** ॥

(४५)

। सं० १३३६ फागु(ल्गु)णसु० ८ **श्रीबृहद्गच्छे श्रीश्रीमालवंशे** सा० सादा भार्या माकू पुत्र धणसी(सिं)हभार्या चांपल पुत्र **भीम** अर्जुन भीमभार्या नीनू पितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० **माण(न)देवसूरिभिः** ॥

---

(૪૨) **ઉદેપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૩) **ઉદેપુર**ના બાબેલાના મંદિરમાં આદીશ્વરની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૪) **ઉદેપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૫) **લીંચ**ના મંદિરમાં ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૬)

॥ संवत् १३३६ वर्षे फागु(ल्गु)णसुदि ८ शनौ **नांदेचान्वये** साधु पउमदेव सुत साधुश्रीपासदेव भार्या षेढी पुत्राश्चत्वारः सा० वेहड सा० काजल रउलू काहड पौत्र जिणदेव दिवधरप्रभृतिभिः देवकुलिकासहितं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० वादींद्रश्री**धर्मघोषसूरिगच्छे** श्रीमुनिचंद्रसूरिशिष्यैः **श्रीगुणचंद्रसूरिभिः**

(૪૭)

सं० १३४१ ज्येष्ट(ष्ठ) शुदि १५ रवौ श्रे० धांधलश्रेयोर्थं भार्या झांझलदेव्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्टितं **श्रीसूरिभिः**

(૪૮)

सं० १३४५ **श्रीमालज्ञातीय ठ०** मूमलप्रभृतिश्राविकासमुदायेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं

(૪૯)

सं० १३५० वर्षे माहवदि ६ सोमे......काकेन भ्रातृरा...... निमित्तं श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० **मड्डाहडगच्छे रत्नपूरीय**श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्री**सोमदेवसूरिभिः**

---

(૪૬) **કરેડા**ના મંદિરની ભમતીમાં ઓરડીમાંનો લેખ

(૪૭) **સાદડી**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૮) **જોટાણા**ના મંદિરની એક ન્હાની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૪૯) **પૂનાના** આદિનાથના મંદિરમાંની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૦)

संवत् १३५२ वर्षे फागु(ल्गु)णसुदि १ बुधे **श्रीचैत्रगच्छीय धर्कटवंशे नाहरगोत्रे** सा हापा सुत सा विजयसीह्न भ्रातृ धारसी(र्सि)ह् सुपास सु० माणकेन श्रीवास(सु)पु(पू)ज्यबिंबं कारितं प्रति [०] **श्रीगुणचंद्रसूरि....**

(५१)

सं० १३५३ वैशापवदि ६ गुरौ **श्रीदेसावालज्ञातीय** श्रे० माऊ सुत श्रे० धागा सुत पाल्हण सुत झांझणबीडाकेन माता जासल श्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथ[बिंबं] प्रति[०] **श्रीकमलाकरसूरि[भिः]**

(५२)

सं० १३५७ वर्षे वैशाखवदि ५ शुक्रे **श्रीब्रह्माणगच्छे श्री-श्रीमालज्ञातीय** श्रे० देपालेन पितृभ्रातृण(तॄणां) श्रेयोर्थ श्रीमहावीरबिंबं कारित(तं) । प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीविमलसूरिभिः**

---

(૫૦) **ઉદયપુરના** શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૧) **જેટાણાના** મંદિરમાં બે કાઉસગિયા છે. આ કાઉસગિયાની નીચે એક તરફ શ્રાવક **પાલ્હણ** અને બીજી તરફ શ્રાવિકા **જાસલ**ની મૂર્ત્તિયો છે. બન્ને કાઉસગિયા નીચે ઉપરનો લેખ છે. ફરક માત્ર એજ છે કે એક ઉપર माता जासलश्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथ લખ્યું છે. જ્યારે બીજા ઉપર पिता (तृ) श्रेयोर्थं श्रीनेमिनाथः લખ્યું છે.

(૫૨) **કતારગામ**ના લાડૂઆ શ્રીમાલીના ન્હાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(५३)

॥ सं० १३६१ ज्येष्ट(ष्ठ)सुदि ८ बुधे श्रे० आसपाल सुत अ-जेसिंह तद्भार्या वीहलणदेवि तयोः सुत काहनडपूनाभ्यां पितृव्य लूणिश्रेयसे श्री ५ श्रीयशोभद्रसूरिशिष्यैः **श्रीविबुधप्रभसूरिभिः**

(५४)

सं. १३६८ वैशाखसुदि ८ **मोरीया**वास्तव्य श्रे० ज्यसा भार्या लालू पुत्र देवड हरिपाल। ली (?) श्रीशांतिनाथबिंबं कारि० **श्री-देवेंद्रसूरीणामुपदेशेन**

(५५)

सं० १३७१ वर्षे माहसुदि १४ सोमे भाजा भार्या लक्ष्मी तयो[ः] पुत्र सेगा भार्या निजलसुत साहाकन (केन) भ्रातृ.... श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्री**सूरिभिः** ॥ श्रीः ॥

(५६)

६० ॥ सं० १३८१ वैशाषवदि ५ श्रीपत्तने श्रीशांतिनाथ-विधिचैत्ये श्रीजिनचंद्रसूरिशिष्यैः **श्रीजिनकुशलसूरिभिः श्रीजिन-प्रबोधसूरिमूर्त्तिः** प्रतिष्ठिता ॥ कारिता च सा० कुमरपालरत्नैः सा० महणसिंह सा० देपाल सा० जगसिंह सा० मेहा सुश्रावकैः सप-रिवारैः स्वश्रेयोर्थं ॥ छ ॥

---

(૫૩) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૪) **સૂરત**, નવાપુરાના શાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૫૫) **વઢવાણ શહેર**ના ન્હાના મંદિરની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૬) **દેલવાડા** (ઉદેપુર)ના ખરતરવસહી મંદિરની આચાર્યની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૭)

सं० १३८२ वर्षे आषाढ वदि ६ नीमावंशे सा० काला। भार्या वीझूं पुत्र षीहाकेन पिता (तृ) माता (तृ) श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथ [:] **श्रीवीरप्रभसूरि(री)णामुपदेशेन** प्रतिष्ठित [:] **सूरिभिः**

(૫૮)

सं १३८८ वैशाषी १५ श्रे० छाडा भा० कर्मिणि पु० मोटणेन पित्रोः श्रेयसे श्रीमहावीरबिं[बं] का० प्र० अउढवेत्य **श्रीवयरसेणसूरि[भिः]**

(૫૯)

सं १३८६ व० चैत्र वदि ५ (?) बुधे **ओसिवालज्ञातीय** व्य० भीमा सुत झांझा भा० बिडसीह भा० ललतू सुत हरपाल भा० गूरीदेविनिमित्तं श्रेयोऽर्थ(र्थं) सुत कालाधरणित्याभ्यां श्रीचतुर्विंशतिपट्टक[:] कारित[:] प्रतिष्ठितं(तः) **श्रीसूर(रि)-** भिः ॥। **रणासणवास्तव्य(व्यौ)** ॥

(૬૦)

स (सं)० १३६२ वर्षे माघ शुदि ५ गुरौ **मोढज्ञातीय** ठ० भड भार्या बाइ भांवलश्रेयोर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं सुत ठ० रामेन(ण) कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीगुणचंद्रसूरिभिः**

---

(૫૭) **પૂના**ના ઓસવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૮) **હિમ્મતનગર**ના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૫૯) **ઉદેપુર,** ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૬૦) **લીંબડીના** મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(६१)

सं० १३६२ माघ व० १ श्रे० समरा भार्या संसारदे पुत्र कडूयाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्री-सद्गुरुभिः

(६२)

सं० १३६३ पोष व० ५ **श्रीमालवंशे** ठ० जयदा यशोद्भ-वेन म० आल्हाकेन पितृव्ययो....श्रीपार्श्वनाथबिंबं का[०]प्र० **मल-धारीगच्छे श्रीराजशेखरसूरिभिः**

(६३)

सं० १३६३ वर्षे फागु(ल्गु)ण सु० ८ सोमे **श्रीकोरंटकगच्छे** श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीनन्नसूरि(री)णां पट्टे **श्रीककसूरिभिर्निज गुरुमूर्त्ति** [:] कारिता

(६४)

म(सं)० १३६४ वैशाष ७ श्रीनाग...श्रेष्टि देदा भा[०]जह... केन मातृपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंवं (बिंबं) का० प्र० **श्रीसि-द्धसेनसूरिभिः**

---

(૬૧) **રાણકપુરના** દેરાસરના ભોંયરામાંના ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ

(૬૨) **વઢવાણકૅ**પના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૬૩) **સાદડીના** મંદિરની આચાર્યની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૬૪) **માંડલના** પાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(६५)

संवत् १३६७ माघ शु० १० शनौ पल्लीता(वा)लज्ञातीय ठ० छाडा भा० नायकि सुतश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्र० **श्रीधर्मघोषगच्छे** श्रीमानतुङ्गसूरिशिष्यैः **श्रीहंसराजसूरिभिः ।**

(६६)

सं[०]१३६८ वर्षे माघ शुदि ६ **रवौ हुंबडगच्छे हुंबडज्ञातीय** झाझा सुत पाहलाश्रेयोर्थं भ्रातृ सांगाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीसर्वदेवसूरिभि ः ।।**

(६७)

स(सं)० १३६– वैशाख शुदी(दि)३ **मोढवंशे** श्रे० पाजान्वये व्य० देवा सुत व्य० मुंजालभार्याये (यर्या) व्य० रत्नदिव्या आत्मश्रेयोर्इ(ऽ)र्थं श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टी(ष्ठि)तं **श्रीजाल्योद्धरगच्छे** श्रीसर्वाणंदसु(सू)री(रि)संताने श्रीदेवसूरी(रि)पट्टभूषणमणिप्रभु श्रीहरी(रि)भद्रसूरी(रि) शिष्ये(?) सुविहितनामधेयभट्टारकश्रीचंद्रसिंहसूरी(रि)पट्ट(ट्टा)लंकरण**श्रीविबुधप्रभसूरी**णां श्रीपाजाव(व) सद्दीकायां भद्रं भवतु

---

(६५) **મ્હેસાણાના** મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(६६) **ઘોઘાના** જીરાવલા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(६७) **વઢવાણ** શહેરમાં યતિના ઉપાશ્રયમાં એક પત્થર દાટેલો છે. તે ઉપરનો આ લેખ છે. આ લેખ 'સંસ્થાન વઢવાણની હકીકત' નામના પુસ્તકમાં છપાયો છે. તેમાંથી ઉતાર્યો છે.

(पंदरमा शतकना)

(६८)

॥ संवत् १४०२ आषाढ सुदि २ सोमवासरे **ओशवंशे** सा० रणसी भार्या रयणादे पुत्र राउल पितृपुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति[ष्ठि]तं **श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीविन[य]प्रभसूरिभिः** ।

(६९)

सं० १४०४ वर्षे वैशाख शुदि १– **श्रीश्रीप्राग्वाटज्ञातीय** पितृश्रे० भांतू मातृ माल्हणदेविश्रेयसे सुत मोकलेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीदेवाचार्य **श्रीरत्नाकरसूरि[भिः]**

(७०)

सं० १४०५ वर्षे वैशाष शुदि २ सोमे **श्रीमालज्ञातीय** श्रेष्टि(ष्ठि) -- लउसी भा० नीमलदे पु० श्रे० —— सुत देपाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं **ब्रह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरी(रि)णा** प्रतिष्टि(ष्ठि)तं

---

(६८) **ઓગણજ** (અમદાવાદ) ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(६९) **લીંચ**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(७०) **લીંબડી**ના જૂના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૭૧)

सं० १४०५ वर्षे वैशाष शुदि २ सोमे श्रीश्रीमाल ज्ञा० व्य० वेला व्य० माजण व्य० अरसीह सा० गेला समस्तगोत्र-पूर्वजसंताने व्य० सामल व्य० सोना व्य० मांगा सा० वाच्छा व्य० मेहा व्य० नाना व्य० वाता सु० ऊदा समस्तगोत्रिभिः मिलित्वा निजगोत्राभ्युदयाय पूर्वजा०नां श्रेयसे श्रीशांतिनाथगोत्रबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीरत्नसागरसूरिपट्टे श्रीनरसिंहसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ ७४ ॥

(૭૨)

सं[०] १४०८ वैशाष वदि ४ रवौ श्रीमालज्ञातीय पितामह उदयसी(सिं)ह पितृ लषणसी(सिं)हश्रेयसे सुत षोषाकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीगुणसागरसूरिशिष्यैः श्रीगुणप्रभसूरिभिः ॥

(૭૩)

सं[०] १४१४ वर्षे वैशाष उप० वयरसी भा० षीमिणि सु० आल्हा भा० आल्हणदे पतिश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रति[०] पिप्पलाचार्य श्रीवीरदेवसूरिभिः

---

(૭૧) માંડલના પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૭૨) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૭૩) સીંચના દેરાસરની ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(७४)

सं० १४१५ **विणवटगोत्रे** सा० तीषूणजी० तिहुणश्री पु० मोषटेन आत्मपूर्व्वजानिमित्तं चंद्रप्रभबिंबं का० प्र० **धर्मघोषगच्छे श्रीसर्वाणंदसूरिभिः**

(७५)

सं० १४२२ वर्षे वैमा(शा)ष शुदि ११ बुधे **प्रागवाट** ज्ञा० **कच्छोली** वास्तव्य श्रेष्ठि चिहुणा भा० चाहणि सुत सेगाकेन पितृमातृश्रे० श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० **श्रीरत्नप्रभसूरिभिः**

(७६)

सं० १४२३ वर्षे फा० शु० ६ **मोढज्ञातीय** श्रे० गणा भा० व० लाडी सुत सामलेन मा० पितृश्रे० श्रीशांतिनाथबिं० का० प्र० **जाल्योधरग०** प्र० **श्रीललितप्रभसूरिभिः** ॥

(७७)

सं० १४२३ फागुण शुदि ६ सोमे **श्रीमाल** व्य० मोहण भा० माल्हणदे सुत आल्हापाल्हाभ्यां पितृव्य आमपाल भ्रातृ मालो द्वाभ्यां श्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं **श्रीअभयचंद्रसूरीणामुपदेशेन**

---

(૭૪) **ઉદયપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૭૫) **ઉદયપુર**ના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૭૬) **અમદાવાદ**, ઝવેરીવાડાના ચોમુખજીના દેરાસરની ધાતુપ્રતિમા ઉપરનો લેખ.

(૭૭) **ઉદયપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(७८)

सं० १४२७ ज्येष्ठ व० १ **प्राग्वाट** ठ० दउलसी(सिं)हेन पित्रोः ठ० पूनसी(सिं)ह ठ० प्रमलदेव्योः श्रे० श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० **मलधारी श्रीमुनिशेष(ख)रसूरिभिः**

(७९)

सं० १४२७ ज्येष्ठ व० १० **प्राग्वाट** ठ० गोवलधीणिगाभ्यां पित्रोः ठ० पूनसी(सिं)ह बा० प्रीमलदेव्याः श्र० (श्रे०) श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० **मलधारि श्रीमुनिशेखरसूरिभिः**

(८०)

संवत् १४२६ वर्षे माघ वदी ७ दी(दि)ने..........श्रीआदिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं **श्रीहीरापल्लीगच्छे श्रीवीरचंद्रसूरिभिः**

(८१)

सं० १४३२ वर्षे फागुण सुदि २ शुक्रे **श्रीमालज्ञाती[य]** श्रेष्ठि सोमा भार्या सूमलदे पु० तेजाकेन मातृपितृश्रेयोर्थं पंचायतन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० **श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीअभयदेवसूरिभिः**

---

(७८) **ઉદયપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(७९) **ઉદયપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(८०) **વડનગર**ના આદીશ્વરના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(८१) **પૂના**ના આદીશ્વરના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૮૨)

सं० १४३७ वर्षे द्वि० वैशाष व० ११ भौमे **ओश**० व्य० नरा भा० मेघी पु० भीमसी(सिं)हेन पित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० **ब्रह्माणीय** श्रीरत्नाकरसूरिपट्टे **श्रीहेमतिलकसूरिभिः**

(૮૩)

संवत् १४३८ वर्षे वैशाख शुदि ३ प्रा.... ...श्रा भार्या मयणली पुत्र कम(र्म)सी(सिं)ह भार्या लष्मादे पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीमहावीरबिंबं कारित(तं) प्रतिष्ठ(ष्ठि)तं **श्रीदेवेंद्रसूरिभिः**

(૮૪)

सं० १४३९ पौष वदि ९ रवौ **ऊकेशज्ञा**० ठ० नरसिंह भार्या नागलदेश्रेयसे सुत समरसी(सिं)हेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० **सिद्धांतीय श्रीअजितसूरिभिः ।**

(૮૫)

सं० १४४० वर्षे पोश सुदि १२ बुधे **प्राग्वाटज्ञातीय ।** मंतृ (त्रि) सिंह मातृ रूपी सुत तेजाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० **पिप्पलाचार्य श्रीउदयानंदसूरिभिः**

---

(૮૨) ઉદયપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૮૩) **કતારગામ**ના લાડુઆ શ્રીમાલીના ન્હાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૮૪) **લીંચ**ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૮૫) **પાટડી**ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૮૬)

संवत् १४४० वर्षे फागुण सुदि ८ सोमे अनंतरंनम्यां (?) तिथौ उपकेशवंशे लोढागोत्रे सा० जसदेव भार्या सु० धानी पुत्र सा० कमला भार्या छाडू पुत्र सा० आका सा० धरण सा० सिवराजद्भिः पितृपितृव्य सा० कालूश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथः (थेन) सहिता पंचतीर्थी कारिता । प्र० श्रीधर्म्मघोषगच्छे श्रीज्ञानचंद्रसूरिपट्टे श्रीसागरचंद्रसूरिभिः ॥ श्रीप्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥छ॥

(૮૭)

॥ ६० ॥ स्वस्ति श्रीनृपविक्रमसमयातीत सं० १४४३ वर्षे कार्त्तिक वदि १४ शुक्रे श्रीनड्डलाईनगरे चाहमानान्वय-महाराजाधिराजश्रीवणवीरदेव सुतराज श्रीरणवीरदेवविजयराज्ये अतुच्छस्वच्छश्रीमद्बृहद्गच्छनभस्तलदिनकरोपमश्रीमानतुङ्गसूरिवंशोद्भवश्रीधर्मचन्द्रसूरिपट्टलक्ष्मीश्रवणो उत्प(णोत्प)लायमानै[:] श्रीविनयचंद्रसूरिभिर[न]ल्पगुणमाणिक्यरत्नाकरस्य यदुवंशशृङ्गारहारस्य श्रीनेमीश्वरस्य निराकृतजगद्विषादः प्रासादः समुद्दध्रे आचन्द्रार्क नन्दतात् ।

---

(૮૬) રાધનપુરના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૮૭) નાડલાઇના ગિરનાર પર્વત ઉપરના મંદિરની અંદરના થાંભલા ઉપરનો લેખ.

(८८)

संवत् १४४४ वर्षे **श्रीमाली** टातामड पुत्र सा० वयरसिंहेन भ्रातृ लाषमसींगिरयुत (तेन) श्रीआदिनाथबिंबं कारितं । स्वपुण्यार्थं प्रतिष्ठितं **खरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिभिः**

(८९)

सं० १४४६ वैशाख वदि ३ सोमे **प्राग्वाटज्ञाती** [य] ज्ञा० श्रे० सावठ भार्या पाल्हश्रेयोर्थं सुत जगडेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० **श्रीउढवगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरिभिः**

(९०)

सं० १४४६ वर्षे वैशाष वदि ३ सोमे **उपकेश** ज्ञा० **उघुंट** गोत्रे सा० ऊदा भार्या अणुपम पुत्राभ्यां सा० रामा–लाषाभ्यां पितुः श्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० **उपकेशगच्छे** श्रीककुदाचार्य संताने **श्रीदेवगुप्तसूरिभिः**

(९१)

॥ संवत् १४४६ वर्षे जेठ(ज्येष्ठ)वदि ३ **सोमे श्रीअंचलगच्छेश-श्रीमेरुतुंगसूरीणा**मुपदेशेन **ऊकेश**वंशे सा० रामा सुतेन सा० काजाकेन पितृश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं च **श्रीसूरिभिः**॥

---

(८८) **ચિત્તોડ** ગામના શ્યામઋષભદેવના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(८९) **પૂના**ના આદીશ્વરના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(९०) **પૂના**ના પોરવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(९१) **લીંચ**ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૯૨)

संव[त] १४४९ वर्षे वैशाष शुदि ३ सोमे **श्रीश्रीमाल** ज्ञा० पितृ षीमा मातृ पेतलदे श्रेयसे सुत वाछाकेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारि० प्रति० **श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः**

(૯૩)

सं० १४५० वर्षे फागुण वदि २ **उपकेशज्ञातीय** सा० षाषण भा० षीमसिरि तयोः श्रेयोर्थं सुत आल्हा उदा देवाकेन श्रीवासुपूज्यबिं० पंचती० का० प्र० **श्रीनागेंद्रगच्छे** श्रीरत्नशेष[र] सूरिपटे (ट्टे) **श्रीदेवप्रभसूरिभिः**

(૯૪)

सं० १४५१ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) शुदि ४ रवौ **श्रीमालज्ञातीय** पितृ देदा भा० हीमी पुत्र धीणाकेन मातृपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथ बिंबं पंचतीर्थी का० **आ० गच्छे श्रीअमरसिंम** (ह) **उप०**

(૯૫)

सं० १४५३ वैशाष सुदि ५ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञा०** ठ० मेलिग भार्या माहलणदे सुत सांगा जेसाश्रेयसे श्रीपाश्व(र्श्व)नाथपंचतीर्थी स(सु)त मईआकेन कारिता प्रतिष्ठिता **श्रीगुणप्रभसूरिभिः** ॥ ७४

---

(૯૨) **ઉદેપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૯૩) **ઉદેપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૯૪) **વળા**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૯૫) **વાઘપુર** (ગુજરાત)ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(९६)

संवत् १४५७ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ **प्राग्वाटज्ञातीय** श्रे० डूंगर भार्या ना.... लीबाकेन पित्रो[ः] श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीमलयचंद(द्र)सूरिभिः**

(९७)

सं[०] १४५७ आषाढ सुदि ५ गुरौ **प्रा० ज्ञा०** व्यव[०] छाहड भार्या मोषलदे पुत्र त्रिभुणाकेन पित्रो[ः]० श्रे० श्रीपार्श्वनाथ-बिंबं कारितं । साधु **पू० प० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः**

(९८)

सं० १४५८ वैशाख वदि २ गुरौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रे० लूणा भा० ललतादे सुत भादाकेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीवास(सु)-पूज्यबिंबं का० प्र० **श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमुणिचंद्रसूरिभिः** ॥छ॥

(९९)

॥ सं० १४६१ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि १० शुक्रे **श्रीश्रीमाल** ज्ञातीय व्य० वसा भा[०] चाहलणदे सुत गोना मात्रि (तृ) भ्रात्रि(तृ) श्रेयोर्थं सुत खेता श्री । नमिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं० **नागेंद्रगच्छे शं(शां)तिसूरि[भिः]**

---

(९६) **લીંચ**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(९७) **ઉદેપુર**ના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(९८) **પાટડી**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(९९) **લીંબડી**ના જૂના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(१००)

॥६०॥ सं० १४६४ वर्षे आषा[ढ]० शु० १३ **गूर्जरज्ञातीय भणसाली** लाषण सुत मं० जयतल सुत मं० सादा भार्या सूमलदे सुत मं० वरसिंह भ्रातृ मं० जेसाकेन भार्या शृंगारदे पुत्र हरिचंद्र-प्रमुखसकलकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे प्रभुश्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता **श्रीसूरिभिः** ॥

(१०१)

संवत् १४६६ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे **प्राग्वाट** ज्ञातौ मं० सोभित भा० लाऊलदेवि सु० भादेन पित्रोः श्रे० श्रीआदि-नाथबिंबं का० प्र० **श्रीकोर(रं)टगच्छे नन्नसूरिभिः**

(१०२)

संवत् १४६८ वर्षे वैशाख वदि ३ शुक्रे **श्रीश्रीमाल** ज्ञा० पितृ सहज । मातृ सहजलदे पितृव्य लषमण सुत सहसा श्रेयोर्थं सुत लोलाकेन श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी कारिता । प्रतिष्टि(ष्ठि)ता **श्रीसू-रिभिः** ॥ **मधुकरान्वये** । शुभं भवत् (तु) ॥

---

(૧૦૦) **દેલવાડા** (મેવાડ)ના પાર્શ્વનાથજીના મંદિરના મૂલનાયકજીની ડાબી તરફના કાઉસગીયાની નીચેનો લેખ.

(૧૦૧) **ઉદેપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૦૨) **ચાંડલ**ના શાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૦૩)

संवत् १४६८ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) वदि १३ रवौ **ऊकेशवंशे गादहीयागोत्रे** सा० देपाल पुत्र आना भार्या भीमिणिश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति[०] **उपकेशगच्छे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः** ॥

(१०४)

६० ॥ स्वस्ति सं० १४६६ वर्षे माघ सुदि ६ रवौ **श्रीमालवंशे नावरगोत्रे** ठ० ऊहडसंताने श्रीपुत्रमंत्रि करम०सि श्रेयोर्थं लघुभ्रातृ ठ[०] देपालेन भ्रातृव्य ठ० भोजराज ठ० नयणसिंह भार्या माल्हदेसहितेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितः(तं) प्रतिष्ठितं **श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः देवकुलपाटके**

(१०५)

संवत् १४६६ वर्षे माघ सुदि ६ दिने **ऊकेशवंशे** सा० सोषासंताने सा० सुहडा पुत्रेण सा० नान्हाकेन पुत्र वीरमादिपरिवारयुतेन श्रीजिनराजसूरिमूर्त्तिः कारिता प्रतिष्ठिता **श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनवर्धनसूरिभिः** ।

---

(૧૦૩) ઉદેપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૦૪) **દેલવાડા** (ઉદેપુર)ના આદિનાથજીના મંદિરના મૂલનાયકજીની નીચેનો લેખ.

(૧૦૫) **દેલવાડા** (ઉદેપુર)ના શ્રીઆદિનાથના મંદિરમાંની આચાર્યની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१०६)

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ शुक्रे **हूंबडज्ञातीय** ठ० देपाल भा० सांहग पु० ठ० राणाकेन मातृपितृ श्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **निवृत्तिगच्छे श्रीसूरिभिः** ॥ श्रीः ॥

(१०७)

सं० १४६६ वर्षे सा० रामदेव भार्यया मेलादेश्राविकया स्वभ्रातृस्नेहलया श्रीजिनदेवसूरिशिष्याणां श्रीमेरुनंदनोपाध्यायानां मूर्त्तिः कारिता । प्रतिष्ठिता **श्रीजिनवर्धनसूरिभिः** ॥

(१०८)

संवत १४६– **प्राग्वाटज्ञातीय** सा० हाला भार्या हालू सुत सा० वीगरेण श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं तपागच्छे **श्रीदेवसुंदरसूरिभिः** ॥

---

(૧૦૬) **ઉદેપુર**ના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૦૭) **દેલવાડા** (ઉદેપુર)ના આદિનાથના મંદિરમાંની આચાર્યની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૦૮) **પાલીતાણા**ના બાબૂ માધવલાલજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૦૯)

॥ सं० १४७० वर्षे वै० शु० २ बुधे **ऊकेशवंशीय** सा० वयरा सुत सा० धणसी भा० भावलदे सुत सं० घडसिंहेन वृद्ध-भ्रातृ सं० देवराज सं० हेमराज भ्रातृज सं० जेसिंग सं० ह(हं)सादि-कुटुंबमध्यगतेन भा० अछबादे भा० वल्ही सु० ईसरपाषादियुतेन स्वश्रेयोर्थं । श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च तपा-गच्छनायक **श्रीसोमसुंदरसूरिभिः** ॥

(११०)

सं० १४७१ वर्षे माघ शु० ६ शनौ **प्रा० ज्ञा०** मं० हदा भा० वाहणदे सु० रतना(त्ना) भा० रत्नादे सुत मुरासहितेन श्रेयसे श्री-शांतिबिंबं का०प्र० **कूवडगच्छे** धणदेवसूरिसंताने **भावशेखरसूरिभिः**॥

(१११)

॥सं[०] १४७२ वर्षे वैशाष शुदि १२ **उसवाल ज्ञातीय** व्य० लींबा भार्या मुंजी स० देवराज भार्या देवलदे पित्रि(तृ)मात्रि(तृ) श्र(श्रे)योर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं जीरापर्ला (ल्ली) गच्छे **श्रीशालिभद्रसूरिभिः** ॥ छ ॥

---

(૧૦૯) **ત્રાપજ** (કાઠીયાવાડ)ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૧૦) **અમદાવાદ**, ઝવેરીવાડામાંના ચૌમુખજીના દેરામાંની ધાતુ-મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૧૧) **ભંડારીયા** (પાલીતાણા)ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(११२)

॥ ६० ॥ संवत् १४७३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ४ गुरुवारे सा० आंबा पुत्र सा० वीराकेन स्वमातृ अ (आंबा?) श्राविकास्वपुण्यार्थं ॥ श्रीचतुर्विंशतिजिनपट्टकः कारितः श्रीखरतरगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीजिनवर्धनसूरिभिः ।

(११३)

॥ स(सं)० १४७३ वर्षे० ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि ५ शुक्रवारे० राबल गोत्रे नरदेव पु० आल्हापाल्हामातृपितृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं श्रीधर्मघोषग० श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः

(११४)

सं [०] १४७४ व० मार्ग ... . सा० पूना भा० गूजरि आ० श्रे० श्रीश्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेष(ख)रसूरिभिः

---

(૧૧૨) દેલવાડા (ઉદયપુર) ના શ્રીઋષભદેવના મંદિરની પાષાણુની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૧૩) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૧૪) પૂનાના આદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(११५)

॥६०॥ संवत् १४७५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ७ गुरुवारे श्रीमालज्ञातीय मंत्रि .... णुं प्रासुत नंदिगेसा सुत पुत्र सा० आसासुश्रावकेण श्रीपार्श्वनाथबिंबं स्वपुण्यार्थे(र्थं) कारितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनवर्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(११६)

सं० १४७६ वर्षे चैत्र वदि १ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० भीम भा० भरमादे सु० राम भार्या रांभलदेश्रेयसे सुत भोटाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे श्रीसोमचंद्रसूरिभिः

(११७)

सं० १४७७ व० माग्र(र्ग)० व० ४ र[वौ]० प्रा० श्रे० नरसिंह भा० सारु पुत्र रामाकेन स्वपित्रोः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षी[य] श्रीपद्माकरसूरिभिः

---

(११५) દેલવાડા (ઉદેપુર) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના દેરાસરમાં મૂલનાયકની જમણી તરફ કાઉસગીયાની નીચેનો લેખ.

(११६) લીંચના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(११७) ઉદેપુરના, ધર્મશાળાના મંદિરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(११८)

संवत् १४७८ वर्षे पौष शु० ५ राजाधिराजश्रीमोकलदेव-विजयराज्ये प्राग्वाट सा० वाना भा० रु- [पी?] सुत सा० रतन भा० लापू पुत्रेण श्रीशत्रुंजयगिरिनारार्बुदजीरापल्लीचित्रकूटादि तीर्थयात्राकृता श्रीसंघमुख्य सा० धरणपालेन भा० हासू पुत्र सा० हाजा भोजा धाना वधू देऊ भाऊ धाई पौत्र देवा नरसिंग पुत्रिका पूनी पूरी मरगद चमकू प्रभृतिकुटुम्बपरिवृतेन श्रीशांतिनाथ-प्रासादः कारितः प्रतिष्ठितस्तपापक्षे श्रीदेवसुंदरसूरिपट्ट पूर्वाचल-दिननायकतपागच्छनायकनिरूपममहिमानिधानयुगप्रधानसमानश्री-श्रीश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥ भट्टारकपुरंदरश्रीमुनिसुंदरसूरि श्रीजय-चंद्रसूरि श्रीभुवनसुंदरसूरि श्रीजिनसुंदरसूरि श्रीजिनकीर्त्तिसूरि श्रीविशालराजसूरि श्रीरत्नशेखरसूरि श्रीउदयनंदिसूरि श्रीलक्ष्मी-सागरसूरि महोपाध्यायश्रीसत्यशेखरगणि श्रीसूरसुंदरगणि श्रीसो-मदेवगणिकलंदिकाकुमुदिर्नासोमोदय पं० सोमोदयगणिप्रमुखप्रति-दिनाधिकाधिकोदयमानशिष्यवर्गैः ॥ चिरं विजयतां श्रीशांतिनाथ-चैत्यं कारयिता च ।

(११९)

सं० १४७८ वर्षे फागुण वदि ८ रवौ उ० ज्ञा० श्रेष्ठि वीरड स० सा० गोपाल भा० सुहडादे पु० नोडा भा० नायकदे-सहितेन पित्रो[ः] श्रे० श्रीश्रेयांसः का० प्र० श्रीवृ० श्रीदेवाचार्यसं[०] श्रीदेवचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीपूंन (पुण्य)चंद्रसूरिभिः

---

(૧૧૮) જાવર (ઉદેપુર) ના ખંડેરના મંગલચૈત્ય ઉપરનો લેખ.

(૧૧૯) પૂનાના આદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१२०)

संवत (त्) १४७८ वर्षे वैशाष शुदि ३ गुरौ द्राआ वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्टि(ष्ठि) सरवण भार्या श्रीयादे तयोः सुतौ श्रेष्टि(ष्ठि) कर्मा भार्या कामलदे सु० लाषा लूणाभ्यां शांतिनाथ-बिंबं कारापितं श्रीआगमगच्छीय श्रीअमरसिंहसूरीणा उ(मु)पदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसूरिभिः श्रीः ॥

(१२१)

संवत् १४७८ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० नरदेव भार्या गांगी पुत्र श्रे० झाबटेन भा० कडू पुत्र वरणादियुतेन स्वपितृव्य चांपा श्रेयोर्थं श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(१२२)

॥सं० १४७६ वर्षे पोस(पौष) वदि ५ शुक्रे श्रीउस० वंसी(शी)य महं सांगा भार्या सीणलदेवि सुत महं सांडण भार्या बाइ साजणि आत्मश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं श्रीबृहद्गच्छीय श्रीपूर्णचंद्र-सूरिभिः प्रतिष्ठितं श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

(१२३)

सं० १४८० वर्षे फा० शु० १० बुधे उ०टपगोत्रे सा० मल-यसी(सिं)ह पु० डीडा आल्हू पु० लूणाकेन गोपालकस्य श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसेषुरगच्छे श्रीशांतिसूरिभिः

---

(१२०) પાટડીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.
(१२१) ઉદેપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.
(१२२) પૂનાના આદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.
(१२३) અમદાવાદ, ઝવેરીવાડામાં ચોમુખજીના દેરામાંની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१२४)

सं० १४८० वर्षे फा० सु० १० बुधे उप० ज्ञा० श्रे० कडूयट भार्या कुसमीरदे पु० गेहाकेन पित्रोः श्रेय० श्रीनमिनाथ-बिंबं का० प्र० मज्ञा० **रत्नपुरीय** भ० धण(न)चंद्रसूरि प० **श्रीधर्मचंद्रसूरि[भिः]**

(१२५)

सं० १४८१ माघ शु० १० **प्रा**० सा० धांगा भार्या धाराणि सुत सा० तीराकेन भा० पोमी सुत सोमा हेमादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च **तपा श्रीसोमसुंदरसूरिभिः** ॥

(१२६)

संवत १४८१ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ **प्राग्वाटज्ञातीय** श्रे० काला भार्या कील्हणदे सुत सरवणेन पितृमातृश्रेयसे श्रीचंद्र-प्रभस्वामिपंचतीर्थीबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **मडाहडगच्छे । श्रीउदय-प्रभसूरिभिः** ॥ श्रीः ॥

(१२७)

सं[०] १४८१ वर्षे वैशाष वदि १२ रवौ **श्रीश्रीमाल-**ज्ञातीय व्यव[०] ऊधरण भा० ऊतिमदे पुत्र जसाकेन भा० नामल-दे सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीधर्मनाथ । बिंबं का० प्र० त्र० **स्माणी-गच्छे** भ [०] **श्रीउदयप्रभसूरिभि०.**

---

(૧૨૪) **ઉદયપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૨૫) **વીરમગામ**ના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૨૬) **ઉદેપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૨૭) **દસાડા** (કાઠીયાવાડ) ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१२८)

संवत् १४८१ वर्षे वैशाष वदि १२ रवौ **उपकेशज्ञाती०** सा कुंता भा० कउरदे पुत्र भडा भा० मावलदे पु० सायरसहितेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० **उपकेशगच्छे** सिद्धाचार्यसंताने **मेदु-रीय श्रीदेवगुप्तसूरिभिः** ॥

(१२९)

॥ संवत् १४८४ वर्षे वैशाख शुदि ३ **श्रीश्रीमालज्ञातीय मंत्रि** सीहा भार्या चमकू सुत नरसिंह भार्या लहकूभ्या [मा] त्मश्रेयसे श्री-सुमतिनाथबिंबं का० श्रीअंचलगच्छे **श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन** ॥

(१३०)

॥ स्वस्ति ॥ संवत् १४८४ वर्षे वैशाष सुदि ८ शुक्रे **सिद्ध-शाखायां श्रीश्रीमाल**ज्ञातीय श्रे० मामल भार्या संसारदे सुत श्रे० पूर्णसिंहेनात्मश्रेयोर्थं श्रीपद्मप्रभदेवबिंबं कारितं **पीपलगच्छे** त्रिभ-वीया **श्रीधर्मश(शे)खरसूरिभिः** प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥ शुभं भवतु ॥ छ

(१३१)

संवत् १४८५ वर्षे माघ शुदि १० शनौ **श्रीश्रीमाल ज्ञातीय** मं० वीसल भार्या वीकमदे सुत रामा राणा श्रेयोर्थं मं० मालकेन श्रीचंद्रप्रभ— —वंबं (बिंबं) कारापितं **श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीजयति-लकसूरिभिः** प्रतिष्ठितं

---

(१२८) ઉદેપુરના શીતલનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.
(१२९) **ઘોઘાના** સુવિધિનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.
(१३०) **માંડલના** શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.
(१३१) **ઘોઘાના** નવખંડા પાર્શ્વનાથના ભોંયરામાંની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપ-રનો લેખ.

(१३२)

सं० १४८५ वै० शु० ३ ऊकेशवंश(शे) सा० वाच्छा भार्या राणादे पुत्र सा० वीसल पत्न्या सा० रामदेव भार्या मेलादे पुत्र्या सं० खीमाई नाम्न्या पुत्र सा० धीरा दीपा हासादियुतया श्रीनन्दीश्वरपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः तपागच्छे श्रीदेवसुंदरसूरिशिष्य श्रीसोमसुंदरसूरिभिः स्थापितः तपा श्रीयुगादिदेवप्रासादे ॥ सूत्रधार नरबदकृतः

(१३३)

संवत् १४८५ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि १३ सोमे उपकेशज्ञातीय सा० पेता भा० गंकु पुत्र सलपा भा० राजलदे स० पितृमातृश्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीबृहद्गच्छे प्रतिष्ठितं श्रीगुणसागरसूरिभिः ॥ श्रीः

(१३४)

सं० १४८५ ज्ये० शु० १३ प्राग्वाट सा० काल् भा० कामलदे पुत्र सा० पेताकेन भा० भादू पु० हरभायुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

---

(१३२) देलवाडा (मेवाड) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરના ભોંયરામાંની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३३) ઉદેપુરના શ્રીગોડિજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३४) ફરેડાના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३५)

॥ संवत् १४८५ वर्षे ज्येष्ट (ष्ठ) मासे कृष्णपक्षे **तिलसाणा** वास्तव्य **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रे० देवड भार्या देवलदे सुत चांपा स्वश्रेयसे श्रीआगमगच्छेशश्रीअमरसिंहसूरिपट्टे **श्रीहेमरत्नसूरीणा-**मुपदेशेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिचतुर्विंशतं (ति) पट्टं कारितं । प्रतिष्टि-(ष्ठि)तं विधिना

(१३६)

॥ संवत् १४८६ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे **श्रीश्रीमाल-**ज्ञातीय श्रे० सिंघा भा० रतू पु० पांचाकेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्री-पार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिभिः** ॥

(१३७)

सं [०] १४८६ वे (वै)० सुदि १० बुधे **श्रीश्रीमाल-**ज्ञातीय व्य० वाघा भा० पाल्हणदेवि सु० मेहाजल माला महिपा सामल सर्वैः मातृपितृस्वगोत्रश्रे० श्रीसुमतिनाथबिंबं कारा० प्र० **श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः**

(१३८)

संवत १४८६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ दिने **नवलक्षशाखीय** सा० रामदेव भार्यया मेलादेव्या श्रीजिनवर्धनसूरिमूर्त्तिः कारिता प्र० **श्रीजिनचंद्रसूरिभिः**

---

(१३५) **વળા**ના મંદિરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३६) **માંડલ**ના શ્રીપાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३७) **ગોઘા**ના નવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરમાં આવેલા શ્રીસુવિધિ-નાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३८) **દેલવાડા** (મેવાડ) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરમાંની આચા-ર્યની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१३९)

संवत् १४८६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ सा० रामदेवभार्या मेलादेव्या श्रीद्रोणाचार्यगुरुमूर्त्तिः कारिता प्र० **श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः** ॥

(१४०)

संव० १४८७ वर्षे माघ वदि २ शनौ **ओसवालज्ञातीय** सा० विजेसी भार्या वउलदे सु० सा० अदा गुणिश्रा सा० अदा भार्या अणपमदे सु० भोजाकेन निज॥ भ्रातृ नाथाश्रेयोऽर्थ स (च) पितृश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रति० श्रीतपापक्षे श्रीजयतिलकसूरीणां पट्टे **श्रीरत्नसिंहसूरिभिः** ॥ छ ॥

(१४१)

सं० १४८७ वर्षे माघ वदि ८ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञातीय घोघा** वास्तव्य दो० मूंजा भार्या माल्हणदे पुत्र मणोरभार्यया सं० अंबडअहिवदेव्योश्च पुत्र्या अमकूनाम्न्या श्रीवासुपूज्यबिंबपंचतीर्थी कारिता । प्रतिष्टि(ष्ठि)ता **श्रीसूरिभिः**॥ १

(१४२)

॥८०॥ सं० १४८६ वर्षे माघ सुदि १० शुक्रे **ऊकेशवंशे दरडागोत्रे** सा० हरिपालसंताने आसा सुत पाल्हाझांटाभ्यां गोविंद रतनपाल हरषराजप्रमुखकुटुंबसहिताभ्यां श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **खरतरगच्छे** श्रीजिनराजसूरिपट्टे **श्रीजिनभद्रसूरिभिः**॥

---

(१३९) **દેલવાડા** (મેવાડ) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની આચાર્યની મૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૪૦) **પાટડી**ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૪૧) **જામનગર**ના શ્રીઆદીશ્વરના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૪૨) **મહુવા**ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१४३)

संवत् १४८६ फा० शु० ३ दिने ऊकेशज्ञातीय सा० पद्मा भार्या पदमसदे पुत्र गोइंद भार्या गउरदे सुत सा० आबा सा० सांगण सहदेव तन्मध्ये सा० सहदे भार्या पोई पुत्र श्रीधर ईसर पुत्री राजिप्रभृतिकुटुंबयुतेन भ० कान्हाकारितप्रासादे स्वश्रेयोर्थं श्रीसुपार्श्वजिनयुतदेवकुलिका कारिता प्रतिष्ठिता **श्रीखरतरगच्छाधीशेन श्रीजिनसागर**........॥

(१४४)

सं० १४८६ **वैशाख** शुदि ३ **श्रीश्रीमाली** श्रे० देपाल हीरू पुत्र गहगाकेन भा० गंगादे पुत्र डाहादिकुटुंबयुतेन निजपितृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीसूरिभिः** ॥ श्रीः **पूर्णिमापक्षी श्रीसाधुरत्नसूरि[ः]**

(१४५)

सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १२ शनौ **श्रीश्रीमाल** ज्ञा० व्यव [०] चीबा भार्या चांपलदे सुत जेसिंग पितृमातृ[श्रे]योर्थं श्रीधर्म्मनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं **श्रीनागेंद्रगच्छे** श्रीउदयदेवसूरिपट्टे **श्रीश्रीगुणसागरसूरिभिः** ॥०॥

---

(१४३) **જાવર** (ઉદેપુર) ના એક દેરાસરના ખંડેરની અંદરનો લેખ.

(१४४) **માંડલ**ના શાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१४५) **કતારગામ**ના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१४६)

॥सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ)शुदि १२ शनौ श्रीश्रीमाल ज्ञातीय माहाजनी वीकम भा० वींकमदे मातृपितृश्रियोर्थं पुत्र डुंगरेण श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति[०]पिप्पलगच्छे त्रिभवीआ श्रीधर्मशेष(ख)रसूरिभि[:]॥

(१४७)

संवत् १४८६ वर्षे ज्ये० व० ११ प्राग्वाट दो० सूरा भा० पोमी सुत दो० आसाकेन भा० रूपिणि सुत राउल माणिकलाल जोगादिकुटं(टुं)बयुतेन स्वभ्रातृ गोला स्वसुत सारंगश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छनायकभट्टारकप्रभुश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥ वीसलनगरवास्तव्यः ।

(१४८)

१४८६ प्राग्वाट व्य० केहूला ऊमी सुत सूराकेन भा० नीणू भा० चांपा सुत सादा पेथा पद्माकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिश्रीभिः

(१४९)

सं० १४६० वर्षे वै० शु० ३ दिने प्राग्वाट व्य० मांडण भा० सरसइ सुत व्य० आहूलाकेन भा० आल्हणदे सुत सुगाल गोविंद गणपतियुतेन श्रीपार्श्वः कारितः प्रति० तपाश्री सोमसुंदरसूरिगुरुभिः ॥ श्रीः

---

(૧૪૬) ભાવનગરના શ્રીઆદિનાથ ભગવાનના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૪૭) ઉદેપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૪૮) ઉદેપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૪૯) રાધનપુરના શાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१५०)

सं. १४६१ वर्षे का० शुदि ५ गुरौ श्रीश्री० श्रे० महदे भा० साहगदे तयोः सुताः श्रे० भरमा श्रे० पोपट श्रे० लाला श्रे० हला तैः स्वापितृश्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथस्य बिंबं श्रीमुनिसिंहसूरीणामुपदेसे(शे)न कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीशीलरत्नसूरिभिः श्रीः ॥ महूयावास्तव्यः ।

(१५१)

सं० १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधे ओसवंसे(शे) पंचाणे वा[०] मा वस्ता भार्या लीलादे पुत्र ऊगाकेन सपरिवारेण स्वपुण्यार्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० खरतरग० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(१५२)

संवत १४६१ वर्षे माह सुदि ५ बुधे नवलक्षगोत्रे सा० सहणपालेण(न) स्वपुण्यार्थे(र्थं) श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरीणां मूर्त्तिः प्र० श्रीजिन[सा]गरसूरिभिः ॥

---

(१५०) જામનગરના શ્રીઆદિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१५१) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१५२) દેલવાડા (મેવાડ) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરમાંની આચાર્યની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૫૩)

॥ संवत् १४६१ वर्षे माघ वदि ५ दिने बुधे **ऊकेशवंसे**(शे) **नवलखा** गावि (गोत्रे) साधु श्रीरामदेव भार्या मेलादे तत्पुत्र साधुश्री-सहणपाले[न] भार्या नारिंगदे पुत्र रणमल्लादिसहितेन देवकुलपाटके पूर्वाचलगिरौ श्रीशत्रुंजयावतारे मोरनागकुरिका सहिता प्रति० **श्रीखरतरगच्छे** श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरि तत्पट्टे **श्रीजिन-सागरसूरिभिः**

(१५४)

सं[०]१४६१ व० फाग[०] वदि २ सोमे **महीसाणावास्तव्य श्री-श्रीमाल** ज्ञातीय श्रे० वीरपाल ....पूना श्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं **पिप्फ(प्प)लीयगच्छे श्रीललितचंद्रसूरिभिः** प्रतिष्टि(ष्ठि)तं॥ श्री

(१५५)

संवत (त) १४६१ वर्षे वैसाष(शाख) सुदि ६ गरे (गुरौ) व० धरणा भा० पूनादे सुत हासाकेन भा० हीरादे पुत्र श्रीस्या(शां)-तिनाथबिंबं **श्रीसोमसुंदरसूरि**[भिः] प(प्र)तिस्टंत(तिष्ठितं) सु०

(१५६)

सं० १४६२ पोस (पौष) वदि १३ शुक्रे **श्रीश्रीमाल** ज्ञाती [य] मं० नासण भा० रूडीबाइ पुत्र हेमाकेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशां-तिनाथबिंबं कारितं श्रीपू० **श्रीगुणसुंदरसूरी**णामुपदेशेन विधिना श्राद्धै [:] ॥ श्रीरस्तु

---

(૧૫૩) **દેલવાડા** (મેવાડ) ના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની અંદરનો લેખ.

(૧૫૪) **જામનગર**ના રાજશી શેઠના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૫૫) **ઉદયપુર**ના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૫૬) **માંડલ**ના શ્રીઋષભદેવ ભગવાનના મંદિરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१५७)

संवत् १४६२ वर्षे चैत्र वदि ८ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** ठ [०] हादा सु० ठ [०] प्रतापसी(सिं)ह भा० नागभनू सु० ठ [०] आबा लाषा लींबा भा० ललतादे भा० वालू द्वि [०] भा [०] भावलदे लूणा भा० जसमादे पूर्वजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं चतुर्विंशतिजिनसंयुतं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीपूर्णिमापखी-(क्षी) य श्रीमलयचंद्रसूरिभिः** ॥ शुभं भव[तु]

(१५८)

सं० १४६२ वर्षे वै० शु० ३ गुरौ **श्रीश्रीमाल** श्रे० मूलू भा० माल्हणदे सुत झांझणेन भा० देल्हणदे युतेन निजश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रति० **पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः**

(१५९)

सं० १४६२ वर्षे ज्ये० व० ११ **प्राग्वाट** सा० अरसी भा० आल्हणदे सुत चाचाकेन भा० चाहणदे सुत लालावाल सुहडा राणी पांचादियुतेन स्वसुत डोसाश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः** ॥ श्रीः

---

(१५७) **મહુવાના** શ્રીજીવિતસ્વામીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१५८) **જામનગરના** શ્રીઆદિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१५९) **ઉદયપુરના** શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૬૦)

॥६०॥ संवत् १४६३ वर्षे वैशाख वदि ५........यवडप्रासादगौष्ठिक प्राग्वाटज्ञातीय व्यव[०] झांझा भा० लाछि पुत्र देपा भार्या देवलदे पुत्र ७ व्यव[०] .... कुंरपाल सिरिपति नरदे धीणा पंडित लषमसीश्रा स्वश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथजिनयुगल[लं] कारापितः(तं) प्रतिष्ठितः(तं) कछोलीवालगच्छे पूर्णिमापक्षे द्वितीयशाखायां भट्टारकश्रीभद्रेश्वरसूरिसंताने तस्यान्वये भ० श्रीरत्नप्रभसूरि तत्पट्टे भट्टारकश्रीसर्वाणंदसूरीणां शिष्य लषमसी(सिं)हेन आत्मश्रेयोर्थं कारापितः(तं) प्रतिष्ठितः(तं) भ० श्रीसर्वाणंदसूरीणामुपदेशेन । मंगलं भूयात् ॥

(૧૬૧)

सं० १४६३(?) वर्षे वैशाप(ख) व० ११ भौमे पाइवा....श्रीमाल ज्ञा० पितृ वीसल भा० वीझलदे० द्वि० वीकमदे श्रेय० सुत मेहागेन कारितं । श्रीवासुपूज्यबिं[बं] प्रति० ब्रमा(ब्रह्मा)णगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः ॥

(૧૬૨)

॥ सं० १४६४ वर्षे माघ शुदि ५ गुरौ श्रीमालज्ञातीय श्रे० पांपद भार्या धरधति पुत्र्या श्रे० परबत पत्न्या श्रा० प्रीमीनाम्न्या आगमगच्छे श्रीजयानंदसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथादिपंचतीर्थीबिंबं कारितं । प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

---

(૧૬૦) **દેલવાડા** (ઉદેપુર) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરમાંના મોટા કાલા પત્થરના કાઉસગીયા નીચેનો લેખ.

(૧૬૧) **જામનગરના** રાજશી શેઠના શાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૬૨) **રાધનપુરના** શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१६३)

॥ संवत् १४६४ वर्षे माघ सुदि ११ गुरुवारे **श्रीमेदपाट**-देशे **श्रीदेवकुलपाटकपुरवरे** नरेश्वरश्रीमोकलपुत्र श्रीकुंभकर्णभूपतिवि-जयराज्ये **श्रीउसवंसे**(शे) **श्रीनवलक्षशाषमंडन** सा० लक्ष्मीधर सुत सा० लाधू तत्पुत्र साधुश्रीरामदेव तद्भार्या प्रथमा मेलादे द्वितीया माल्हणदे । मेलादेकुक्षिसंभूत सा० श्रीसहणपाल । माल्हणदे कुक्षि-सरोजहंसोपमजिनधर्मकर्पूरवातसद्म धीनुक सा० सारंग । तदंगना हीमादे लखमादेप्रमुखपरिवारसहितेन सा० सारंगेन(ण) निजभुजोपा-र्जितलक्ष्मीसफलीकरणार्थं निरुपममद्भुतं श्रीमहत् श्रीशां-तिजिनवरबिंबं सपरिकरं कारितं । प्रतिष्ठितं **श्रीवर्धमानस्वा**-म्यन्वये श्रीमत्**खरतरगच्छे** श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनवर्धनसूरित-(स्त)त्पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरि त(स्त)त्पट्टपूर्वाचलचूलिकासहश्र(स्र)कराव-तारैः श्रीमज्जिनसागरसूरिभिः ॥

सदा वंदंते श्रीमद् धर्ममूर्त्तिउपाध्यायाः
घटितं सूत्रधार मदन पुत्र धरणावीकाभ्यां
आचंद्रार्कं नंद्यात् ॥श्रीः॥ छ

(१६४)

सं० १४६४ वर्षे वै० सुदि शुक्रे **उसवाल** ज्ञा० श्रे० नर-सी(सिं)ह भा० नामलदे सु० महिपाल भा लालू सुत **अजउ उटा** पितृव्य नरपाल उटानिमितं(त्तं) पित्रो[:] श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं **श्रीहारीजगच्छे श्रीमहेश्वरसूरिभिः** ॥ प्र० ॥

---

(१६३) **નાગદા** (ઉદેપુર—મેવાડ) ના શાન્તિનાથ, કે જ્હેને અદબદજી કહેવામાં આવે છે, ત્હેની ઉપરનો લેખ.

(१६४) **લીંબડી**ના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१६५)

सं० १४६४ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १४ बुधे **श्रीमालवंशे वैद्य-गोत्रे** सा० हाला भार्या ऊदी पुत्र सा० भीमाकेन स्वपुण्यार्थं श्री-पद्मप्रभबिंबं का० प्र० **श्रीखरतरगच्छे** श्रीजिनवर्धनसूरि श्रीजिन-चंद्रसूरि **श्रीजिनसागरसूरिभिः**

(१६६)

॥ सं० १४६४ वर्षे **प्राग्वाटज्ञातीय** श्रे० रत्न भा० माऊ सुत श्रे० ताल्हा भा० सारू सुत श्रे० वेलाकेन भा० वानू प्रमुख-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **तपा श्रीसोमसुंदरसूरिभिः** ॥

(१६७)

१४६४ **ऊकेश** सा० वाच्छा राणी पुत्र वीसल खीमाई पुत्र धीरा पत्नी सा० राजा रत्नादे पुत्री माहल्लणदे का० आदि-बिंबं प्र० **तपा श्रीसोमसुंदरसूरिभिः**

(१६८)

सं० १४६५ ज्येष्ठ सुदि १४ बुधे श्रीविमलनाथबिंबं का-रितं भानसिरिश्राविकया । प्र [०]। **श्रीजिनसागरसूरिभिः। श्रीमाल-ज्ञातीय भांझियागोत्रे**

---

(૧૬૫) **પૂના**ના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૬૬) **પાટડી**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૬૭) **દેલવાડા** (મેવાડ) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરના ભોંયરામાંના મૂલ નાયકજીનો લેખ.

(૧૬૮) **દેલવાડા** (મેવાડ) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની અંદરનો લેખ.

(૧૬૯)

सं [०] १४६५ ज्येष्ठ सुदि १४ बुधे सा[०] धुला गोत्रे सा छी-हिल पु० चांपा भार्या चापलदे पु० लाषाकेन भ० लषमादे स्वपु-ण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे पद्मशेखरसूरि-पट्टे भ० श्रीविजयचंद्रसूरिभिः॥

(૧૭૦)

॥ ६० ॥ संवत् १४६६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ बुधवारे श्री-ऊकेशवंशे ताहटशाषा(खा)यां मात (?) ण पुत्र सा० कणवीर पुत्र सा० भीमा । वीसल....पाल प्रमुख गोत्रादिपरिवारसहितेन श्रीकर-हेटक गते (ग्रामे) श्रीपार्श्वनाथभुवने श्रीविमलनाथदेवस्य देव-कुलिका कारापिता । प्रतिष्ठिता श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनवर्धनसू-रीणामनुक्रमे श्रीजिनचंद्रसूरिपट्टकमलमार्तंडमंडलैः श्रीमज्जिनसा-गरसूरिभिः । शिवमस्तु ॥

– –वरसग देवराज प्र—यः । (?)

(૧૭૧)

सं० १४६६ ज्ये० शु० १० वा० ज्ञा० पं० लींबा भा० वाछू सुत सं० हरपतिना भा० मटकुयुतेन ज्येष्ट(ष्ठ)भ्रातृ सं० कर्मण भा [०] देमतिश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारि० प्रतिष्टि(ष्ठि)तः श्रीसूरिभिः

---

(૧૬૯) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૦) કરહેડાના મંદિરની ભમતીમાંની એક ઓરડીમાંનો લેખ.

(૧૭૧) સાદડી (મારવાડ) ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૨)

सं० १४६७ वर्षे वैशाख वदि ५ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० मेला व्य० जेसा भा० मेलू सु० लाखाकेन मातृश्रेयसे जीव(वि)तस्वामिश्रीआदिनाथबिंबं का० [प्र०] त्रिभवीयागच्छे श्रीधर्मशेखरसूरिभिः ॥

(૧૭૩)

सं[०] १४६८ व [०] माह(घ) शुदि ४ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्टि(ष्ठि) जगसी(सिं)हगृहे पितामहप्रमुख पीत्रीउ पीत्राही गोत्री पुत्र पौत्र मातापिता मुह गोत्रमं बंधि जिको पीडा उपद्रव करतु हते शांति करियो श्रीआदिभूवनि तेह निमित्त श्रीशांतिनाथबिंबिं(बं) कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसूरिभिः श्रीः ।

(૧૭૪)

सं० १४६८ वर्षे फागुण व० १० सोमे ऊशवंशे लोढागोत्रे सा० खीमसी पु० वडुआ भा० साकू आत्मपतिपुण्यादौ(र्थं) श्रीसुविध(धि)नाथबिंबं का० प्र० कृष्णर्षिगच्छे श्रीनयचंद्रसूरिभिः

---

(૧૭૨) પાટણના કનાસાના પાડાના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૩) માંડલના શ્રીવાસુપુજ્યના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૪) કતારગામના (લાડૂઆ શ્રીમાળીના) ન્હાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૫)

संवत् १४६६ वर्षे माहा(घ) शुदि ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ्य० लाला भार्या लाषणदे सुत वीसलकेन पितृमातृश्रेयोर्थं। श्रीकुथ-(थु)नाथबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगुण-समुद्रसूरिभिः वडेवास्तव्यः।

(૧૭૬)

सं० १४६६ वर्षे फाल्गुन वदि २ गुरौ श्रीऊपकेश ज्ञाती-[य] श्रीघरकटगोत्रे सा० हरिराज प्रसिद्ध नाम सा० बगुला पुत्रेण सा० लाखा भार्या गजसीही पुत्र वलिराजयुतेन श्रीसंभवनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः।

(૧૭૭)

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेश ज्ञातीय ठकुर गोत्रे सा० आहला भा० भरमादे पु० अर्जुन भा० चाहिणदे पु० ईसर १ हीरा २ नरभा देदा। अर्जुनेन पु० ईसरनिमित्तं श्रीपद्म-प्रभबिंबं कारितं। श्रीज्ञानकीयगच्छे प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीश्रीशां-तिसूरिभिः॥ छ॥

---

(૧૭૫) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૬) જયપુરના ખાંડીયાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૭) માંડલના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(સોલમા શતકના.)

(૧૭૮)

सं० १५०१ वर्षे माघ शु० ५ बुधे श्रीश्रीमाल ज्ञातीय श्रे० डाहा भार्या मलू सुत लालाकेन पितृमातृपितृव्यश्रेयोर्थं श्री-संभवनाथबिंबिं(बं) का० प्रति० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः।

(૧૭૯)

॥ संवत् १५०१ वर्षे माघ शुक्र १३ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय मं० वदा भा० रुजी सुत मं० ठाकुरसी(सिं)ह भा० फदू सु० मं० परबतेन मातुः श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० वृहत्तपापक्षे श्री-रत्नसिंहसूरिभिः ॥

(૧૮૦)

सं० १५०१ माघ वदि ५ गुरौ प्राग्वाट व्य० धणसी भा० प्रीमलदे सुत व्य० लाषा भा० लाषणदे तेन व्य० षीमाकेन निज-श्रेयसे श्रीसुमतिबिंबं कारि० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः ॥

---

(૧૭૮) માંડલના શાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૭૯) લીંબડીના મ્હોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૮૦) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(१८१)

संवत् १५०१ वर्षे फागुण सुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० चीत्रा भार्या चांपलदे सुत वस्ता गोयंद वस्ता भार्या सांपू सुत ऊदाकेन पितृव्य गोयंदनिमित्तं श्रीचंद्रप्रभस्वामि[बिंबं] कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीश्रीवीरप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥

(१८२)

॥ संवत् १५०१ वर्षे फाल्गुण सुदि १२ गुरौ श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन ऊकेशवंशे मं० गोपा भार्या मेलू पुत्र मं० जावडश्रावकेण संपूरी भार्यासहितेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीसंघेन ॥ श्री ॥

(१८३)

सं[०] १५०१ वर्षे फागुण सुदि १३ गुरौ सुराणागोत्रे सा० सोनपाल भा० तिहुणी पु० चि(जि)णराजेन गुणराज दशरथ सहसकिरणसमन्वितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीपद्मशेखरसूरि प० भ० श्रीविजयचंद्रसूरिभिः

---

(૧૮૧) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૮૨) વાપજ (કાઠીયાવાડ)ના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૮૩) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિ ઉપરનો લેખ.

(१८४)

सं० १५०१ वर्षे चैत्र वदि ७ श्रीहारीजगछे(च्छे) ऊपकेश ज्ञा० महं मांडण भा० लाडी सुत घोनाश्रेयसे भ्रातृ आसाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीमहेस(श्व)रसूरिभिः ॥

(१८५)

॥ सं० १५०१ वर्षे वैश(शा)ष शु० ३ शनौ श्रीश्रीमाल ज्ञातीय श्रे० साईया सु० लषमण भार्या लषमादे सु० मंऊलिकका-ह्वाभ्यां निजपितृमातृश्रेयोर्थं श्रीवास(सु)पूज्यबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे त्रिभ० श्रीधर्म्मसुंदरसूरिभिः सुंद्रियाणाग्रामे ॥

(१८६)

सं० १५०१ वैशाख शुदि ३ नागरज्ञातीय श्रे० वयरसी भा० कांऊ सुत सा० सामलेन भा० गोरीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छेश श्रीश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः श्री ॥ श्री ॥

(१८७)

सं० १५०१ वर्षे वै० शु० ५ गुरौ श्रीश्रीमाल श्रे० लोला भा० सांऊ पु० पहिराजेन पितृव्य हेमाश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं श्रीपूर्णि० श्री........सूरीणामुपदेशेन कारितं प्रत(ति)ष्टि(ष्ठि)तं च विधिना

---

(૧૮૪) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૧૮૫) જામનગરના શ્રીવાસુપૂજ્યસ્વામિના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૧૮૬) પૂનાના આદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૧૮૭) પાટડીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(१८८)

॥ सं० १५०१ वर्षे वैशाख शुदि ७ बुधे **श्रीब्रह्माणगच्छे** व्य० गोगन भा० सुहागदे सुत गजाकेन भ्रातृ देदा लीबा भीमा पित्रो [:] श्रेयोर्थं श्रीश्रीश्री मा० श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० **श्री-प्रद्युम्नसूरिभिः ॥ सूनेघ** वास्तव्य [:] ॥

(१८९)

॥ सं० १५०१ ज्येष्ट (ष्ठ) सु० १० **श्रीसंडेरगच्छे** श्री-यशोभद्रसूरिसंताने ऊ० **वडावाणीया गोत्रे** सा० आल्हा भा० वील्ह पु० वेमा भा० रामी पु० काम्हाकेन भा० धर्मोनिम(मि)त्तं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **संडेरगच्छे श्रीशांतिसूरिभिः**

(१९०)

संवत् १५०१ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) व० ८ रवौ **ओसवाल** ज्ञा० पितृव्य मूलू पितृ शिवा मातृ खोर्ना भ्रातृ पद्माश्रेयोऽर्थं शान्ति-निमित्तं व्यव [०] आकाकेन श्रीवासुपूज्यमुख्यपंचतीर्थी कारिता **तपा० श्रीमुनिसुंदरसूरिभिः** प्र०

(१९१)

॥संवत् १५०३ वर्षे मार्ग्ग [०]सु० २ शनौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रे० छिमा भा०...........पितृमातृश्रेयसे बिंबं कारितं प्र [०] **पिप्पलगच्छे** भ० **श्रीधर्मशेखर[सूरिभिः]**

---

(१८८) **પૂના**ના આદીશ્વરના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(१८९) **લીંચ**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(१९०) **ઉદેપુર**ના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(१९१) **વળા**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(१९२)

सं० १५०३ वर्षे [०] मार्ग्ग वदि २ शनौ श्रीभावडारगच्छे श्रीकालिकाचार्यसंताने श्रीश्रीमाल० सा० हेसा भा० हमीरदे पु० आका भा० कोई पु० कर्मण धीरा ऊधरण नरभ्रमछांछाखपुण्यार्थं श्रीवास(सु)पूज्यबिंबं कारितं प्र० श्रीवीरसूरिभिः

(१९३)

॥ सं० १५०३ माघ व० २ शुक्रे ऊकेश ज्ञा० व्य० शिवा भा० संसारदे सुत व्य० हीराकेन भा० लींबा सुत आसधरादिस्वबंधु वीरा धीरा नर्बदप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजयचंद्रसूरिभिः । श्रीपूर्णिमापक्षे ॥ :

(१९४)

सं० १५०३ वर्षे माघ व० ३ श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ पूनसी(सिं)ह । मातृ पदमलदेवि ॥ भ्रातृ.... नरसी(सिं)ह । वप्तृ । श्रेयसे सुत वीकाकेन । श्रीविमलपंचतीर्थी का० प्र० पिप्पलग० त्रिभवीआ श्रीधम्मशेखरसूरिभिः ॥

---

(૧૯૨) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૯૩) પ્રાંતીજના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૯૪) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૯૫)

सं० १५०३ वर्षे माघ व० ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ वाछा मातृ राजूश्रेयसे। सुत मोषा। वीरपाल वर्जा एतैः श्रीसुमतिनाथपंचतीर्थी का० प्र० पिप्पलग० त्रिभवीया श्रीधर्म्मशेखरसूरिभिः॥

(૧૯૬)

संवत् १५०३ ज्येष्ठ शुदि ७ सोम(मे) श्रीचंद्रप्रभाजिनबिम्बं प्र० पूर्णिमा श्रीमुनिशेखरसूरिपट्टे साधुरत्नसूरिणा

(૧૯૭)

संवत् १५०३ वर्षे आषा० शु० २ गुरौ वीसलनगरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय सं० सादा भा० सुत सं० वाछा भा० वीसलदे सुत सं० कान्हा राजा मेघा जगा अदा तत्र सं० मेघाभिधेन भार्या मीलणदे सुत सुरदास प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः।

---

(૧૯૫) જામનગરના રાજશીશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૯૬) મ્હેસાણાના સુમતિનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૯૭) મ્હેસાણાના આંબલી ચૌટાના શાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૧૯૮)

सं० १५०३ **वर्षे** आषा० शु० ७ **प्राग्वाट** सा० आका भा० जासलदे चांपू पुत्र सा० देल्हा जेठा सोना षीमाद्यैः चतुर्विं-(विं)शतिजिनबिंबपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यैः **श्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥**

(१९९)

सं० १५०३ **वर्षे** आषा० शु० ७ **प्राग्वाट** सा० देपाल पुत्र सा० सुहडसी भा० सुहडादे सुत पीछउलिआ सा० करण भा० चतू पुत्र सा० धांधा हेमा धर्मा कर्मा हीरा हांसा काला सा० धर्मकेन भा० धर्मणि सुत सहसा सालिग सहजा सोना साजणादिकुटुंबयुतेन ९६ जिनपट्टिका कारिता ॥ प्रतिष्ठिता **श्रीतपागच्छाधिराजश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥**

(२००)

॥ संवत् १५०३ वर्षे आसाढ (षाढ) शुदि १० शुक्रे **श्री-प्राग्वाट**ज्ञातीय श्रे० पी—भार्या लाषणदे तयोः पुत्रैः श्रे० वीरमधीराचांगाख्यैः मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे वृद्धशाखायां श्रीजिनरत्नसूरिभिः । श्रीसहुआला वास्तव्य

---

(૧૯૮) **દેલવાડા** (ઉદેપુર) ના શ્રીઆદિનાથના દેરાસરના ભાંયરામાંની એક મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૧૯૯) **દેલવાડા** (ઉદેપુર) ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરમાં અતીત—અનાગત—વર્તમાન તીર્થંકર—વિહરમાન અને શાશ્વત એમ ૯૬ પ્રતિમાનો એક પટ્ટ છે, તે ઉપરનો લેખ.

(૨૦૦) **પાલીતાણા**ના માધવલાલ બાબૂના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०१)

संव० १५०४ वर्षे मा० व[०]६ रवौ प्राग्वाट ज्ञातीय पा० देवराज भार्या करमादे पुत्र सहसराजेन भार्या चमकू पुत्र सायर। रयणायर माणिक्य मांडण धर्मादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपगच्छाधिराज ।। श्रीजयचंद्रसूरिभिः ।। श्रीः विराटपरे(पुर) वास्तव्य पौत्र हराज भला ठाकरसी

(२०२)

सं० १५०४ वर्षे फागुण सुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० तलसी(सिं)ह भार्या जहेगलदे भ्रातृ वधामण भोजा भार्या माऊ सुत करमाकेन पितृमातृश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीचतुर्विंशतिपट्ट[:] श्रीश्रीशीतलनाथबिबि (बिंबं) कारापितं । पूर्णिमापक्षीय प्र० श्रीगुणसु(सुं)दरसूरिउपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसूरिभिः ।।

(२०३)

सं० १५०४ व० वैशाख शु [०] ६ शुक्रे श्रीउपकेशज्ञातौ कुर्कटगोत्रे सा० गेला भार्या देमाई पुत्र सा० वाघाकेन भा० वउलदेयुतेन पित्रोः पितृव्यश्रे० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने श्रीककसूरिभिः

---

(२०१) હિમ્મતનગરના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०२) માંડલના પાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०३) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०४)

संवत् १५०४ वर्षे जेष्ट (ज्येष्ठ) सुदि १० सोमे श्रीमालज्ञातीय मं० जयता भा० जयतलदे सुत मं० झलाकेन भा० शाणी सुत मं० मेघा राजा भा० बहिन रमादेप्रमुखकुटं(टुं)बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः बृहत(त)पापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्टि(ष्ठि)तः श्रीप्रभादित्यपुरे

(२०५)

॥ सं० १५०४ वर्षे ज्ये० व० ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० झलूया भा० चांगलदे सु० नरपतिनाम्ना स्वपितृमातृ श्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीरस्तु

(२०६)

सं० १५०४ वर्षे आषाढ शु० २ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० चांपा भार्या हमीरदे सुत पूराकेन भार्या मांजू सुत दलादिकुटुंबयुतेन भ्रातृ सायरस्वश्रेयोर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

---

(૨૦૪) કતારગામના વાડુઆશ્રીમાળીના ન્હાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૦૫) રાધનપુરના શાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૦૬) હિમ્મતનગરના ગામના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०७)

सं० १५०५ वर्षे पौष वदि ७ गुरो(रौ) श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मेलिग सु० धर्म्मा भार्या धांधलदे सु० धाराकेन स्वभा० लीवणि सु० स० हसा द्वाभ्या(द्वयोः) निमितं (त्तं) श्रीनमिनाथबिंबं(बं) कारितं । प्र० ब्रम्हाणगच्छे श्रीविमलसूरिभिः । जसधण ग्रामे

(२०८)

सं० १५०५ वर्षे माघ शु [०] ६ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० हापा भार्या हिमादेव्यादिकुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं धंधूका वास्तव्य । श्रीः

(२०९)

॥सं० १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ कुपर्दशाखीयश्रीश्रीमालज्ञातीय प० आसपाल भा० तारू सुत सलहीयाकेन भा० फदकूसहितेन० श्रीअंचलगच्छेशश्रीश्रीश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन निजश्रेयोर्थ श्रीअभिनंदननाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

---

(२०७) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०८) પૂનાના ઓસવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२०९) રાધનપુરના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२१०)

॥ सं० १५०५ वर्षे वैशाख सुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० वीरा भा० धारू सुत सांडा भा० वानू आत्मश्रेयसे श्रीजीवितस्वामिश्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० पिष्फ(प्प)लाचार्य त्रिभ० श्रीधर्मशेखरसूरिभिः ॥ पलसुंडग्रामे भवतु ॥

(२११)

सं० १५०५ वैशाख शु० ५ मा० जगमी सुत रणमी सा० लल सुत सा० साहुलेन भा० वाल्ही सुत नरसिंग तया सहकुटुम्बयुतेन ४१ अभ्युल्लसितश्रीजिनचतुर्विंशतिकां कारयता संघीकृते श्रीअभिनंदनबिम्बं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥ श्रीश्रीश्रीविशालराजसूरिप्रमुखपरिवृतैः ।

(२१२)

॥ सं० १५०५ वर्षे वैशाख सु० ६ सोमे श्रीसंडेरगच्छे ऊ० जापवासुता गोत्रे गरिगरणपुत्र पेहा पु० चुलाकेन सा० गोगी पु० छांडा कुंभासहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीशांतिसूरिभिः

---

(૨૧૦) કોલીયાકના (કાઠીયાવાડ) દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૧૧) આહુડ (ઉદેપુર) ના છેલ્લા મંદિરમાંની પાષાણની મૂર્ત્તિ ઉપરનો લેખ.

(૨૧૨) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२१३)

॥ सं० १५०५ वर्षे वै० व० ६ अहम्मदावादवासि श्रीश्रीमाल व्य० ठाकरसी भा० रुपिणि पुत्र ठा० देवाकेन भा० फकूकेन श्रीविमलबिंबं का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

(२१४)

॥ सं० १५०५ वर्षे वैशाष नागरज्ञातीय दो । हीरा भार्या मेत्रू पुत्र दो ॥ राजाकेन भा० रमादे सुत विजायुतेन निजमातृपितृश्व(स्व)श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिर्वृद्धशाला ॥

(२१५)

॥ सं० १५०५ वर्षे प्रा० ज्ञा० सा० माला भा० भादा सुत सा० गोपाकेन भा० सातलदे पुत्र माल्हासीहादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीपदम(द्म)प्रभबिंबं कारि[०] प्रतिष्ठितं तपागच्छेन्द्रश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

(२१६)

सं० १५०५ वर्षे वामईयावासि प्रा ० व्य० देटा भा० सारू सुतया व्य० वयरा भा० फचकूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीश्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिपादैः ॥

---

(२१३) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२१४) સૂરતના નેમુભાઇની વાડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२१५) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२१६) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૧૭)

सं० १५०६ माघ शुदि ९ रवौ श्रोऊकेश सा० वाछा भार्या चउलदे पु० सा० नगा भा० नामलदे सु० सिंघराजसहितया स्वभर्तु [:] श्रे० श्रीम० वृद्धतपा० श्रीरत्नसिंहसूरिभि.

(૨૧૮)

॥ संव० १५०६ वर्षे माघ सुदि ९ श [०] श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० कान्हा भार्या हांसू सुत देवा पितृमातृभ्रातृनिमित्तं महं। शिवा भार्या मानूं भ्रातृव्य हरदाससहितेन श्रीआदिनाथबिं० चतुर्विंशतिपट्ट [:] कारि० प्र० पिप्पल ग० भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(૨૧૯)

सं० १५०६ मा० सु० ८ दिने उपकेशज्ञातौ भरहठगोत्रे सा० सहदेव भा० सूहवदे पु० सालिगेन पित्रोर्निर्मितं (त्तं) श्री-कुंथुनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसर्वसूरिभिः

(૨૨૦)

॥ सं० १५०६ वर्षे मा० व० ९ दिने श्रीसंडेरगच्छे ऊ० ज्ञा० सा० आसा पु० साता भा० षेढी पु० षियमा भा० धारु पु० माषर भा० लाडी पु० पोमा स० स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं० का० प्र० यशोभद्रसुरिसताने गच्छेशैः श्रीशांतिसूरिभिः

---

(૨૧૭) કતારગામના (લાડુઆ શ્રીમાલીના) ન્હાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૧૮) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૧૯) ઉદયપુરના શીતલનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૨૦) ઉદયપુરના શેઠના બાગના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२२१)

॥ सं० १५०६ फा० शुदि ९ श० सा० सोमा भा० रूडी सुत सा० समधरण भ्रातृ फाका सीधर तिहुणा गोविंदादिकुटुंबयुतेन तीर्थश्रीशत्रुंजयश्रीगिरिनारावतारपट्टिका का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्य-**श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥**

(२२२)

संवत् १५०६ चैत्र वदि ५ गुरौ श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० **पूर्णिमापक्षि(क्षी)यश्रीगुणसुंदरसूरिणा**

(२२३)

सं० १५०६ वर्षे वैशाख शुदि ६ शुक्रे **श्रीश्रीमाल** ज्ञातीय पितृ **मांकड** मातृ मेलादे भ्रातृ गांगा गेलानिमित्तं सुत लालाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० **चतुर्दशीपक्षे मडूकरगच्छे भ० श्रीधनप्रभ-सूरिभिः ।**

---

(૨૨૧) **દેલવાડાના** શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરમાં પર્વતોના આકારના પટ ઉપરનો લેખ.

(૨૨૨) **મહેસાણાના** શ્રીસુમતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૨૩) **અમદાવાવાદ** ઝવેરીવાડાના શ્રીસંભવજિનમંદિરની ધાતુર્મૂ-ત્તિનો લેખ.

(२२४)

सं० १५०६ वर्षे वैशाख शुदि ६ शुक्रे श्रीउसवाल ज्ञातीय श्रीवर्द्धमानशाखायां पटवडगोत्रे साहा हवा भार्या हांसल सुत सा० नाकर भा० गांगी पु० सा० [illegible] श्रीशांतिजिनबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्म्मघोषगच्छेश भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ।

(२२५)

सं० १५०६ वर्षे वीरपुरवासि नीमा ज्ञातीय श्रे० धर्मसी भार्या जेतू पुत्र माडण भार्या षे(खे)नीप्रमुखकटं (कुटुं) बयुतेन श्रीसुमतिबिंबं कारितं प्र० तपा ॥ श्रीजयचन्द्रसूरिपादैः ॥

(२२६)

॥ संवत् १५०७ वर्षे माग्र (र्ग)० सु० ९ सो० उप० सुधा गो० मं० तेजा भा० रूपी पु० म० नरभसेन आत्मश्रे० श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्रीकोरंटग० भ० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

(२२७)

सं० १५०७ वर्षे माघ सुदि ११ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० महिपाल भार्या बूटीकस्याः भ्र(भ्रा)तृश्रेयो० आत्म० जीव(वि)तस्वामि-श्रीविमलनाथबिं० प्रति० नागेंद्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः बीरवलात

---

(૨૨૪) જૂનાગઢના શ્રીમહાવીરસ્વામીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૨૫) લીંચના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૨૬) માંડલના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૨૭) ઘોઘાના મોટા મંદિરની સ્હામેના શ્રીનેમિનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२२८)

सं० १५०७ वर्षे माघ सुदि १३ शुक्रे **श्रीश्रीमाल** वंशे व्य० जींदा १ पुत्र व्य० जेताणंद २ पु० व्य० आसपाल ३ पु० व्य० अभयपाल ४ पु० व्य० वांका ५ पु० व्यवहारि श्रीवाउडि ६ पु० व्य० अणंत ७ पु० व्य० सहजा ८ पु० व्य० धीधा ९ पु० व्य० राजा १० पु० व्य० देपाल ११ पु० व्य० साह नाना १२ पु० व्य० रामा १३ पु० व्य० भीमा भार्या मांकू पुत्र साह रयणायर सुश्रावकेण(न) भा० गउरी पु० भूभव पौत्र लाडण वरदे । भ्रातृ समधर सायर । भ्रातृव्य समरा करणभो ाग्ग वीका-प्रमुखसर्वकुटुंबसहितेन **श्रीअंचलगच्छे** श्रीगच्छेश **श्रीजयकेसरि-सूरीणामुपदेशात्** स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीभवतु

(२२९)

संवत् १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ दिने **श्रीपल्लीवालगच्छे उपकेश धाकड** गोत्रे सा० नाल्हा पु० साह करण भा० बाइ टहकू पुत्र शिवराजसहितेन पित्रो [:] श्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारित(तं) **प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीयशोदेवसूरिभिः**

---

(२२८) **પાલીતાણા**ના ગામના મોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२२९) **સુરત**ના તાલાવાળાની પોળના સીમંધરસ્વામિના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२३०)

सं० १५०७ वर्षे वैशाष (ख) सुदि ११ सोमे **श्रीश्रीमाल** ज्ञातीय मं० ठाकुरसी भा० नाणिकदे सु० गलानिमित्त (त्तं) वेलागोलाभ्यां श्रेयसे श्रीकुंथ (थु) नाथबिंबं का० प्र० **चैत्रगच्छे धारणपद्रीय भ० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः**

(२३१)

सं० १५०७ वर्षे वैशाष(ख) वदि ४ सोमे **श्रीश्रीमाली०** पितृ आंबा मातृ आल्हणदे सुत मूका भा० हरकू पित्रो [:] श्रेयसे आत्मन(नि)मितं(त्तं) श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं **पिप्पलगच्छे** प्रतिष्ठितं **श्रीगुणरत्नसूरिभिः** ॥ श्री **मोवडा.**

(२३२)

संवत् १५०७ वर्षे येष्ट (ज्येष्ठ) **शु० ९ श्रीश्रीमालज्ञातीय** व्य० धनपाल भार्या फदू सुत कामाकेन कुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंब कारितं **श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन** प्रतिष्ठि-(ष्ठि) तं **मांडलिवास्तव्य** ॥श्रीः॥

(२३३)

॥ सं० १५०७ वर्षे जेष्ट (ज्येष्ठ) सु० १० उप० **चिपडगोत्रे** सा० गावा० भा० जेठी सु० **रडाकेन** मातृपितृपुण्या० आत्मश्रे० श्रीशांतिनाथबिं० का० उपकें० कु० प्रति० **श्रीककसूरिभिः**

---

(२३०) **માંડલ**ના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२३१) **પ્રાંતિજ**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२३२) **માંડલ**ના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२३३) **ઉદયપુર**ના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२३४)

॥ सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठ (ष्ठ) वदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल वंशे मं० पर्वत भार्या लाडी पुत्र मं० भोजा सुश्रावकेण(न) भार्या भावलदे पुत्र मांडणमुख्यकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छनायकश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन–निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारित(तं) प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन श्रीरस्तु ।

(२३५)

संवत् १५०८वर्षे मार्ग(र्ग)सिर(शीर्ष) सुदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठि धर्म्मा भार्या हरषू सुत लाषाकेन भा० गेलीसहितेन द्वि० भा० छागूनिमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीचैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने श्रीजिनदेवसूरीणामुप० प्रतिष्ठि०

(२३६)

सं० १५०८ वर्षे वै० सु० ३ प्राग्वाट श्रे० कडूआ भा० मटकू सुत श्रे० भलाकेन भा० फांतू....वेला माणिकादिकडं(कुटुं)बयुतेन श्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबं(बिं)बं कारितं प्र तपागच्छे श्रीरत्नशेष(ख)रसूरिभिः वीरमग्राम वास्तव्य

(२३७)

॥६०॥ सं० १५०८ वर्षे वैशाष(ख) सुदि ९ सोमे ओसवालज्ञातीय । डांगीगोत्रे । साधु वाना भार्या वाल्हदे पु० साधु लालू भार्या ललतादे आत्मपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीकृष्णार्षिगच्छे श्रीजयसिंघ(ह)सूरि प० श्रीजयशेष(ख)रसूरिभिः ॥ शुभं भ०

---

(२३४) घोघाना श्रीनवखंडापार्श्वनाथना देरासरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.
(२३५) बोटादना मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.
(२३६) लींबडीना म्होटा मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.
(२३७) लक्कडवास (उदेपुर) ना मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.

(२३८)

॥ सं० १५०८ वै० शु० ९ **खयरवाडा** वासि श्रे० हांपा **भार्या** हांसू पुत्र पदमकेन....युतेन श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्रति० **तपा श्रीसोमसुंदरसूरि**शिष्य**श्रीरत्नशेखरसूरिभिः** ॥

(२३९)

॥ सं० १५०८ वर्षे वैशाष(ख) शुदि १२ शुक्रे **प्राग्वाट** ज्ञा० **मं० रत्ना** भा० रनाई पु० मं० महप सहपकिरण भा० **धरणु** सुत **वजा** कुटं(टुं) **बयुतेन** श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीहेमविमलसूरिभः(भि:)** **बल्हामर** वास्तव्य ॥श्री॥

(२४०)

म (सं)० १५०८ वै० **ऊकेशे** सा० वच्छराज सु० सा० हीरा भा० हेमादे हर्षमदे पु० सा० जग भा० फदूनाम्न्या निजभर्तृश्रेयसे श्रीशांतिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपा **श्रीरत्नशेखरसूरिभिः**॥ **देवकुलपाटक** नगरे ॥

(२४१)

॥ सं[०] १५०८ ज्येष्ट(ष्ठ) शु० ७ बुधे **श्रीश्रीमाल** वंशे **कर्पडि**शाखायां **लघुसंताने** मं० भणपाल भा० क्षीमादे पु० **मं० मूला** सुश्रावकेण(न) भार्या जगू वृद्धभ्रातृ राछा भ्रातृ० राम सहितेन **श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन** पितृश्रेयसे श्रीसुविधिदेवबिं० का० प्र० श्रीसंघेन

---

(૨૩૮) **લીંબડી**ના જૂના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૩૯) **શીહોર**ના મોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૪૦) **ઉદેપુર**ના બજારના વાસુપૂજ્યના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૪૧) **લીંચ**ના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२४२)

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) शु० १३ ब(बु)धे प्राग्वट ज्ञातीय श्रे[०] सोमा भा० धरमिणि सुत मालाकेन भाला० भा० गेलू रांभूयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीवर्धमानबिंबं कारितं प्र० तपा श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेष(ख)रसूरिभिः ॥ कूणिगिरिव्य(वा)स्तव्य ।

(२४३)

संवत् १५०९ वर्षे मार्गशीर्ष शुदि ६ दिने ऊकेशवंशे नाहट गोत्रे सा० धनू पुत्र साजणेन भार्या महजलदे पुत्र मूला महा गेहा पौत्र हापा नगा मादायुतेन श्रीसुमतिर्बी(बिं)बं कारि० प्रतिष्टि(ष्ठि)० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टेश्वरश्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(२४४)

संवत् १५०६ वर्षे माघ सुदि ९ शुक्रे प्राग्व(ग्वा)ट वंशे मं० कर्मट भा० मानु पुत्र ऊधरणेन भार्या मोहिणी पुत्र आल्हा वीसा नीसासहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसुरिउ(रीणामु)पदेशेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यस्वामिबिंबं कारितं प्र० श्रीसंघेन

(२४५)

सं० १५०९ वर्षे माघ शु० ९ उसवाल ज्ञा० दो० सामंत भा० सीतादेव्याः सुतेन दो० समराकेन भार्या जीविणि सुत महजपाल नरपाल धणपालप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्ट[ः] कारितः प्र० तपागच्छे गच्छश्रीमत् श्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीउदयनंदिसूरि श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिर्युतैः

---

(२४२) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२४३) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२४४) શ્રીકરેડાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२४५) સૂરતના નેમુભાઈની વાડીના મન્દિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२४६)

॥ संवत् १५०९ वर्षे माघ सुदि १० शनौ प्राग्वाट ज्ञातीय श्रेष्टि(ष्ठि)मांडण भार्या सलखू भीमाकेन भार्या सूलेसरिसहितेन आत्म-श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं । प्र० साधुपूर्णिमापक्षीय श्रीपुण्य-चंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्रावकैः

(२४७)

सं० १५०९ माघ व० ९ ऊ० सो० शिवा पुत्र सो० नांइया भा० सूहव सुत सा० माणिकेन सुत सहजा राजादिकुटुंबयुतेन निजमा० सो० वीरा० श्रेयोथ श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपा रत्नशेखरसूरिभिः

(२४८)

सं० १५०९ वर्षे फागुण य(व)दि २ बुधे हुंबडज्ञातीय भ्रातृ पातलश्रेयसे ठ० वीरमेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसर्वानंदसूरि-सहितैः श्रीसर्वदेवसूरिभिः

(२४९)

सं. १५०९ फा० व० १० लाडउलि श्रीमाल दो० आल्हा भा० पातू पुत्र दो० रत्नाकेन भा० जीविणि पुत्र सहसा गोपादिकुटुंब-युतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीसुमतिबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः

---

(૨૪૬) ઉદેપુરના શ્રીગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૪૭) કતારગામના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૪૮) ઉદેપુરના શ્રીશીતલનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૪૯) પુનાના આદિનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२५०)

सं० १५०९ चै० शु० ३ प्राग्वाट व्य० मेघा भार्या हीरादे पुत्र व्य० आसाडोडाभ्यां भा० कलु आल्हा पुत्र शिखरादिकुटुंबयुताभ्यां स्वश्रेयोर्थं युगादिबिं० का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः

(२५१)

॥ सं० १५०९ व० चैत्र व० ११ शुक्रे उपकेश ज्ञातीय पीहरेचा गोत्रे सा० गोवल पु० पदमा भा० पदमलदे तया श्रीमुनिसुव्रतबिं० का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे श्रीकक(क्क)सूरिभिः

(२५२)

॥ संवत् १५०९ वर्षे वैशाष(ख) वदि ३ दिने । उसवालज्ञातीय श्रे० ठाकुरसी भार्या राजू पुत्र श्रे० देवसी भा० मापरि पुत्र साह वछू भार्या सरू भ्रा रा वीरा सहितेन मातृपितृश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं चतुर्विंशतिपट्ट[:] कारितः उपकेशगच्छे कुकदाचार्यसंताने ककसूरिभिः प्रतिष्टि(ष्ठि)तं । श्रीः ॥

(२५३)

संवत् १५०९ वर्षे ज्ये ष्ट ष्ठ) शुदि १२ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय संघवी मोजा भार्या साधू सुतौ मेलु मेहू धनु मेना भार्या धनी स्वपूर्वि(र्व)जभर्तृआत्मश्रि(श्रे)योर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः । वडावलीवास्तव्य ॥

---

(૨૫૦) ઉદયપુરના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૫૧) વેરાવળના શ્રીચિંતામણિ પાર્શ્વનાથ મંદિરના ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૫૨) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૫૩) લીંચના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२५४)

सं० १९०९ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ गुरौ । स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० साल्हिग भा० टबकू सुत सा० गोईयाकेन भा० गुरदे पुत्र जीवण रतन महिराज पहिराजादियुतेन श्रीमुनिसुव्रत-बिंबं का० प्रति० वृद्धतपा श्रीरत्नसिंहसूरिभिः

(२५५)

संवत् १९०९ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) वदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० षे(खे)ता भार्या षे(खे)तलदे भ्रातृव्य आसा पांचा भार्या डाही द्वि० भा० वाल्ही सुत जूठा शाणा जिणदासैः सर्वपूर्वजश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथ-प्रमुखचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्टि(ष्ठि)तः पिप्पलगच्छे भट्टा० श्रीउदयदेवसूरिभि(भिः) शुभं भवतु ॥ श्रीः पत्तनवास्तव्य ॥

(२५६)

सं० १९१० वर्षे मार्ग[०]सुदि १० रवौ उ० ज्ञातीय कटारीया गोत्रे वु० हेमराज भा० हीमादे पु० चुडाडा भा० षी(खी)मादे पु०—सम(मु)द्राययुतेन पितृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं रत्नपुरीय गच्छे भ० श्रीधर्मचंद्रसूरिभिः ॥

(२५७)

सं० १९१० मार्ग[०] शु० १०..........वसजवासि व्य० षी(खी)मसी भा० पांची सुत देवाकेन भा० देवलदे पुत्र पर्वत राउल कर्मणादिकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीविमलबिंबं का० प्र० तपा श्रीरतन-(त्न)शेखरसूरिभिः ॥ श्रीः

---

(૨૫૪) પુનાના પોરવાલોના મંદિરના ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૫૫) માંડલના શાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૫૬) ઉદેપુરના શેઠના બાગના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૫૭) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२५८)

॥ सं० १५१० व० फा[०] शु० १२ रवौ ऊकेश वंशे गोत्र षी(खी)वल्या सं० नरदे भा० गौगी सु० ५ हेमा गजा सा० पदमा मा० २ हर्षु (खू) पु० सांई भ्रातृ सा० लाषा(खा)केन भा० वांदू सा० करमा षे(खे) ता झांझू सु० हीरा भ्रातृ कान्हड राना तेजा षी(खी) मादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः तपा श्रीउदयनंदिसूरिभिः ॥

(२५९)

। १५१० फा० शु० १२ प्रावा(ग्वा)ट श्रे० लाषा(खा) भार्या मातृ पुत्र श्रे० करणाकेन भा० कर्मादे पुत्र महिराज कुंरा ठाकुर भ्रातृ श्रे० आका टबकू पुत्र हेमा शिता श्रे० सायर धनादे पुत्र तेजा श्रे० राजा माणिकदे पुत्र थत्ता सहजादियुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामि२४ पट्टः श्रेयसे कारितः प्रतिष्ठितः तपा श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीश्रीश्री रत्नशेखरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थ....

(२६०)

॥ संवत् १५१० वर्षे फागुण वदि ३ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० रतना भा० बाइ अमकू पुत्री देमइ तया स्वपत्युः श्रेयोर्थं श्रीविमल-नाथबिंबं कारितं प्र० आगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः

---

(२५८) ઉદેપુરના શેઠના બાગના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૫૯) ખડુવાના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૬૦) ઉદેપુરના ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२६१)

॥ सं० १५१० वर्षे फागु० वदि ३ शुक्रे पल्लीवालज्ञातीय मं० मंडलिक भार्या शाणी पुत्र लालाकेन भार्या रंगीमुख्यकुटुंबयुतेन श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं

(२६२)

सं० १५१० वर्षे फा० व० १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे। षो(खो)ना भा० भोली सु० लखाकेन भ्रातृ सहिसाश्रेयोर्थं भा० माकू श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीग(गु)णसमुद्रसूरिभिः तलाडाग्रामे वीरवलाअडक।

(२६३)

सं० १५१० वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सु० ३ गुरौ श्रीश्रीमाल ज्ञातीय श्रे० चांपा भा० लाछू सुत डोसाकेन भा० तिलू सु० मूंजायुतेन स्वमातुः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपागच्छनायकभट्टारक श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

(२६४)

॥ संवत् १५११ वर्षे माघ सुदि ९ श्रीउकेश लोढा गोत्रे सा० छाजू पुत्र सा० जसराज भार्या जसमादे पुत्र सा० कीत (र्त्ति)पाल सा० सालिग सा० सदयवछः निजमा० । पुः स्वश्रेयस्यार्थं (योर्थं) श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीदेवसुंदरसूरिपट्टे श्री सोमसुंदरसूरिभिः

---

(૨૬૧) ઘોઘાના જીરાવલા પાર્શ્વનાથ દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૬૨) સૂરતના ઘેલાભાઇ અમીચંદના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૬૩) હિમ્મતનગરના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૬૪) સૂરતના નવાપુરાના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२६५)

संवत् १५११ वर्षे माघसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा (ज्ञा)० पितृ ममरा भा० सूहवदे सुत वाछाकेन भा० ०० कांऊ द्वि० जीवणि सु० कान्हा पितृ भा० पितृव्य मदा—श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० पिप्प(प्प)लगच्छे श्रीसोमचंद्रसूरिपट्टे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥ जालहरवास्तव्य ॥ श्री ॥

(२६६)

॥ सं० १५११ वर्षे माघवदि ३ बुधे श्रीहारिजगच्छे उपकेश-ज्ञातीय व्यव [०] लुणा भा० धारू पुत्र शवउ भा० सोनल सुत मूंभवन पितृव्य चापा । कर्मसी मंग्रामसी ईसरनिमित्तं श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० भ० श्रीमहेस(श्व)रसूरिभिः

(२६७)

सं० १५११ वर्षे माघ वदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल ज्ञा० मं० लुंभा सु० मं० देपाल भा० देहूश्रवणदे सु० हीराकेन भा० रसू सु० गांगादिकुटं(टुं)बयुतेन स्वपितृमातृश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथ द्विचतुर्विंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमा पक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना । वासपाग्रामे शुभं भवतु

(२६८)

संवत (त्) १५११ वर्षे वैशाष (ख) शुदि ९ गुरौ श्रीब्रह्माण-गच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० महिणा भा० देऊ सु० धनाभाजाभ्यां पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसी(शी)तलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः ॥ वं डूवाडावास्तव्य । श्री

---

(२६५) જામનગરના શ્રી આદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२६६) શીહોરના મોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२६७) લીંબડીના જૂના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२६८) માંડલના પાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૬૯)

॥९०॥ संवत् १५११ वर्षे वैशाख वदि ५ शनै(नौ) श्रीमोढ-ज्ञातीय मं० भीमा भार्या मनू सुत मं० गोराकेन सुत भोला महिराज-युतेन स्वपितुः श्रेयोर्थ(र्थं) श्रीनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं विद्याधर गच्छेश श्रीविजयप्रभसूरिभिः ॥

(२७०)

संवत् १५११ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० वराद भा० वील्हणदे पितृमातृश्रेयसे सुत मारेण श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लिय भ० श्रीजयचन्द्रसूरि(री)णामुप-देशेन प्रतिष्ठितम् । श्री०

(२७१)

सं० १५११ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) वदि ९ रवो श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० विरूआ भा० माघू पु[०]त्राण मेहासह(हि)तेन स्वपितृन-(नि)मितं (त्तं) भ्रात-श्रेयोर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीपिप्प-(प्प)लछे(च्छे) श्रीश्रीविजयदेवसूरिभिः

(२७२)

सं० १५१२ वर्षे कार्तिक सु० १ रवौ श्रीभावडारगच्छे श्रीपोरवाड ज्ञा० मं० विमल भ० भ० मांकड भा० धारू पु० पोगा-राघवाभ्यां राघवकेन श्रीशान्तिनाथबिं० आत्मश्रे० कारित(तं) प्र० श्रीकालिकाचार्य भ० श्रीवीरसूरिभिः ॥

---

(૨૬૯) ઉદેપુરના ગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૨૭૦) મહેસાણાના મહાવીરસ્વામિના મન્દિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૨૭૧) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૨૭૨) ઉદેપુરના શ્રીગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(२७३)

संवत (त्) १५१२ वर्षे मार्ग्रसिर (मार्ग्गशीर्ष) सुदि १९ सोमे श्रीभावडारगछे (च्छे)। श्रीओसवाल ज्ञा० आसुत्रा गो० श्रे राणा भा० रामति पु० नगा भा० नामल्दे पु० वडूया रहीया हमीरयुतेन स्वपित्रोः श्रे० श्रीश्रेयांसबिं० का० प्र० गछ(च्छ)नायक श्रीवीरसूरिभिः

(२७४)

सं० १५१२ वर्षे मार्ग्र(र्ग) वदि २ बुधे वाडिजवास्तव्य भा० मूलू भा० धनी पुत्र गोयद पेथा गोयद भा० हूली पेथा भा० नाथी सकलकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीद्विवंदनीकगच्चे वृद्धशाखायां भ० श्रीसिद्धसूरिभिः [ः] प्रतिष्ठितं ॥ श्रीरस्तु ॥ छ ॥

(२७५)

सं० १५१२ वर्षे पो(पौ)ष वदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव[०] सेगा स०........णेन भा० अधकूनिमित्त (त्तं) कुटं(टुं)बश्रेयोर्थं श्रीश्रीश्रीश्रीअजित॥ नाथमुख्यपं....॥ व० कारि० श्रीपू० भ० श्रीराजतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥

(२७६)

संवत् १५ ० १२(१५१२) वर्षे माह सुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालन्या (ज्ञा)तीय सं० धरणा भा० धर्मादे तयोः सुत सं० सूटा मोटा सं० जांटा भवा लाला तेषां मध्ये सूटा भार्या धर्मिणि तया स्वपतिश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीशीलरत्नसूरिभिः

---

(२७३) જામનગરના શ્રી આદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२७४) ઉદેપુરના શ્રી ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમત્તિનો લેખ.
(२७५) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(२७६) લીંચના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२७७)

सं० १५१२ वर्षे फागुण सुदि ८ शनौ श्रीमालज्ञातीय मं० कान्हा भार्या राजू सु० सिंघराज मं० विरूयाकेन पितृमातृभ्रातृश्रेयोर्थं कुंथ(थु)नाथचतुर्विंशतिजिनपट्ट[:] कारित[:] । प्रतिष्टि(ष्ठि)त[:] श्रीपू० म० गुणसुंदरसूरिभिः ॥ ७४

(२७८)

संवत् १५१२ वर्षे वैशाष(ख) शुदि ३ बुधे अ(उ)पकेशज्ञातीय व्य० पता भार्या नाणू सुत गांगाकेन पितृपितृव्यभ्रातृसर्वपूर्वजश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारा० प्रतिष्टि(ष्ठि)तं संडेरगच्छे म० श्री श्री ॥ श्रीशांतिसूरिपट्टे श्रीशालिसूरिभि[ः] प्रतिष्टि(ष्ठि)तं नायकावास्तव्य

(२७९)

स० १५१२ वर्षे जेष्ट(ज्येष्ठ) शुदि ९ दिने प्रागवाटज्ञा० मं० साजण भा० तिल्हू सुत छूटाकस्तस्य स्वसा वारूनाम एतेषां भ्रा० गदाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं वर्द्ध(वृद्ध) तपापक्षे भट्टा० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥

---

(૨૭૭) ઘોઘાના શ્રીસુવિધિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૭૮) જામનગરના રાજસીશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમર્ત્તિનો લેખ.

(૨૭૯) કોલીયાક (ભાવનગર) ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२८०)

॥ ए० १५१२ वर्षे प्राग्[०] ज्ञातीय श्रे० आसपाल भा० पभू पुत्र धना भा० चमकू पुत्र माधवेन भा० वाल्ही भ्रातृ देवराज भा० रामति देपालादियुतेन श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० तपागच्छेश श्रीसोमसुंदरसूरि श्रीमुनिसुंदरसूरि श्रीजयचंद्रसूरिशिष्य श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ॥ ॥ श्रीः

(२८१)

॥ सं[०] १५१३ पौष शुदि ७ उकेशवंशे विमलगोत्रे सं० नर-सिंहीगज सा० झांझणेन श्रीकुंथुबिंबं का० प्र० ब्रह्म --(ह्माणग०) उदयप्रभसूरि तथा भट्टारकश्रीपूर्णचंद्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः

(२८२)

॥ सं० १५१३ वर्षे पो(पौ) ० शु० १० बुधे श्रीमालज्ञातीय म० महिपा भा० धारू पुत्र म० कान्हाकेन भा० सुहासिणि टमकू सुंत श्रे० वुंडा धर्मण टीला राजा भोजा व० हीरू हांसी वनी पौत्र राणामांडणादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः

(२८३)

सं० १५१३ वर्षे पौष वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय पारीक्ष धर्मसी(सि)ह भा० जासलदे पुत्र राघव वयरू मोकलै एतै[:] पितृमातृ-श्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्रति० नागेंद्रगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥

---

(२८०) પાલીતાણાના માધવલાલ બાબૂના દેરાસરની ધાતુમૂર્त्तिનો લેખ.
(२८१) ઉદેપુરના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્त्तिનો લેખ.
(२८२) પુનાના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્त्तिનો લેખ.
(२८३) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્त्तिનો લેખ.

(२८४)

॥ संवत् १५१३ वर्षे पो(पौ)ष वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव[०] कर्मा भार्या कर्मादे सुत कान्हाकेन पितृमातृन(नि)मितं(त्तं) स्वआत्मश्रेयसे श्रीनमिनाबिंबं कारितं प्रति० चैत्रगच्छे धारणपद्रिय श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः ॥

(२८५)

॥ सं० १५१३ माघ वदि २ शुक्रे श्रीउएसवंशे व्य० गींदा भा० रतनू पुत्र व्य० हापा सुश्रावकेण भार्या जावडि । भ्रातृ मांडण लूणासहितेन श्रीअंचलगच्छे गच्छगुरुश्रीजयकेसरिसूरिउपदेशेन श्रीअभिनंदनस्वामिबिंबि स्वश्रेयसे कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन चिरं नंदतु ॥ श्रीः ॥

(२८६)

॥ सं० १५१३ वर्षे मा – – शुक्रे श्रीउएसवंशे सा० लाहन भा० हीरादे पु० जीवद भा० सीतादे पु० समधर भा० सहजलदे पु[त्र] सा० बाटा सुश्रावकेण भार्या धनी वृद्धभ्रातृ धमासहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिउपदेशेन सर्वपूर्वजप्रीतये श्रीविमलनाथबिंबि का० प्रति० संघेन ॥ श्रीः ॥

---

(२८४) અમરેલીના સંભવાજનના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૮૫) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૮૬) વળાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૮૭)

संवत् १५११ वर्षे चैत्र शुदि ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० अमीया भा० रत्नू तयोः सुताः देवराज जेसा वांगा भार्या तेजू तयोः सुतौ होदाशिवाकाभ्यां स्वपितृश्रेयोर्थं श्रीकुंथ(थु)नाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीआगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरिभिः ॥ चोटीलावास्तव्य ॥ श्रीः

(૨૮૮)

॥ सं० १५१२ व० चैत्र सु० ६ गुरौ उपकेश........ सा० सल्हराज पु० सा कान्हा भा। कलसिदे पु० धना भा[०] धणश्री पु० चोषा(खा)यु० शीतलनाथबिंबं का० प्र० धर्मघो० ग० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः

(૨૮૯)

सं० १५१३ वर्षे वैशाष(ख) शु[०] २ गुरू(रौ) श्रीजीर्णगढ-वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० जोगा भार्या हांसू सुत श्रे० हूंढा भार्या वीरू सुत श्रे० गोव्यंद भार्या अमकू भात्रि (भ्रातृ) श्रेष्टि(ष्ठि) गोपाल भार्या अधकूप्रमुष(ख) कुटं(टुं)बजु(यु)तेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथब्यं(बिं)बं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीपीप(प्प)लगच्छे श्री-रत्नसेष(शेख)रसूरि[भिः]

---

(૨૮૭) ઘોઘાના જીરાવલા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૮૮) ઉદેપુરના શ્રીશિતલનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૮૯) જામનગરના રાજસીશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२९०)

सं॰ १५१३ वर्षे वैशाष(ख) सुदि १० श्रीश्रीमालज्ञातीय मं॰ लुंका सुत पद्मा भार्या लूणी सुत मंडलाकेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का॰ श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरि(री)णामुपदेशेन प्रतिष्टि (ष्ठि) तं ॥ दीघडिया वास्तव्य ॥

(२९१)

। सं॰ १५१३ वर्षे वैशाष (ख) मासे श्रीओएस ज्ञा॰सा॰वीसा भा॰ वालहदे सु॰ सा॰ झांझणरतनाभ्यां भा॰ झटकादे पु॰ अमरादिकुटुंबसहिताभ्यां श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेशरिसूरिगिरा श्रीमुनिसुव्रतस्वामीबिंबं स्वश्रेयसे कारि॰ प्र॰ श्रीसंघेन । श्रीः श्रीः ।

(२९२)

॥ सं॰ १५१३ वर्षे ज्येष्ट (ष्ठ) सुदि २ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय मं॰ अर्जन भा॰ अहिवद सु॰ मं॰ पेथा भा॰ रामति सुत हरदासेन स्वश्रेयसे आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्टा(ष्ठा)पितं च ॥

(२९३)

संवत् १५१३ वर्षे येष्ट (ज्येष्ठ) शु॰ ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य॰ मालदे सुत केल्हा भार्या हषू (खूं) सुत माणिक भार्या माणिकिदे श्रेयसे सुत लष (ख) राजादियुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र॰ तपा श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । पत्तनवास्तव्य । श्रीः ।

---

(૨૯૦) લીંબડીના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૯૧) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૨૯૨) વીરમગામના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ:
(૨૯૩) માંડલના શ્રીવાસુપૂજ્યસ્વામીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२९४)

संवत् १५१३ वर्षे आषाढ शु० ५ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० पर्वत भार्या अमरी सुत नरसिंह भार्या सांपूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीकुंथ-(थुं)नाथबिंबिं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं तपागच्छनायक श्रीसोमसुंदरसूरि-शष्य (शिष्य) श्रीरतन(रत्न)शेष(ख)रसूरिभिः ॥ श्रीपत्तनवास्तव्य शुभं भवतु ॥ श्री ॥

(२९५)

॥ सं० १५१४ वर्षे फागुण सुदि १० सोमे उपकेश ज्ञ० सा० कर्म्मसी भा० रूपिणि पु० अमरा पुत्री साधू तया स्वश्रेयसे श्रीकुंथ-(थु)नाथबिंबं कारितं । प्रतिष्टि(ष्ठि)तं उपकेशगच्छे कुक(कक्कु)दाचा-र्यसं० श्रीकक्कसूरिभिः ॥ सुरपत्तन ॥

(२९६)

संवत् १५१४ वर्षे वैशाष(ख) शुदि ५ गुरू(रौ) श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय भंघाणिया श्रे० सांडण भार्या मीणु सुतनू चांपा भार्या कीडी पुत्र धनाकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभचतुर्विंशतिपट्ट[ः] कारापितं(तः) प्रतिष्टतं(ष्ठितः) श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीश्रीगुणसागरसूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्र-सूरिभि[ः] ॥ घोघानगरे प्रसध(सिद्ध)नाम सांडा ॥ श्रीश्री ॥ भार्या मुक्तादे सुत वच्छा जंबा ॥

---

(२९४) ઉરખજીનામુવાડાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२९५) જામનગરના શ્રીશાંતિનાથજીના (વર્ધમાનશાહના) દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(२९६) ઘોઘાના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૯૭)

॥ सं० १९१९ वर्षे मार्ग्र(र्ग) सु० १० गु[रौ] ऊ० ज्ञा० ष(ख)टवडगोत्रे सा० जइता भा० ... जावाकेन भा० धाइजु० युतेन) पितृपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबि का० प्र० धर्मघोषगच्छे श्रीमद्भु तिलकसूरिभिः

(૨૯૮)

सं० १९१९ वर्षे माघ सुदि १ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे प्राग्वाट ज्ञा० श्रे० सूंटा भा० लाष(ख)णदे सु० डूंगर भा० चांपू जीव(वि) तस्वामिबिंबि कारितं आत्मश्रेयोर्थं श्रीनेमिनाथ का० प्र. बुधि(द्धि) सागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभि[ः] वषिलाग ।

(૨૯૯)

सं० १९१९ ब० माघ सुदि १ शुक्रे श्रीश्रीमाल ज्ञा० पितृ मोपा मातृ (तृ) सासू सुत महिपाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का (०) पूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः सांबुरीग्रामे ॥

(૩૦૦)

संवत(त्) १९१९ वर्षे मा० सुदि १ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाल ज्ञा० श्रे० बुथा भा० वाकु सु० केल्हा भा० कुतिगदेस-हितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंब बं) का० प्र० श्रीबुधि(द्धि) सागरसूरिपट्टे श्रीविमलप्रभसूरि(भिः) चूडाग्रामे

---

(૨૯૭) ઉદેપુરના શ્રી ગોડીજીના ભંડારની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૯૮) વઢવાણ શહેરના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૨૯૯) જૂનાગઢના શ્રી મહાવીરસ્વામીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૦૦) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથ દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३०१)

॥ सं० १५१५ वर्षे माघ शुदि ७ दिने प्राग्वाटज्ञाति(तीय) सं० वयरसी भा० जईतू सुत सं० नरगा तेन भा० मरमादे सुत वर्धमान भ्रातृ सं० शिवराज भा० कर्मादे सुत वसुपालादिकुटुंबयुतेन मातृश्रेयोर्थं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्न-शेखरसूरिभिः श्रीरस्तु गंधारवासिना ।

(३०२)

सं० १५१५ वर्षे माव शुदि १४ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गदा भा० मांकु सु० सिवसी भा० प्रीमी पि० वस्ता डूंगर एतैः नमित्त (निमित्तं) आत्मश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० श्रीपूर्णि-मापक्षे श्रीकमलप्रभसूरिभिः ॥ प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥ विधिभिः ॥

(३०३)

सं० १५१५ वर्षे फागुण शुदि ९ गुरु(रौ) उपकेशज्ञा० – – बाघा भार्या वल्हादे पुत्र सिवा भा० रांभलदे पुत्र गंगदासजितेन पूर्वजपुण्यार्थं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रति० जीरापल्लीय-गच्छे भ० श्रीउदयचंद्रसूरिभिः ॥ आस्यापुलीयः ॥

(३०४)

॥ संवत(तु) १५१५ वर्षे फा० सुदि १२ बुधे श्रीश्रीवंश शे) व्य० कउडिशाखायां श्रे० वीरधवल पु० ठाकुरसी........देवा पु० गांगासाहेतया श्रीअंचलगच्छगुरुश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्व-श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन ॥

---

(३०१) પૂનાના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(३०२) ઘોઘાના શ્રીચંદ્રપ્રભુના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(३०३) અમરેલીના શ્રીસંભવજિનના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(३०४) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૦૫)

॥ संवत् १५१७ वर्षे माघ सुदि १० बुधे **श्रीकोरंटगच्छे** **उपकेश**ज्ञातीय **काला परमारशाखायां** श्राविका **स्तुनाम्न्या** आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः** ॥ **वरीआनगर** वास्तव्य ॥

(૩૦૬)

॥ सं० १५१७ वर्षे माघ शुदि १० बुधे **श्रीश्रीमाल**ज्ञातीय व्यव[०]रतना भा० रतनादे पुत्र षोनाकेन पितृमातृपुण्यार्थं आत्मश्रेयसे श्रीधर्म्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **पिप्पलगच्छे** भ० श्रीगुणदेव-सूरिपट्टे **श्रीचंद्रप्रभसूरिभिः** ॥ **भाबहिर** वास्तव्य.

(૩૦૭)

॥ संवत् १५१७ वर्षे माघ वदि ८ सोमे **श्रीप्राग्वाट**ज्ञातीय श्रे० सांगा भार्या मटकू तयो[ः] पुत्री संपूरीनाम्न्या आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंब कारापितं प्र० **वृद्धतपापक्षे** भ० **श्रीजिनरत्न-सूरिभिः** ॥

(૩૦૮)

॥ सं. १५१७ वर्षे माघ वदि ८ सोमे **उपकेश**ज्ञातीय **लघु-श्रेष्टि(ष्ठि)** गोत्रे **महाजन** शाषा(खा)यां म० मत्रा पु० म० कर्मण पु० म० साल्हा भा० सलष(ख)णः पु० म० सहजाकेन स्वमातृपित्रोः पुण्यार्थं श्रीचंद्रप्रभबिंबं प्रतिष्ठितं **उपकेशगच्छे कुकदाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिभिः** ॥

---

(૩૦૫) **જામનગર**ના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૦૬) **ઘોઘા**ના જીંઝાવાળા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૦૭) **રાધનપુર**ના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૦૮) **પુના**ના પોરવાલના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३०९)

संवत् १५१७ वर्षे फागुण सुदि १० शुक्रे **श्रीश्रीमालज्ञाती०** **महं** सायर भार्या घेटी सुत जगाजयताभ्यां पितृमातृश्रियोर्थे श्रीधर्म्म-नाथबिंबं कारापितं प्रति० **पिप्फलगच्छे** भ० **श्रीअभयचंद्रसूरिभिः** ॥ **जाल्योधर**वास्तव्य ॥ सर्वसा....स ॥

(३१०)

सं० १५१७ वर्षे फा० शु० ११ शनौ **सीणुरा**वासि **प्राग्वाट** व्य० चूंडा भा० गउरी पुत्र स० देहलाकेन भा० रुपिणि पुत्र गरुआदिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीविमलनाथमूलनायकबिंबा-लंकृतश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० **तपागच्छे** श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे **श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः** ॥

(३११)

सं० १५१७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे **श्रीश्रीवंशे** श्रे० **मांडण** भा० चांपू पु० लाषा(खा)केन भा० सोभागिणि पु० साधारण-सहितेन लघुभ्रातृषी(खी)मसी पुण्यार्थं **श्रीअंचलगच्छाधिपश्रीजय-केसरिसूरीणा**मुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसंघेन ॥

(३१२)

संवत् १५१७ वर्षे वैशाष(ख) सुदि ३ सोमे **उ(ओ)सवाल ज्ञातीय लघुसंतानीय** श्रे० वीग्रा भा० वीझलदे पु[०] नादा भा०.... भोजायुतेन भ्रातृ सादानिम(मि)त्तं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं वि-**वंदणी(नि)क**गच्छे भ० **श्रीसिद्धसूरिभिः** प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥

---

(३०९) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ
(૩૧૦) ઉદેપુરના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૧૧) માંડલના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૧૨) વઢવાણ શહેરના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૧૩)

सं० १९१७ वर्षे वैशाष(ख) शुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० गला भा० दापू सुत रामाषी(खी)भार्भ्यां पितृमातृ सर्व पूर्वजनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथपंचतीर्थी कारिता प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीगुणरत्नसूरि–उपदेशेन श्रीगुणसागरसूरिभिः सिंघासर ॥ उवडी ॥

(૩૧૪)

संवत् १९१७ वर्षे वैशाष(ख) शुदि १२ भौमे श्रीश्रीमालज्ञातीय महं हीरा भा० हीरादे सुत वरदे भा० चांगू सुत गांगध(म) सीहा गेला स्वपितृमातृभ्रातृश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीजयप्रभसूरिभिः ॥ आद्रीयाणावास्तव्य । अधुना अजमेरवास्तव्य ।

(૩૧૫)

संवत १९१७ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि ५ गुरू(रौ) श्रीमालज्ञातीय लाडूलींबात्मज श्रे० परवत भार्या रूडी सुत वेला समधरेन भार्यापुत्र-युतेन पित्रोः निमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथजीवितस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)त चैत्रगच्छे धारणपद्रीय भ० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः ॥ समोवास्तव्य श्रीवृद्धिसंतान सुखं च स्ते ४ ॥

---

(૩૧૩) લીંબડીના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૧૪) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૧૫) મહુવાના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૧૬)

सं० १५१७ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि ९ गुरु(रौ) श्रीश्रीमालज्ञातीय लाडूषी(खी)मा सु० देवा भार्या मोली सुत मांडणेन पित्रो निमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाबिंबं का० प्रति० चैत्रगच्छे धारणपद्रीय भ० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः ॥ समीत्रास्तव्य [:] श्रियः

(૩૧૭)

सं० १५१७ वर्षे आषाढ सुदि १० बुधे ऊकेशवंशे लुंकडगोत्रे सा० गूजर पु० सा० देवराज पु० चासा पु० सा० समधरेण स्वमातृचांईपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरिभिः

(૩૧૮)

संवत् १५१८ वर्षे माघ सु०दि (सुदि) ६ बुधे श्रीब्रह्मा[ण] गच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० तिहिणा भार्या कम्मी ततपुत्र सुहसाकेन पितृमातृश्रेय(यो)र्थं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीवीरसूरिभ्यः(भिः) मेहात्रसुवास्तव्यः ॥

(૩૧૯)

॥ सं० १५१८ वर्षे वैशाष(ख) शु० १३ सखारीवासि प्रा० सं० जावड भा० वारू सुत हरदासेन भा० गोमति भ्रातृदेवा भा० धर्मणियुतेन श्रेयोर्थं श्रीसुमतिबिं[०] का० प्र० तपा श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

(૩૧૬) રાધનપુરના શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૧૭) પાલીતાણાના માધવલાલ બાબૂના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૧૮) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૧૯) પાલીતાણાના માધવલાલ બાબુના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૨૦)

संवत् १५१८ वर्षे वैशाष(ख) वदि १ गुरौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रेष्टि तीकम भार्या मेघू पितृमातृश्रेयसे सुत वीरपालेन भार्या हर्षू(खू) पुत्र गेला प्रभृतिसमस्तकुटंबयुतेन श्रीविमलनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः **श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय** भ० श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे भ० **श्रीजयचंद्रसूरी**णामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तः

(૩૨૧)

संवत् १५१८ वर्षे वैशाष(ख) वदि १ गुरौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रे० बीकम भा० नेघू सु० हरपाल भा० कपूरदेनाम्न्या स्वभर्त्तुः श्रेयसे श्रीनाभिनाथ मुख्य पंचतीर्थी कारिता **श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय** भ० श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे भ० **श्रीजयचंद्रसूरी**णामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं विधिना **घोघा वास्तव्य** ॥

(૩૨૨)

सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) शुदि २ **शनौ श्रीश्रीमाल** । सा० मदन भा० मूंजी सु० २ गणा वणायग गणा भा० धनी सु० आणंदजी २ । वणायग भा० अरघू सु० कीका मूंजाकेन कुटुंबस्य श्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **पूर्णिमापक्षे श्रीसागरतिलकसूरिभिः बोरसिद्धि** वास्तव्य ॥

---

(૩૨૦) **જામનગરના** શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમુર્ત્તિનો લેખ.

(૩૨૧) ઘોઘાના શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમુર્ત્તિનો લેખ.

(૩૨૨) **શ્રીકતારગામના** દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૨૩)

१५१८ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सु० ३ शनौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** सं० देपाल भा० हवकू सुत जीवाभिधेन भा० डींयू सुत सं० **लखराम** प्रमुखकुटं(टुं)बयुतेत श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीवृद्ध-तपापक्षे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः** ॥

(૩૨૪)

सं० १५१८ ज्ये० व० ९ शनौ **श्रीनागेंद्रगच्छे** भ० **श्रीगुण-सागरसूरिश्रेयोर्थं श्रीगुणसमुद्रसूरि**प्रतिष्टि(ष्ठि)त(तं) । श्री.......... **श्रीगुणदेवसूरिभिः**........

(૩૨૫)

सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) वदि १० रवौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** व्य० पद्मा भा० पत्रापदे सु० समरा–सुराभ्यां सु० वेलायुताभ्यां मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं **पूर्णिमापक्षे श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन** कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं च विधिना **आडीसर**वास्तव्य[:]

(૩૨૬)

॥ सं० १५१८ वर्षे आषाढ सुदि ३ गुरौ **श्रीमालज्ञातीय** मं० गोधा सु० सांगा भा० लाडी सु० सहिसाकेन भ्रा० धूधा वजीया वानर सोमा सहिमा भा० सावलदे सु० हीरायुतेन मातृपितृश्रेयसे कुंथुनाथ-बिंबं **पूर्णिमा० श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन** का० प्रति० विधिना ॥

---

(૩૨૩) **જામનગર**ના વર્ધમાનશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૨૪) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની મ્હોટી ધાતુ-મૂર્તિનો લેખ.

(૩૨૫) **જામનગર**ના શ્રીનેમનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૨૬) **રાધનપુર**ના શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૨૭)

॥ सं० १५१८ वीरमगामे प्राग्वाट व्य० पदम भा० वरघति पुत्र हरदासेन भा० सोहा प्रमुख कुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० त[पा] श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(૩૨૮)

सं० १५१९ वर्षे कार्तिक वदि १ सोमे श्रीमालज्ञातीय श्रे० धणपाल भा० चांपू पु० खेता पाता नगा से० हितेन पितानिमित्तं अरुनाथबिंबं कारितं श्रीनागेंद्रगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥ श्रीपुणसुरावास्तव्यः ॥

(૩૨૯)

सं० १५१९ वर्षे कार्त्तिक वदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० पदमा सुत व्य० तडीया भार्या पाल्हू सु० कर्मसीहेन भा० सहजूसहितेन पितृमातृआत्मा(त्म)श्र०(श्रे) श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीपू० प्रधानशापा(खा)यां मद्रा(द्रा) [०] श्रीजयप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥ श्रीः ॥

(૩૩૦)

सं० १५१९ वर्षे माघ शुदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मंडलिक भा० माल्हणदे सु० परवत भा० अमरी तथा स्वभर्तृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं च विधिना ॥

---

(૩૨૭) પાટડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૨૮) કતારગામના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૨૯) લીંબડીના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૩૦) જામનગરના રાજશીશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૩૧)

सं० १५१९ वर्षे म(मा)घ सु० ४ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय स० हापा भा० वील्हणदेश्रेयोर्थं सं० जेईआ केल्हा काला गोगनम्रप-ने(न) (?) सकुटंबे[न] श्रीधर्म्मनाथमुख्यश्चतुर्विंशतिपटः(ट्टः) कारितः श्रीपू० श्रीसाध(धु)रत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीसंघेन प्र० विधिना व(ब)जाणा.

(૩૩૨)

सं० १५१९ वर्षे माघ सुदि १५ गुरु(रौ) श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव[०] गहगा भार्या वाहली आत्मश्रेयोर्थं जीवतस्वामि श्रीअजित-नाथप्रमुखपंचतीर्थीबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीमुनितिलकसूरिपट्टे श्रीराजतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥ जांबू वास्तव्य ॥

(૩૩૩)

संवत् १५१९ वर्षे माघ वदि ९ शनौ श्रीउएसवंशे लालण-शाषा(खा)यां सा० सायर भा० पोमादे पु० थिरीयाकेन भा० हीरू भ्रातृ धीरण पु० अजासहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरी-णामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन श्री ॥

---

(૩૩૧) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૩૨) પાલીતાણાના માધવલાલ બાબૂના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૩૩) જામનગરના વર્ધમાનશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૩૪)

संवत् १५१९ वर्षे वेशाष(ख) व० ११ शुक्रे । श्रीश्रीमालज्ञातौ दो० राजसी भा० रत्नादे पु० दो० सुहडा भा० मेघू पु० दो० पदमसी भा० पदतलदे तथा भ्रातृ दो० जयतसी कुरसी स० श्र(स्व)श्रे० श्रीसंभवनाथबिंप(बं) का० प्रति० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३५)

सं० १५१९ वर्षे वैशाख व० ११ शुक्रे ओशवाल ज्ञातीय षटवड गोत्रे सा० कान्हड भा० लष(ख) माई पु० साह सहदे भार्या बई सोभादेव्या आत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं श्रीधर्म्मघोषगच्छे प्र० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥ श्री ॥

(३३६)

सं० १५१९ वै० व० ११ गोलग्रामे प्रा० श्रे० अमीपाल भा० आह्लणदे पुत्र्या श्रे० मना-मरगदि सुत समधर भार्यया सुहासिणिनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

---

(૩૩૪) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૩૫) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુપ્રતિમાનો લેખ.

(૩૩૬) પાટડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ

(३३७)

संवत् १५१९ वर्षे वैशाष(ख) बु(व)दि ११ शुक्रे **श्रीमालज्ञातीय** श्रेष्टि(ष्ठि) सरवण भार्या श(स)हजलदे सुत सोमा भार्या रतनू सुत सीहा श(स)मरा रयणायर कीका य(यु)तेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीचंद्रप्रभ-स्वामिचतुर्विंशतिपट्ट[:] कारितं(तः) श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे **श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन** प्रतिष्टि(ष्ठि)तः विधिना **राणपुर**वास्तव्य

(३३८)

संवत् १५१९ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि ९ शुक्रे **श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रेष्टि(ष्ठि) डाहा(ह्या) भार्या कमलादे सुत झांझण नरसिंहराज नगराज सहितैः पितृपूर्वजश्रे० श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं० प्र० **श्रीविमलसूरिभिः सलष(ख)णपुरे**

(३३९)

सं० १५१९ वर्षे जेष्ट(ज्येष्ठ) शुदि ९ शुके **श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रेष्टि(ष्ठि) अर्जन भार्या लाडी सुत शाणा भार्या वारू सुत कर्मणभोजाभ्यां मातृपितृश्रेयसे श्रीनमिनाथमुख्यचतुर्विंशति-पट्ट[:] कारापितः प्र० **श्रीविमलसूरिभि[:] मांकाग्रांम**वास्तव्य ॥

(३४०)

संवत (त्) १५१९ वर्षे ज्य(ज्ये)ष्ट (ष्ठ) वदि ४ दिने **ऊकेश**-वंशे **श्रेष्टि(ष्ठि)गोत्रे** सा हूंफा भार्या सीतू पुत्र हापा भा० तेजू पुत्र सा० देवदत्तेन स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीखरतरगच्छेश्वर** श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे **श्रीजिनचंद्रसूरिभिः**॥ ॥ श्रीः ॥

---

(૩૩૭) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૩૮) પુનાના પોરવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૩૯) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ
(૩૪૦) માંડલના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૧)

सं० १५१९ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) व० ७ बुधे श्रीश्रीमाल ज्ञा० दो० आसा भा० लहकू श्रेयसे सुत महगकेन भा० माणिकिसहितेनात्म-श्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिं० का० प्र० विष्फ(प्प)ल गच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरि उप० श्रीसालिभद्रसूरिभिः ॥ गोबहल ग्रामे ॥

(૩૪૨)

सं० १५२० वर्षे मार्ग्र(र्ग०) व० ९ ऊकेश ज्ञा० सा० तोल्हा भार्या वानूपुत्र्या भ० जेसा भा० रत्नाई पु० साधू भार्यया रंगू नाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीसुमतिबिंबालंकृतः चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरि तत्पट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः मंडपदुर्ग्रे(र्गे) ॥

(૩૪૩)

सं० १५२० वर्षे माघ वदि ११ बुधे श्रीमालज्ञातीयपितृ व्य० आसिग़श्रेयसे सुततेजाकेन भ्रातृवयजा राजा सह.................र्थं श्रीमहावीरबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीभवनानंदसूरि-शिष्यैः श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः ॥

---

(૩૪૧) અમરેલીના શ્રીસંભવજિનના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૨) કોલીયાકના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૩) જામનગરના શ્રીઋષભદેવજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३४४)

सं० १५२० वर्षे चैत्र शुदि ८ शुक्रे । श्रीश्रीमालज्ञातीय मह[०] सहद सुत मह[०] देईया भार्या देल्हणदे सुत प्र० साजण मं० (म०) जूठा म० नारद सह(हि)तेन पितृव्य सहजाम(नि)मित्त(त्तं) आत्मश्र(श्रे)योर्थ(र्थं) श्रीकुंथनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं विध(धि)पक्षे श्रीजयकेसरसूरिभिः ॥

(३४५)

सं० १५२० वर्षे चैत्र व० ८ शुक्रे झंझूवाटके श्री २ माल (श्रीश्रीमाल) ज्ञा० श्रे० गोवल भा० पूंजी सुत चुहष भा० चाहिणदे सुत पातउ वनउ पाता भार्या रमकू सहितेन श्रे० पाताकेन आत्मश्रेयसे पूर्वजन(नि)मितं(त्तं) श्रीशीतलनाथबिंबं कारि० प्रति० श्रीआगमगच्छे भट्टारक.........

(३४६)

सं० १५२० वर्षे चैत्र व० ८ शुक्रे आद्रीयाणा ग्रा० श्री २ माल(श्रीश्रीमाल) ज्ञा० मल्हण गो० श्रे० रतना भा० हीमी सु० सिवउ भा० षो(खो)नी सु० देधरेण भा० देल्हणदे सु० हरषा(खा) सहितेन निजि(ज)पूर्वजश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथ बिं० कारि० प्रति० श्रीचैत्रगच्छे चांद्रसमीय श्रीमलयचंद्रसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

(૩૪૪) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૫) વીરમગામના શ્રીશાંતિનાથજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૬) રાધનપુરના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૭)

॥ संवत् १९२० वर्षे चैत्र वदि ८ शुक्रे राढूआ गोत्रे **नागर** ज्ञातीय । श्रेष्टि(ष्ठि) देवा भार्या दूसी पुत्र साह माधवा साह मुकंद सा० राजा सा० वयजाभ्यः स्वमातृ-पितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः** ॥

(३४८)

सं० १९२० वर्षे वैशाष(ख) सु० ३ सोमे **ऊपकेश** ज्ञा० मह [०] कालू भा० अरघू पु० ३ जावड रता करमसीसमांति मि० (?) श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं **उपकेश** ग० **श्रीकक-सूरिभिः सत्यपुर** वास्तव्य ॥

(३४९)

॥ संवत् १९२० वर्षे वैशाष(ख) सुदि ३ सोमे **श्रीश्रीमाल** ज्ञातीय **वेट** वास्तव्य महं [०] भीमा सु [मं० गोदा मं० कान्हा मं० धर्म्मसी भार्या अरघू] महं [०] राणा भार्या रत्नादे सुत ३ प्र० मं० धर्म्मसी सुत मं [०] परबत लाला मं० लष(ख)मणसहितेन । श्रीअंचलगच्छाधीश्वर श्री **श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन** ॥ श्रीसीतल-नाथबिंबा(बिंबम)कारि ॥ श्रीवित श्रीसंघेन ॥

---

(૩૪૭) રાધનપુરના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૮) ઉદેપુરના શ્રીગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૪૯) કોળીયાકના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૫૦)

संवत् १९२० वर्षे वैशाष(ख) सुदि ९ बुधे श्रीश्रीवंशे मं० जावड भार्या पोमी पुत्र मं० वनाकेन भार्या रामति सहितेन स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रीश्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन.

(૩૫૧)

संवत् १९२० वर्षे वैशाष(ख) सुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धारा भा० धांधलदे सुत करणाकेन भा० कामलदे सहितेन पि० मा० श्रे० श्रीजीवितस्वामिपंच० श्रीनमिनाथबिं० का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥ दीघसिरिवास्तव्यः ॥

(૩૫૨)

सं० १९२० वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) शु० ४ गुरु प्राग्वाट ज्ञा० श्रे० रत्नाभार्या अमकु नाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीकुंथनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः

(૩૫૩)

सं० १९२० वर्षे डीसावाल मं० तिरिया भा० करणू प(पु)त्र्या श्रा० हत्रीनाम्न्या सु० षे(खे)ता भा० देई प० गणिया भा० कीकीकृत श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसुरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

(૩૫૦) ચિત્તોડ ગામના મોટા ઋષભદેવના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૫૧) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૫૨) પુનાના પોરવાલના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૫૩) જામનગરના શ્રીમુનિસુવ્રતસ્વામીજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३५४)

सं० १५२१ वर्षे माहा सु० ७ शुक्रे श्रीसंडेरगच्छे श्रीजि-(य)शोभद्रसूरिसंताने ऊ० कछारागोत्रे गो० पी(खी)मज सा० मायर भा० मोनी ॥ पु० कूपा भा० चाहू पुत्र नोता सहितेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठि(ष्ठि)तं श्रीसंडेरगच्छे श्रीशालिसूरिभि[:] श्री ॥

(३५५)

सं० १५२१ वर्षे माघ शुदि १३ प्राग्वाट श्रे० हीरा भार्या चाऊ सुत श्रे० धनाकेन भा० सोनाइ भ्रातृ वत्रादियुतेन स्व-श्रया-(श्रेयोर्थं) श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः श्रीसोमदेवसूरियुतैः ॥ अहम्मदावादनगर.

(३५६)

॥ संवत १५२१ वर्षे माघ वदि ५ दिने वार शुक्र ॥ प्राग्वाट ज्ञाति [य०] सा० रामसी भा० कामी पुत्र सा० भादाकेन भा० लक्ष्मी भ्रा० आना देवणप्रमुखकुटु(टुं)बयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारित । प्र० श्रीतपागच्छनायक प्रभुश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ कायथा ग्रामे ॥ शुभं भवतु संघस्य ॥

---

(૩૫૪) ઉદયપુરના શ્રીગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૫૫) ન્હાનાવડોદરાના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૫૬) સીંચના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૫૭)

संवत(त्) १९२१ वर्षे वैशाष(ख) शुदि ६ बुधे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय दो० गोपाल भा० सरवी सु० पोमाकेन भा० झमकूश्रियोऽर्थं श्रीश्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णि० पक्षे भ० श्रीसागरतिलक-सूरिपट्टे भ० श्रीगुणतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥

(૩૫૮)

सं० १९२१ वर्षे वैशा० शु० १० रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पूना भा० रत्नू नाम्न्या सुत कामा जिनदासादिकुटुंबयुतया श्रीसुम-तिनाथबिंबं कारितं प्र० तपा श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः । श्रीणूजग्रामे

(૩૫૯)

संवत् १९२१ वर्षे वैशाष(ख) सुदि १० दिने श्रीमालज्ञातीय । श्रीठाकुरागोत्रे सं० देल्हा पुत्र सं० गुणराजभार्या चांपलदे पुत्र सं० देवराजै सं० देवदत्त भार्या माणिकदे पुण्यार्थं भ्रातृव्य सा० सोनपाल तदनु सा० पासा सा आसा सा० सीपादिभिः श्रा० गउरी पुत्री पुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीखरतरगच्छे । श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

---

(૩૫૭) પાલીતાણાના માધવલાલબાબુના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૫૮) પૂનાના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૫૯) સાદડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૬૦)

संवत(त्) १५२२ वर्षे मार्ग्र(र्ग) [शीर्ष] सुदि ९ गुरु(रौ) श्रीश्री-
माल० श्रेष्टि काल्ह भा० मांजू सुत पोवाकेन पितृमातृश्रयोर्थं भ्रा०
सोलाश्रेयसे श्रीपद्मप्रभस्वामिबिं० प्रति० **ब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीवीर-
सूरिभिः** ॥ वणूद्रवास्तव्यः

(૩૬૧)

सं० १५२२ वर्षे पो(पौ)० व० १ गुरौ **कर्केरावासि उकेश**
व्य० **जेसा** भा० जगमादे सुत व्य० वस्ना भार्यया **वींझलदे नाम्न्या**
पुत्र व्य० भीम गोपाल हरदास पौत्र कर्मसी नरसिंह थावर रूपा **प्रमुख**
कुटुंबयुतया निजश्रेयसे श्रीशं(सं)भवबिंबं का० प्र० **तपागच्छे
श्रीलक्ष्मीसागरसूरि–सोमदेवसूरिभिः** श्रेयं(यः) श्री

(૩૬૨)

सं० १५२२ वर्षे माह सुदि ९ **शनौ** श्रीहुंबडज्ञातीय **ष(ख)य-
रजगोत्रे** दोसी **धर्म्मा** भार्या कपूरादे सुत दोसी **राजाकेन** भा० जीविणि
भ्रात्रि(तृ) दो० सलिग भार्या लषी(खी) **कुटं(टुं)ब सहितेन** आत्मश्रि(श्रे)
योर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रति० **श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीजिनरत्न-
सूरिभिः** ॥ **प्रांहतीजे**(ज) वास्तव्य[ः]

---

(૩૬૦) **ઘોઘાના** શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૬૧) **ઉદેપુરના** શ્રીગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૬૨) **પ્રાંતીજના** મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३६३)

॥ सं० १९२२ माघ शु० १३ प्राग्वाट व्य० लूणा भा० लूणादे पुत्र व्य० वइरा का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागर[सूरिभिः] श्रीअंब(बि)का.

(३६४)

सं० १९२२ वर्षे माघ वदि ९ सुभवासरे श्रीउसवंशे भाटीआगोत्रे सा० पूना सुत साह जइता भा० श्रा० सुहासिणि पुत्ररत्नेन । भाटीआ सा पहिराजेन भा० प्रेमलदे पु० सा धर्म्मसी सहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीष(ख)रतरगच्छे श्रीजिनवर्द्धनसुरि श्रीजिनचंद्रसुरि श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः

(३६५)

॥ सं० १९२२ वर्षे फागुण शुदि ३ सोमे डहरवाला वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० गोगन भार्या कउतिगदे सुत श्रे० आसा भार्या सांकुं सुश्राविकया सुत श्रे० कडूआ चीबा चांगा प्रमुखकुटुंबसहितया आत्मनः कुटुंबस्य च श्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशति पट्टः कारितः प्रतिष्टि(ष्ठि)तः श्रीसंघेन ॥श्री

(૩૬૩) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૬૪) ઓપજના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૬૫) લીંબડીના જુના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ

(૩૬૬)

सं० १५२२ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञाती० श्रे० सादा भार्या चांपू सु० डूंगर भार्या रही सु० मांडण मेघउ सिंधु एतै[:] स्वपूर्वजपितृव्य-भ्रातृ आत्मश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० चैत्रगच्छे धारणपद्रीय भ० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः ॥ सिरीयाद्रवास्तव्यः ॥

(૩૬૭)

सं० १५२३ वर्षे माघ शु० ६ रवौ रेवती नक्षत्रे प्राग्वाट०श्रे० घेथा भा० झमल सुत श्रे० रीडा भार्या श्रे० सोमा भार्या ॥ लाछलदे पुत्री हलू नाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनथाबिंबं। का०प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । अणीयाग्रामे

(૩૬૮)

संवत् १५२३ वर्षे माह सुदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० भईअल भा० मेघू सु० साईयाकेन भर्या अधू सुत चांगायांगायुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंब(बं)कारापितं प्रति० श्रीपू० श्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन विधिना श्रे. । घे. ॥ व्राणाज्ञानकलश प्र ।।

(૩૬૯)

॥ सं० १५२३ वर्षे माघ वदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० गोपा भार्या वयजलदे सुत सारंगदेवाभ्यां सपरिकराभ्यां निजपितृ-मातृपुण्यार्थं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथनाथपंचतीर्थी कारापिता प्र० पिप्फलगच्छे श्रीगुणदेवसूरिपट्टे श्रीचंद्रप्रभसूरिभिः राणपुरवास्तव्यः

---

(૩૬૬) જામનગરના રાજશીશાહના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૬૭) ઉદયપુરના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૬૮) સુરતના શ્રીનવાપુરના શાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૬૯) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૩૭૦)

सं० १९२३ वर्षे फागुण वदि ४ सोमे प्राग्वाट ज्ञा० मं० सदा भार्या सारू सुत मं० भोजा भा० माधूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीकुंथनाथबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि तं शुभं भवतु ॥ श्रीः ॥

(૩૭૧)

॥ सं० १९२३ वैशा० शुदि ४ बुधे श्रीकोरंटगछे श्रीनन्नाचार्यसंताने । उसवंशे महाजनी गो० श्रे० मना भा० मीणलदे पु० श्रे० नरबदेन भा० वाछू पु० जिणदास युतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसजिन बिं० का० प्र० श्रीककसूरिपट्टे श्रीसालदेवसूरिभिः

(૩૭૨)

॥ सं० १९२३ वर्ष वैशाष(ख) शुदि १३ दिने ऊकेशवंशे सो० जइता भा० जइतलदे पुत्र सो० मदनेन भा० रही भ्रा० अमरा स्वसु० पञ्चा गणपति प्र० कुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छाधिराज श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । अहम्मदावादनगरे ॥ श्रीः ।

---

(૩૭૦) ઘોઘાના જીરાવાળા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૭૧) સૂરતના દેસાઇપોળના ઠાકોરભાઇ મુલચંદના ઘરમંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૭૨) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३७३)

॥ सं० १५२३ वैशाख शु० ९ बुधे श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्ना-चार्य संताने श्री उ० ज्ञा० मंत्रूआणागोत्रे श्रे० गोसल भा० चांपू पु० श्रे० चांपा भा० मदी(ही) पुत्राभ्यां नाथा-कर्मसीहाभ्यां श्रेयसे श्रीश्रेयांसजिनबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीककसूरिपट्टे पूज्य श्रीपा(भा) वदेवसूरि[भिः] श्रीः ॥

(३७४)

सं० १५२३ वर्षे वै० शु० ६ दिने प्राग्वाट श्रा० वामड भा० टबकू सु० श्रे० हरपतिना भा० दूमी सु० झांला रता झांझण झांटादि कुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथयुतश्रीचतुर्विंशतिजिनपट्ट[:] कारितः। प्रतिष्ठितः श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकार-तपागच्छेद्र(न्द्र) श्रीलक्ष्मी-सागरसूरिभिः

(३७५)

सं० १५२३ वर्षे वैशाष(ख) शुदि १२ गुरौ श्री बीबीपुरवा-स्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय व्य० भूभव भार्या लली सुत व्य० शिवाकेन भार्या टबी व्य० वज्ञामुख्यसमस्तपुत्रयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीकुंथ(थु)नाथ-बिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

---

(૩૭૩) લીંબડીના મોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૭૪) સાદડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૭૫) માંડલના શ્રીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३७६)

संवत् १९२३ वर्षे वैशाख वदि १ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञा०** गांधी जावड भा० गुरी सुत धना द्वि भा० हर्षादे नाम्न्या सु० शंकर श्रीदत्त-सहितया स्वपुण्यार्थं जीवितस्वामि श्रीशीतलनाथबिंबं का० **पूर्णिमा-पक्षे भीमपल्लीय** श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे **श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन** प्रति-ष्टि(ष्ठि)तं **श्रीपत्तन**वास्तव्य ॥

(३७७)

॥ संवत् १९२३ वर्षे वैशाख वदि ४ गुरौ **श्रीओएस**(उपकेश) वंशे ॥ सा० सायर भा० सिरीयादे पुत्र सा० **महिराजेन** भा० सोनाई पुत्र धणपति हला पौत्र कुंरपालयुतेन पत्नी श्रेयोर्थं **श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरीणा**मुपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन पत्तने ॥

(३७८)

॥ संवत् १९२३ वर्षे वैशाख वदि ४ गुरौ श्री**ओएस** वंशे ॥ दो० वडूआ भार्या मेघू पु० जटा सुश्रावकेण भा० जाल्हणदे भा(भ्रा)तृ जइता पुत्र पूंनासहितेन स्वश्रेयसे **श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरीणामु**पदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसं-घेन **पत्तने** ॥

---

(३७६) **मांडलना** श्रीशांतिनाथना मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.

(३७७) **लींचना** मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.

(३७८) **मांडलना** श्रीशांतिनाथना मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.

(૩૭૯)

संवत् १५२३ वर्षे वैशाख वदि ७ रवौ **सीहुंज** वास्तव्य **प्राग्वाट** ज्ञातीय श्रेष्टि(ष्ठि) वाला भा० **मांनू** सुतश्रेष्टि(ष्ठि)समधरेण भा० जासी भा० **धर्मादे** सुता लाली प्रम(मु)खकुटं(टुं)बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीस(सु)मतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः **श्रीरत्नसे(शे)खरसूरि**पट्टे श्रीगच्छनायक **श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः** ॥ श्रीः ॥

(૩૮૦)

संवत् १५२४ वर्षे **फागुण** सुदि ७ **बुधे** **श्रीमाल्ज्ञातीय** **श्रीपल्हवह**गोत्रे........सुतेन.......श्रीपालकुमरपाल यु० पूर्वबालियपुण्यार्थं श्रीकुंथनाथबिंबं कारितं **श्रावृ० श्रीरत्नाकरसूरिपट्टे** प्र० **श्रीमेरुप्रभसूरिभिः**

(૩૮૧)

संवत १५२४ वर्षे चैत्र वदि ५ भूमे **श्रीश्रीमालीज्ञा०** सा० सोईया भा० वाजुकेन पु० पूजा भीमायुतेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र० श्री पू० प्र० **श्रीगुणसुंदरसूरिणामुपदेशेन.**

(૩૮૨)

॥ संवत् १५२४ वर्षे वैशाष वदि २ सोमे **श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय** ठक(क्क)र मामल सुत नाना भा० वारू सुत भीमा सहदेवाभ्यां पितृमातृश्रेयोर्थं पितृव्य परवत न(नि)मित्तं श्रीपार्श्वनाथमुष(ख्य) चतुर्विंशतिपट्टः कारापितं(तः) **पिप्पलगच्छे** । भ० **श्रीउदयदेवसूरिपट्टे** **श्रीरत्नदेवसूरिभिः** ॥ **दाठा**वास्तव्य. ॥

---

(૩૭૯) **પાલીતાણા** માધવલાલબાબુના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૮૦) **પૂના**ના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૮૧) **કતાર** ગામના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૮૨) **ઘોઘા**ના શ્રીનવખંડાપાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३८३)

॥ संवत् १५२४ वर्षे वैशाष(ख) वदि २ सोमे **श्रीश्रीमाल**ज्ञा० ठक(क्क)र डूंगर सुत गोविंद भा० नाथी श्रयसे पुत्र हाबामांकाभ्यां पि० भ्रातृ चांपा न(नि)मित्तं च श्रीअभिनंदनपंचतीथी(र्थी) कारितं(ता) प्र० **श्रीपिप्पलगच्छे** श्रीगुणरत्नसुरिपट्ट(ट्टे) **श्रीगुणसागरसूरिभिः** ॥ **गहूआनगरे**

(३८४)

॥ सं० १५२४ वर्षे जेष्ट(ज्येष्ठ) शुदि ९ ऊ० सा० लाषा भा० लखमादे सा० गुणराज धर्मपुत्री श्रा० धारु नाम्न्या श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० **तपागच्छ**नायक श्रीसोमसुंदरसूरि संताने **श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः** ॥ सा० गुणराज सुत सा० काल्हू सा० सदराज ॥

(३८५)

सं० १५२४ वर्षे ज्य(ज्ये)० सु० ९ सोमे **श्रीओवंशे** सं० समधर भार्या जीविणि सुता वाहली पि० हेमा युतया पितृमातृश्रेयसे **अंचल**गच्छ(च्छे) **श्रीजयकेसरीसूरीणा**मुपदेसे(शे)न श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसंघ(घेन)

---

(३८३) ઘોઘાના શ્રીનવખંડાપાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३८४) જયપુરના શ્રીબાંઠીયાના મંદિરનો ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३८५) ઉદયપુરના શ્રીગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(३८६)

॥ संवत् १९२४ वर्षे आषाढ सुदि १० शुक्रे ॥ श्रीश्रीवंशे ॥ मं० सांगण भा० मोहागदे पुत्र म० वीरधवल भा० गुरी पुत्र खेतसी जन्म नाम्ना जूठाकेन भा० जयतलदे भ्रातृ काला चउथा भ्रातृपुत्र भोजा देवसी धीराप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन पितृश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे-श्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीनमिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारित. प्रतिष्टि(ष्ठि)तः श्रीश्रीसंघेन श्रीहुदडाग्रामे ॥ श्री

(३८७)

सं० १९२९ वर्षे मागसर सुदि १० शुक्रे मूंडहटासमीपे नोबडासणग्राम वास्तव्य षां(खां)टहडगोत्रे सा० ४ रणिग । पु० पूंना भार्या हासू० पु० रमहजा मागा सढजा भार्या कोरे सुत पानास-हितेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीकोरंटा तपागच्छे श्रीसर्वदेव-सूरिभिः पं० तपारत्नउपदेशेन.

(३८८)

॥ संवत् १९२९ वर्षे पौष वदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय म० पोपट भार्या पामादे सुत म० गोताकेन भा० महिज्युयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं च........

---

(૩૮૬) ઘોઘાના શ્રીસુવિધિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૮૭) વીસનગરના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૮૮) લીંબડીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૮૯)

॥ सं० १५२९ वर्षे पोस (पौष) वदि ९ भूमे श्रीश्रीमालज्ञा० सहीया सा० वा(?)धू भा० कपूरी सा० मणोर भा० रत्नपज्ञार्थ(?)पु० सा० भोजाकेन ॥ श्रीआदिनाथ ॥ बिंबं कारितं । प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीपींपलीयागच्छे श्रीरत्न ॥ देवसूरिभिः ॥श्री॥ संघेन ।

(૩૯૦)

॥ सं० १५२९ वर्षे पोस (पौष) वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० गोपाल भा० सखी सुत दो० मेघाकेन भा० चपाई प्रमुख कुटं(टुं)बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं सद्गुरुणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं च विधिना ॥ श्रीः ॥

(૩૯૧)

॥ सं० १५२९ वर्षे माघ सुदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य[०]–मो भार्या कस्मीरदे सुत षे(खे)ताकेन पितृव्य सरमा भार्या विमली निमित्तं आत्मश्रेयोर्थंच श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं श्री पू० श्रीकमलप्रभसूरिणा प्रतिष्टि(ष्ठि)तं

(૩૯૨)

संवत् १५२९ वर्षे फागुण शु० ७ शनौ उपकेशज्ञातीय श्रीनाहरगोत्रे सा० देवराजसंताने सा० लोला पुत्र साह सोनपालेन भार्या गोरी पुत्र बूवासहितेन स्वपुण्याय श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीरुद्रपल्लगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनोदयसूरिभिः

---

(૩૮૯) વઢવાણ શહેરના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૯૦) માંડલના શ્રીઋષભદેવના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૯૧) ગાડકણના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૯૨) કરેડાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૯૩)

सं० १५२९ वर्षे फागुण सुदि ७ शनौ अहंमदावादस्थाने श्री० ज्ञा० दो० धर्म्मा भा० रांभू पु० जीवा ईसर समधर मांजु दो० जीवा भार्या जसमादे स्वभर्तृश्रेयोर्थं श्रीअजितनाथबिंबं क० पूर्णिमापक्षे श्रीधर्म्मशेखरसूरिपट्टे प्रतिष्टि(ति)तं श्रीविशालराजसूरीणां उपदेशेन।

(३९४)

सं० १५२९ वर्षे फागुण सुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ० लींबा भा० बाली सु० मूलकेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं महूकरगछे नवांगवृतिकारक श्रीधनप्रभसूरिभिः महूआनगरे ॥

(३९५)

॥ संवत १५२९ वर्षे चैत्र सुदि ३ गुरू(रौ) श्रीमालज्ञातीय मंत्रि सांमा भा० रूडी(टी) सु० जेसिंग भा० जसमादे मातृपितृ[श्रे]योर्थं आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

(३९६)

सं.० १५२९ वर्षे वैशाख वदि १ गु० श्री श्रीमालज्ञा० ठ० फोकट भा० गोइ सु० श्रीमतिकेन भा० देमति तथा भा० भूपति प्रमुख कुटं(टुं)ब युतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीसूरिभिः श्रीगंधार वास्तव्य .

---

(૩૯૩) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુપ્રતિમાનો લેખ.
(૩૯૪) મહુવાના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૯૫) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૩૯૬) સૂરત નવાપુરાના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૯૭)

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख वदि ११ रवौ **उशवालज्ञातीय ष(ख)टवडगोत्रे सा०** समरा भा० रतना पुत्र सा० धनपालेन अंबिका का.................

(૩૯૮)

॥ स्वस्ति सं० १५२५ वै० व० ११ रवौ **अहंमदनगरे श्रीश्रीमाल वखा०** रत्ना भा० रत्नादे सुत वखा० वमा भा० कामलदे युतेन ॥ स्व तथा स्वकुटं(टुं)व तथा पुत्र पौत्रश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० **वृ० तपा० श्रीज्ञानसागरसूरिभिः** ॥ शुभं ॥

(૩૯૯)

सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ शुक्रे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रेष्टि(ष्ठि) पो(खो)ना भा० लाछू पु० हाजाकेन भा० हांसलदे भ्रातृ जीया भा० कामलदे सहितेन स्वपितृमातृपितृव्य मेलाश्रियोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० **श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरि....[भिः]**

(૪૦૦)

सं० १५२५ वर्षे आषाढ शु० २ सोमे श्री**श्रीमा........न्या** सहितेन मातृ निमित्तं पितृव्यजीवितस्वामिबिं० का० प्र० **श्रीनागेंद्रग० श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः** ॥ **उपलीआसर** । वास्तव्य॥

---

(૩૯૭) **જામનગર**ના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૯૮) **પાટડી**ના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૩૯૯) **જામનગર**ના રાજશી શેઠના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરના ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૦૦) **રાધનપુર**ના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४०१)

संवत् १५२५ वर्षे आसा(षा)ढ शुदि ३ सोमे **श्रीश्रीमाल**ज्ञा० मं० लखमण सुत मं० चउथा भा० मंमलदे सुत हरीआकेन भा० रही भ्रातृ माला वना कुटं(टुं)बयुतेन स्वमातृश्रेयोर्थं श्री**अंचलगच्छे** श्री**जयकेसरिसूरीणा**मुपदेशेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥श्री॥

(४०२)

॥ सं० १५२५ वर्षे आषाढ सुदि ९ शनौ **ऊपकेश**ज्ञा० सा० मामल भा० मारू पु० देघर मांजा चाईया मांजा भा० मल्ही पु० मोमा सहि० समस्त भ्रातृयु० पितृव्य भ्रातृ हेमा भा० मोहतीपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्र० **बृहद्‌गच्छे वोकडीयावट० श्रीधर्म्मचंद्रसूरिपट्टे श्रीमलयचंद्रसूरिभिः** ॥ शुभं ऋद्धि भूयात त्) **पत्तनवासि**

(४०३)

सं० १५२५ वर्षे **श्रीश्रीमाल**ज्ञा० श्रे० सीहाकेन भा० मटकू सु० भरमु करमु देवसी सोमसीयुतेन श्रीकुंथ(थु)नाथादिपंचतीर्था(र्थी) स्वजायाश्रेयसे कारि० प्रति० श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥ **आगमगच्छे** ॥ **सोलग्राम**वास्तव्यः ॥

---

(४०१) કતારગામના મોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४०२) **જામનગર**ના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४०३) **જામનગર**ના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४०४)

॥ संवत् १५२६ वर्षे पो(पौ)ष वदि १ सोमे **उपकेशज्ञातीय** सा० लाषा(खा) भार्या लाष(ख)गदे पुत्र सा० चाहड सा० हांसा साह मिघराज स्वपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० **तपागच्छे श्रीलि(ल)क्ष्मीसागरसूरिभिः** ॥

(४०५)

संवत् १५२७ वर्षे कार्त्तिक वदि ९ शनौ **धंधूकपुर** वास्तव्य **श्रीश्रीमालज्ञातीय** सं० मांडण भा० बा० मेलादे सुत सं० महसा भा० डाही एताभ्यां सुत कुंरा भा० कुतिगदेश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथादि-पंचतीथी(र्थी) **आगम(ग)च्छेश अमररत्नसूरि गुरूपदेशेन** कारिता प्रतिष्ठि(ष्ठि)ता च

(४०६)

संवत् १५२७ वर्षे पो(पौ)ष वदि १ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञाति(ती)य** दोसी वस्ता सुत दोसी पर्वत भार्या पोपटी पुत्र वज्रांगत भार्या पहुति सुत तेजपाल सहितेन पितृनिमितं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं **सिद्धांतीगच्छे** भट्टारक **श्रीसोमचंद्रसूरिभिः श्रीपत्तन**वास्तव्य ।

(४०७)

सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ५ गुरौ **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रे० कर्मण भा० कर्मादे सुत मांडण भा० झाडूसहितेन स्वपितृमातृश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठि(ष्ठि)तं **श्रीनागेंद्रगच्छे** श्री**कमलचंद्रसूरिभिः** ॥ श्रीरस्तु ॥

---

(४०४) **માંડલ**ના શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४०५) **ધોઘા**ના શ્રીસુવિધિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४०६) **વડનગર**ના મોટા આદીશ્વરના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४०७) **લીંબડી**ના જુના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૦૮)

॥ सं० १५२७ वर्षे वैशाष(ख) शुदि १० सोमे **श्रीगंधारवा-** स्तव्य **श्रीश्रीमालज्ञातीय** ठ० महिराज भा० लालू सुत ठ० **सहसा** भा० वाल्ही ठ० सालिग भा० आसी ठ० श्रीराज भा० हंसाई । ठ० **सहिसा** सुत धनदत्त भा० हपाई एतैरात्मश्रयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **श्रीवृद्धतपापक्ष । श्रीविजयरत्नसूरिभिः** ॥ श्रीः ॥

(૪૦૯)

संवत् १५२७ वर्षे वैशाष(ख) वदि ६ शुक्रे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** **मं०** तेजा भा० तेजलदे सु० जगा भा० चमकूकेन सु० टीडा भा० **मटकू** स्वआत्मश्रियोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० **आगमगच्छे** **श्रीआणंदप्रभसूरिभि[:]** **रनलावास्तव्य**

(૪૧૦)

॥ संवत् १५२७ वर्षे वैसाप(ख) वदि ६ शुक्रे **श्रीश्रीमाल-** ज्ञातीय पितामह नलापिनमी पितृ धोका मातृ....श्रेयोर्थं सु० सीहाकेन श्रीअभिनंदनस्वामिबिंबं कारापितं **श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीसाधुसुंदर-** **सूरीणामुपदेशेन** प्रतिष्टि(ष्ठि)तं संघत्री जइतायनेन काठा

---

(૪૦૮) **પાલીતાણા**ના નરશી નાથાના દેરાસરની ચોવીશી ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૦૯) ઘોઘાના શ્રીનવખંડાપાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૧૦) **જામનગર**ના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४११)

सं० १५२७ वर्षे वैशाष(ख) वदि ११ बुधे **ऊपकेशज्ञातीय मंत्रि डुंगर** भार्या वानू सुत वईजाकेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं **श्रीपुनमीयागच्छे** सूरीणामुपदेशेन प्रतिष्टि(ष्ठि)तविधिना । **दांत्रटाय** ॥ वास्तव्यः ॥

(४१२)

सं० १५२७ वर्षे वैशाष(ख) वदि ११ बुधे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** व्य० **छांछा** भा० लाष(ख)णदे सुत सूरा भा० माकू सुत लष(ख)मण भोजा गेला एतैः श्रीकुंथ(थु)नाथबिंबं का० **श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीसाध-(धु)सुंदरसूरीणामुपदेसे(शे)न** प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन ॥ **कोचाडा-**वास्तव्य ॥

(४१३)

सं० १५२८ वर्षे पोस(पौष) शुदि ३ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** श्रे० रत्ना भा० वीनू सु० जीवा भार्या काउं मातृपितृश्रेयसे श्रीधर्म्मनाथादिपंचतीर्थी कारिता **अमररत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन** ॥ वा० **आद्रियाणा आगमगच्छे** ॥

(४१४)

। संवत १५२८ वर्षे चैत्र वदि १ गुरौ **श्रीश्रीम**० श्रे० धरणा भा० मरगदि सु० वीत्रा हेमापूर्वजिमि० आत्मश्रयोर्थं श्रीश्रीः । धर्म्मनाथबिंबं का० प्रति **चैत्रगच्छे** । **धारणपद्रीय** भा० **श्रीज्ञाम(न)-देवसूरि तेद्रोसणलि**वास्तव्य

---

(४११) **वडोदरा** (न्हाना)ना मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख

(४१२) **मांडल**ना श्रीपार्श्वनाथना मंदिरनी धातुमूर्त्तिनो लेख

(४१३) **जामनगर**ना श्रीआदिनाथजीना देरासरनी धातुमूर्त्तिनो लेख.

(४१४) **जामनगर**ना आदिनाथजीना देरासरनी धातुमूर्त्तिनो लेख

(४१५)

संव० १५२८ वर्षे वेशाख सुदि ३ शनौ **श्रीश्रीमाल०** श्रे० जगसी भा० जाल्हणदे सु० गेला गांगा देवराज सहितै[:] पितृव्य देवसी नि० आत्मश्रे० श्रीकुंथनाथबिंबं का० प्र० **पिप्पलगच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिपट्टे श्रीसालिभद्रसूरिभिः** ॥

(४१६)

सं० १५२८ वर्षे वैशाष(ख) विदि(वदि) सोमे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** सं० सामल भार्या वान्हु सुत सं० हासाकेन भार्या वीजू द्वितीय भार्या सहिजलदे सुत समधर कीका युतेन श्रीचंद्रप्रभ–चतुर्विंशतिपट्ट[:] कारितः प्र० **पिप्पलगच्छे तलधरजीय श्रीगुणरत्नसूरिपट्टे पू० श्रीगुणसागरसूरिभिः घोघा** वास्तव्य श्रीः

(४१७)

सं० १५२८ वर्षे माघ वदि ५ बुधे **श्रीश्रीमालज्ञा०** श्रे० नरसिंह भा० रुडी **सवक** सुत आसा–पांचाभ्यां भार्या **धरणू** हांसू पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० **श्रीवीरसूरिभिः रोहीसा** वास्तव्यः ।

---

(४१५) **જામનગરના** વર્ધમાનશાહના શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४१६) **ઘોઘાના** શ્રીચંદ્રપ્રભુના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४१७) **લીંચના** મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४१८)

संवत् १५२८ वर्षे माघ व० ५ गुरौ **ओसवालज्ञातीय** प्रा० देवसी भार्या गांगी सु० सा० देवदत्त भा० देवलदे सुकर्मण धर्मण वस्ता कुटुंबयुतेन **स्वमातृ०** नारंगदेश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिं० का० प्र० **हारीजगच्छे श्रीमहेश्वरसूरिभिः** ॥

(४१९)

॥ १५२८ चैत्र वदि १० गुरौ **श्रीउएसवंशे मीठडीशाखीय** मो० हेमा भा० हमीरदे पु० मो० नाथड सुश्रावकेण भा० जसमादे पुत्री पु० गुणराज–हरराज–श्रीराज–सिंहराज–सोमपाल–पौत्र पूना–महिपाल–कूरपाल–सहितेन स्वश्रेयसे पुण्यार्थं **श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरि** उप० श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसंघेन श्रीः

(४२०)

सं० १५२९ वर्षे माघ शु० २ गुरौ **श्रीश्रीमालिज्ञा०** म० हाथा भा० भापणदे सु० काला भा० रजाई सु० जइता जीवाकेन मातृपितृ श्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रति० श्री**वृद्ध**तपापक्षे भ० **श्रीजिनरत्नसूरिभिः**

---

(૪૧૮) રાધનપુરના શ્રીશાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૧૯) **સૂરત**ના નગરશેઠની પોળના શ્રીગોડીપાર્શ્વનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૨૦) **પૂના**ના શ્રીઆદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ

(૪૨૧)

॥ संवत् १५२९ वर्षे फागुण सुदि २ शुक्रे ॥ श्रीश्रीवंशे ॥मं० वेला भार्या मांजू पुत्र मं० सानिगसुश्रावकेण भार्या मान्ही सुत जूठा सहितेन निजश्रेयोर्थं श्रीअचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारि. प्रतिष्ठि(ष्ठि)तं संघेन ॥श्रीः॥

(४२२)

॥ सं० १५२९ वर्षे फा० व० ३ सोमे प्राग्वाट दो० भोटा भा० मांजू पु० वाघण भा० [illegible] देवर दो० मोढा । कर्मसीसुत गोग [illegible] स्वश्रेयसे श्रीधर्म्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ट॥

(४२३)

॥ संवत १५२९ वर्षे जेठ(ज्येष्ठ) सु० ८ शुक्रे उशवालज्ञा० ना(ना ?)हि[illegible] सा० मूलू भा० लूण[illegible] मुहागद पु० सा० माप(ख)[illegible] सा० [illegible] हमार [illegible] श्रेयोर्थं श्रीसुव-ध(विधि)नाथ बं०(बिं०) का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः

(४२४)

॥ सं० १५२९ वर्षे जेठ(ज्येष्ठ) व० २ श्रीश्रीमालज्ञा० दो० सूरा भा० अषू(खू) [illegible] भा० तेजू पुत्रपासाकेन भ्रातृ करणसीयुतेन स्वश्रेयसे [illegible] प्र० तपागच्छे श्री [ज्ञा]नसागरसूरिभिः घोघा[illegible].

---

(૪૨૧) રાધનપુરના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૨૨) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૨૩) ઉદયપુરના શ્રીશીતળનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૨૪) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરના ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४२५)

॥ []०॥ संवत १५२९ वर्षे आषाढादि ३० वषे(र्षे) महावदि १३ सोमे श्रीउसवालज्ञातीय सा० गोगन भार्या राजू तत्पुत्र सा० मदनमाया(र्या) कूतिगदे कुटं(टुं)बश्रेयोर्थं श्री आदिनाथबिंबं कारितं प्रति....

(४२६)

॥ सं० १५३० वर्षे पो(पौ)ष वदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयः श्रेष्टि(ष्ठि) तेजा भार्या कपूरी सुत महिराज पदमा जागा वधा पातैः स्वपूर्विज श्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसूरिभिः॥ माडलि श्रीतापुरवास्तव्य श्री ॥ श्री ॥

(४२७)

सं०१५३० वर्षे पोस(पौष) वदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय.... लाला भा० मलषू सु० गहिगागाईयाभ्यां पितृमातृश्र(श्रे)यसे श्रीनेमिनाथबिंबंकारितं श्रीपू[र्णि]मापक्षीय श्रीसाधुस(सुं)दरसूरीण(णा)-मुपद(दे)श(शे)न प्र० थिव्यरनडिवास्तव्य

(४२८)

संवत् १५३० वर्षे पो(पौ)ष वदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० देपाल भा० हरषू सुत भूभाकेन भा० माल्हणदे हेदान(नि)मित्तं सुपुत्रसहितेन स्वये(श्रे)यस(से) श्रीवासुवापुज्यबिंबं क०(का०) श्रीचे(चै)-त्रगछे(च्छे) श्रीज्ञानदेवसूरिभिः प्रतिष्टित(ष्ठितं)त..... ....ज्य० गाम

(४२५) ઘોઘાના શ્રીનવખંડા પાર્શ્વનાથના દેરાસરના ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४२६) ગડકજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४२७) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४२८) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૨૯)

॥ संवत् १५३० वर्षे पौष वदि १ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गेला भा० पूरी सु० रत्नाकेन भा० रूपिणि द्वि० भा० कीरूसहितेन स्वपितृपूर्वजन(नि)मितं(त्तं) आत्मश्रेयोर्थं श्रीवासपूज्यबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे सलष(ख)णपरा भ० श्रीज्ञानदेवसूरिभिः ॥मोरवाडाग्रामे॥

(૪૩૦)

सं० १५३० वर्षे माघ वदि (संवत १५३०) २ शुक्रे श्रीश्रीमालीज्ञा० दो० भोजा भा० लीलादे सु० हर्षा भा० हर्षादे सहितेन आत्मपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीधर्मशेष(ख)रसूरीणां पट्टे श्रीश्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेन विधि....

(૪૩૧)

॥ सं० १५३० वर्षे फागुण सुदि ७ बुधे श्रीश्रीमा० मं० वेला भा० वील्हणदे पु० महिराज भा० रतुश्राविकया स्वभर्तृश्रे० श्रीसुमतिनाथबिं० का० त्र०(प्र०) पूर्णिमा० श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन सूरिभिः ।

(૪૩૨)

॥ संवत् १५३० वर्षे फागण शुदि ८ बुधे श्रीउसवालज्ञातीय सा० दाचा भार्या देमाई सुत सा० वेता सा. श्रीपाल देपाल सा. षे(खे)ता भार्या रंगाईनाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारा० प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीअंचलगच्छे ॥ श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन ॥

---

(૪૨૯) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ

(૪૩૦) હિંમતનગરના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૧) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૨) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૩)

संवत् १५३० वर्षे वैशाख सुदि १० सोम **श्रीगंधार**वास्तव्य **श्रीश्रीमालज्ञातीय** सा० पर्वत भार्या कीबाइ सुत सा० हाजाकेन भा० सूर्सवदे युतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्री**वृद्धतपापक्षे** । भट्टा० । **श्रीउरप(?)सागरसूरिभिः श्रीशीलसागरसूरि** । उपा० **उदयमंडनगणिउ**पदेशात् श्रीरंत्रैः(?) शुभं भवतु ॥

(४३४)

संवत् १५३१ वर्षे माघ वदि ८ सोमे **श्रीऊएसवंशे** ॥ सा० मेघा भार्या मेळादे पुत्र सा० जुठा सुश्रावकेण भार्या रुपाई पूतलिपुत्र विद्याधर भातृ श्रीदत्त वर्द्धमान सहितेन मातुः पुण्यार्थं । **श्रीअंचल**-गच्छेश्वर **श्रीजयकेसरिसूरीणा**मुपदेशेन मुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन

(४३५)

॥ संवत् १५३१ वर्षे माघ वदि ८ सोमे **श्रीश्रीमालज्ञातीय** सा० राजा भा० राजलदे सु० सं० साह गिरुया भार्या रजाई तया सु० पासा जीवायुतया स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं **श्रीआगमग**च्छे श्रीजयानंदसूरिपट्टे **श्रीदेवरत्नसूरि गुरु**उपदेशेन कारितं प्रतिष्टा(ष्ठा)-पितं च ॥ शुभं भवतु ॥ श्रीस्तंभतीर्थे

---

(૪૩૩) **સુરત**ના નવાપુરાના શાંતિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૪) **કતારગામ**ના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૫) **પાલીતાણા**ના માધવલાલબાબુના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४३६)

सं० १५३१ वर्षे फागु[०] सु० ८ (मनौ ?) उप० ज्ञा० ईटोदरा गो० सा० गोगा भा० मांनू पु० माञ्ञा पेढा रतना माला भा० झबू पु० भादा सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीचैत्रगच्छे श्रीसोमकीर्त्तिसूरिपट्टे आ०श्रीवीरचंद्रसूरिभिः ॥

(४३७)

सं० १५३१ वर्षे चैत्र वदि ८ बुधे वंदेरो वास्तव्य ओसवाल सापहापाना० हरखमदे सुत रामहाकेन भार्या सीतादे सु० वेला महाराज हंसराज प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे अनन्तबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे भ० जिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(४३८)

॥ सं० १५३१ वर्षे वैशाष (ख) वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० साझण भा० माजू सु० सा० साउ भ्रातृ भाउ भार्या हांसी नाम्न्या स्वश्रेयसे ॥ श्रीश्रेयांसनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्र॥तिष्टि(ष्ठि)तः........॥

---

(૪૩૬) ઉદયપુરના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૭) જયપુરના આદિયના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૮) માંડલના ઋષભદેવના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૩૯)

सं० १५३१ वर्षे वैशाष(ख) वदि ११ सोमे **श्रीश्रीमाल**ज्ञा० व्य० जेसा भा० कपूरी सु० प० वस्ताकेन भार्या गांगी सु० हर्षा भा० अजी प्र० समस्तकुटं(टुं)बसहितेन भा० सनषतिश्रेयसे श्रीविमलनाथ-बिंबं **पूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणा**मुप० कारितं प्रति० विधिना **अहम्मदावादनगरे** ॥

(૪૪૦)

सं० १५३१ वर्षे वै० वदि ११ सोमे **श्रीश्रीमा**ज्ञा० व्य० जेसा भा० कपूरी सु० प० वस्ताकेन भा० गांगी सु० हर्षा भा० प्रभृ० समस्त कुटं(टुं)बयुतेन भार्या रही श्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं **श्रीपूर्णिमा०** श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे **श्रीपुण्यरत्नसूरीणा**मुप० कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना ॥ **श्रीअहम्मदावादे**

(૪૪૧)

॥ सं० १५३१ वर्षे वैशाष(ख) वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० गोआ भा० भाऊ सु० सा० साजण भा० मंदोअरि सु० सा० लटकण भार्या कर्माईपुत्र्या सा० श्रीपतिपत्न्या ब० सोभागिणिनाम्न्या स्वमातृश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभादिचतु० पट्टः पुर्णिम० **श्रीपुण्यरत्नसूरीणा**-मुप० कारितः प्र० विधिना.

---

(૪૪૦) **ઉરખઈજીના** મુવાડાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૩૯) **જામનગરના** શ્રીમુનિસુવ્રતસ્વામિના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૪૧) **તળાજામાં શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.**

(४४२)

सं० १५३१ वर्षे श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरीणामुप-देशेन श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० मोटा भा० रत्नू पु० वीरा भा० वानू पु० लषा(खा)सुश्रावकेण भगिनीवमकूसहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं स्वश्रेयोर्थं कारितं श्रीसंघप्रतिष्ठितं

(४४३)

संवत् १५३२ वर्षे चैत्र सु० ४ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पता भा० शाणी सु० धर्म्मसी भा० धर्मिणि पितृमातृपुण्यार्थं आत्म-श्रेयसि श्रीश्रीशीतलनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं(तः) प्र० श्रीपिप्पलग० भ० श्रीचंद्रप्रभसूरिभिः लोलीआणा वास्तव्यः ॥

(४४४)

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख शुदि १० शुक्रे श्रीश्रीवंशे ॥ श्रे० नरपति भार्या नीणादे सुत श्रे० मावड भार्या झबू सुश्राविकया स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीमुनिसु-व्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन

(४४५)

॥ सं० १५३२ वर्षे वैशाष(ख) वदि १३ सोमे उसवा० ज्ञातीय पूंत्र(पुत्र)सा० आल्हा भा० आल्हणदे पु० माहा नाथू नाल्हा ताल्हा जा० (?) कपूरदे० पु० गेहापूर्वज पुण्यार्थं आत्मश्रे० श्रीनेमि-नाथबिंबं का० श्रीज्ञानकीयगच्छे प्र० श्रीधनस्त्र(नेश्वर?)सूरिभिः

---

(४४२) પાલીતાણા ગામના મોટા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४४३) ઘોઘાના (શ્રીપાર્શ્વનાથ મૂળ નાયકવાળા) જીલ્લાવાળા દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४४४) લીંબડીના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४ પૂનાના ઓસવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૪૬)

सं० १५३२ वर्षे वैशाष(ख) मासे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० जेसा भा० हर्षू सु० ३ शिवा देवा हाडाकेन भार्या जानूं सु० २ रंगा–मेहादि कुटं(टुं)बयुतेन श्रीश्रीअभिनंदनस्वाम्यादिपंचतीर्थी आगमगच्छेश श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्टि(ष्ठि)ता च विधिना तिलिसाणावास्तव्यः ॥

(૪૪૭)

॥सं० १५३२ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ)शुदि ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० मं० सहसा भा० कर्म्मिणि सु० सिंघाकेन भा० कुंअरि सु० बाछा प्रभृति युति(ते)न । श्रीश्रेयांसनाथबिंब(बं) कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं । श्रीपूर्ण्णिमा प[०] भ० श्रीविद्यासुंदरसूरीणामुपदेशेन । घोघा वास्तव्य

(૪૪૮)

॥ संवत् १५३३ वर्षे माग्र(र्ग)सिर सुदि ६ शुक्रे उपकेशज्ञातौ षटवड गोत्रीय साह लष(ख)मण भार्या लष(ख)मसिरी पुत्र सं० भोजा भार्या लाछि पुत्र सा० मुघा (?) २ ॥० सुधर्मयुतेन । स्वपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं हरसउरगच्छे भ० श्रीगुणसुंदरसूरिपट्टे भ० श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥ शुभं० ॥

---

(૪૪૬) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૪૭) તલાજાના પહાડ ઉપરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૪૮) ઉદયપુરના શેઠના બાગના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४४९)

॥ सं० १९३३ वर्षे माघ शुदि ६ सोमे श्रीउकेशवंशे संखवाल गोत्रे सा० ऊता भा० हर्षू पुत्र सा० वरजांग सुश्रावकेण भा० कमी पु० सदारंग सारंग युतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः

(४५०)

॥ संवत् १९३३ वर्षे माघ सुदि ६ सोमे ॥ श्रीउएसवंशे ॥ व्यव[०] साहिसा भार्या सहिजलदे अपर भार्या सिरीयादे पुत्र व्य० राउल सुश्रावकेण भार्या अरधू पुत्र व्य० आसा काला थिरपाल पौत्र ईबा आचंदसहितेन पत्नी ॥ अरधू पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरीसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं

(४५१)

संवत् १९३३ वर्षे माघ सुदि १३ भोम(मे) श्रीप्राग्वाटे(ट) ज्ञातीय सा० नाऊ भा० हांसी पुत्र सा० ठाकुरसी सा० वरसिंघ भ्रातृ सा० चांजाकेन भा० सोमी पुत्र सा० जीणासहितेन श्रीअंचलगच्छेश श्रीश्रीश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसंघेन माहीग्रामे ॥श्री श्री॥

---

(૪૪૯) જયપુરના આઠિયાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૫૦) પાટડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ

(૪૫૧) ઉદયપુરના શ્રીશીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૫૨)

सं० १५३३ वर्षे वैशाष(ख) सुदि ४ बुधे श्रीमालज्ञातीय मंडलिक भा० माल्हणदे सु० निरीउ भा० पूनीश्रेयोर्थं सु० सामाकेन श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं पूनिमगच्छे श्रीसाधुरत्नसुरी(रि)पट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदे० प्रति०

(૪૫૩)

॥ सं० १५३३ वर्षे वैशाष(ख) सुदि १३ मूराणागोत्र(त्रीय) स० कमलसाह(हेन) बिंबं कारापितं श्रीपदमानंदसूरो(रिभिः) [प्र०]

(૪૫૪)

सं० १५३३ वर्षे वै० व० ११ दिने मंगलपुरवा० प्राग्वाट ज्ञातीय दो० वरसिंग भा० हर्षू पुत्र दो० भी(वी)मा भा० सूल्ही सुत दो० सोवा भा० मटू पुत्र कान्हप्रमुखकुटंव(टुंब)युतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं तपागच्छनायक श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ छ ॥

(૪૫૫)

॥ सं० १५३३ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) शुदि १५ सोमे प्राग्वाटज्ञा० गांधी वीरा भा० झाझू सु[०] हेमा भा० हीरादे हर्षादे सुत पहिराजकेन भा० सोही सुत लालादिकुटं(टुं)बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितं(तः) प्रतिष्टितं(तः) तपागच्छेश श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ काकरवास्तव्याः ॥श्री॥

---

(૪૫૨) જામનગરના કોઠારીના ઘરદેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૫૩) લીંબડીના જુના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૫૪) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુપ્રતિમાનો લેખ.
(૪૫૫) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४५६)

सं० १६३४ माघ सुदि १३ शुक्रे **श्रीउपकेशज्ञातीय वृद्ध-शाखीय** साह जिणद भार्या हांसी पु[०] साह पासा भार्या रामति पुत्र साह मखाकेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० **श्रीकोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभिः** प्रतिष्ठितं

(४५७)

सं० १६३४ वर्षे फागुण शुदि ३ गुरु(रौ) **नागरज्ञा०** श्रे० सादा भा० सरसि सु० हरीयाकेन भा० झाली सु सहिजा सारिंग सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० **वृद्धतपा** प० **श्रीजिनरत्नसूरिभिः** जाबु(खु)रावास्तव्य ॥

(४५८)

॥ सं० १६३६ वर्षे मार्ग[०] वदि १२ **सांघु(खु)लागोत्रे** साह पाल्हा भा० रइणादे पु[०] सा० तेजा भा० तेजलदे पु० बलिराज वीसल लोला माणिकादियुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री**धर्मघोष** ग० श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे **श्रीपद्माणंदसूरिभिः**

(४५९)

॥ संब(व)त् १६३९ वर्षे। पो(पौ)ष वदि ९ **ऊकेशज्ञातीय** सा० धना भा० अजू (?) सुत सा० राजा भार्या रमादे पुत्र सवा श्रीचंड-मांडण भ्रात्रि सा सिरिया सालिग पासा प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं **तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः ॥ अहमदावादीया** ।

---

(४५६) પુનાના આદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४५७) સૂરતના ગામમાંનું નાનપુરાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४५८) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४५९) અજાહ્યાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४६०)

सं० १५३५ वर्षे फागुण सुदि अस्टमी(अष्टमी)र...उपकेशज्ञा० पितामह लीबा पितृव्य पारा । काला भ्रातृ सिंघा महिराज भ्रातृपुत्र धना पूर्वज पूमां निमित्तं श्रेयसे सा० जेसाकेन श्रीकुंथनाथबिंबं कारितं ष(ख)रतरगच्छे प्रतिष्टि(ष्ठितं) श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

(४६१)

सं० १५३५ वर्षे मा० शु० ५ गुरौ० डीसा० श्रे० जूठा भा० अमकू सु० मं० भोजाकेन भ्रा० बइ आसू भार्या मचकू सु० नाथादि कुटं(टुं)ब श्रे० श्रीशं(सं)भवबिंबं का० प्र० तपाग[०] श्रीरत्नशेखर-सूरि त० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः

(४६२)

॥ संवत् १५३५ वर्षे आषाढ शुदि ९, सोमे श्रीश्रीवंशे ॥ कपर्दशाखायां ॥ श्रे० पूना भार्या पाल्हदे पुत्र श्रे० तीमाकेन भार्या मली पुत्र रंगा भ्रातृव्य धना वना सहितेन स्वश्रेयोर्थं ॥ श्रीअंचल-गच्छेश्वरश्रीश्री श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० संघेन पालविणिग्रामे ॥

---

(४६०) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४६१) લીંબડીના જૂના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४६२) જામનગરના શ્રીધર દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४६३)

सं० १५३५ आषाढ सु० ९ सोमे श्रीश्रीवंशे वीसलीयागोत्रे मं० रणसी भा० ऊवू पुत्र मं० आका सुश्रावकेण भा० स्याणी पु[०] सहजा वयजा भीमा षी(खी)मादियुतेन श्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसर(रि)सूरीणामुपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन ॥ श्रीबेटनगरे ॥

(४६४)

॥ संवत १५३५ वर्षे आषाढ शुदि ९ सोमे ॥ श्रीश्रीवंशे ॥ कपर्दशाखायां ॥ श्रे० शेषा भार्या सींगारदे पुत्र श्रे० षी(खी)मा सुश्रावकेण भार्या लषी(खी) पुत्र वासा पौत्र वीरमसहितेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन ॥ घुंघिणिग्रामे श्रीरस्तु ॥

(४६५)

सं० १५३५ आषाट(ढ) सु० ९ सोमे । श्रीश्रीवंशे वीसलीया गोत्रे मं० जयसिंह भा० जसमादे हर्षू पु [०] मं० सामल सुश्रावकेण भा० माल्ही । भ्रातृ चाचादिसहितेन पितृपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसर(रि)सूरिणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन । श्रीबेटनगरे ॥

---

(४६३) જામનગરના રાજશી શેઠના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(४६४) જામનગરના શ્રીધર્મનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(४६५) જામનગરના રાજશી શેઠના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(४६६)

॥ संवत् १९३६ वर्षे मार्गसिर वदि १० सोमवार(रे)। उसि-वालत्वे सपावगोत्र(त्रे) सा तरा भा[०] पसा टवसीडम(?) धारु गांगा श्रेयस(से) कारापित(तं) प्रतिष्टित(ष्ठितं) शाल(लि)सूरिभ(भिः) श्रेयो(यः)

(४६७)

। सं० १९३६ वर्षे पो(पौ)ष वदि [–] गुरु(रौ) श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयः श्रष्टि(ष्ठि) टोईआ मार्या लष्मादे सुत परवत भा० करमा श्रेयोर्थं जीवतस्वामि श्री० नमिनाथबिंबं का० श्रीआगमगच्छे श्रीश्री-सिंघदत(त्त)सूरिभि[ः] प्र० व(वि)धिना काहीआणाग्रामनव्यः

(४६८)

सं० १९३६ वर्षे फागुण व[०] ३ दिने श्रीऊकेशवंशे दोसी-गोत्रे सा० साल्हा भा० सुहागदे पु० सा० देढाकेन भा० नांटी पु० पी(खी)मा भा० देमाई तत्पुत्र जोगा तेजा पदमसी प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं च श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-सूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

(४६९)

संवत् १९३६ वर्षे वैशाख शु० १० बुधे हुंबड ज्ञा० व्य० चांपा भा० मरगदि सुत भीमा देवराजाभ्यां श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंवं-(बिंबं) का० हूंब[ड]गच्छे श्रीसंघदत्तसूरि गु० प्र० श्रीशीलकुंज-रगणिभिः ॥ आत्रसूंबा वा० ॥

---

(४६६) લીંબડીના જુના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४६७) શીહોરના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(४६८) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુપ્રતિમાનો લેખ.
(४६९) અમદાવાદ ઝવેરીવાડાના ચોમુખજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४७०)

संवत् १९३६ व० जेष्ट (ज्येष्ठ) शु० ९ रवि(वौ) उप० सोसोदिया गोत्रे सा० देवायत भार्या देवलदे पु० खेता भार्या खेतलदे पुत्र भाष(ख)रयुतेन पुण्यार्थे श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्रति० संडेरवालगच्छे श्रीशालिसूरिभिः ॥

(४७१)

॥ संवत् १९३६ वर्षे आषाढ शुदि ६ श्रीओसवालज्ञातीय सा० पाल्हा भा० वडघू सुत गोयंद भा० गंगादेनाम्न्या आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥ श्री

(४७२)

सं० १९३६ वर्षे आषाढ शुदि ८ दिने ॥ श्रीऊकेशवंशे गोलवछागोत्रे सा० साजण भार्या राजलदे पुत्र सा० हमीरेण भ्रातृ रहीयादिसहितेन भ्रातृ जीवा श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रति श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(४७३)

सं० १९३७ वर्षे मा[०] शु० २ सोमे डीसावालज्ञा० सा० मूलु भा० लाडकि सु० मांणिकेन भार्या माणिकदेयुते[न] स्वश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥श्रीः

---

(४७०) જયપુરના બાહિયાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૭૧) ઘોઘાના શ્રીસુવિધિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૭૨) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૭૩) આપજના દેરાસરની ધાતુપ્રતિમાનો લેખ.

(४७४)

सं० १६३७ वर्षे वै० शु० १० सोमे इलदुर्गवासि प्राग्वाट ज्ञा० सा० भोजा भा० ममादे सुत सा० रत्नाकेन भा० पहुती सुतै । (?) लाषा(खा)वेणादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे सुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः

(४७५)

सं० १६३७ वर्षे वै० शु० १० सोमे इडरवासि ऊकेशगोत्रे जोजाउर सा० सोना भा० सोनलदे सुत । सा० केल्हाकेन भा० पुरी पुत्रादि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीरत्न-देवसूरिभिः

(४७६)

॥ संवत १६३७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि २ सोमे श्रीवीरवंशे मं० हापा भार्या हरखू पुत्र मं० ठाकुर सुश्रावकेण भा० कामलि पितृव्य छांछा भार्या वडलु सहितेन पत्नी पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेस-रिसूरीणामुपदेशेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन स्तंभतीर्थे

(४७७)

सं० १६३९ वर्षे फा० व० १ काकिलागोत्रे स० सगदा भा० कउलिगदे पु० स० श्रीपाल भा० सिरीआदे मालघ भ्राता सीधरेण श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीपद्मारा(नं)दसूरि[भिः]

---

(४७४) પુનાના પોરવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ

(૪૭૫) પુનાના આદિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૭૬) સૂરતના દેસાઇપોળના સુવિધિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૭૭) પુનાના પોરવાલોના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ

(૪૭૮)

॥ सं० १५३९ वर्षे आषाढ सुदि ६ भावडहरगच्छे प्राग्वाट तीनाविगोत्रे मं० मांकड भा० धारी पु० रावव भा० पूरी पुत्र धरणा भा० जेठी पु० सहसकिरण मांगा भार्या पूतलि मनी पुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० कालिकाचार्यसंताने श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(૪૭૯)

संवत् १५४१ वर्षे वैशाष(ख) सुदि ४ दिने गुरौ श्रीमालज्ञातीय कोटीयागोत्रे सा० षि(खि)मधर पुत्र सा० सांडाकेन बांधव सा० श्रीपालयुतेन सा० आसाकस्य पुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ श्री

(૪૮૦)

॥ सं० १५४१ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय मं० देवा भार्या श्रा० रूपिणि पुत्र मं. पुंजाकेन भार्या श्रा० चंपाई प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशं(सं)भवनाथचतुर्वि(र्विं)शतिपट्टः कारितः प्रतिष्टि(ष्ठि)तः श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

(૪૮૧)

॥ सं० १५४२ वर्षे फा० व० २ दिने जालउर महादुर्गे प्राग्वाटज्ञातीय सा० पोपा भा० पोमादे पुत्र सा० जेसाकेन भा० जसमादे भ्रातृलाषा(खा)दि कुटं(टुं)बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरि संताने विजयमान श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

---

(૪૭૮) ઉદયપુરના શ્રીગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૭૯) શ્રીઅડીના મોટા મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૮૦) માંડલના શ્રીશાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૮૧) ઉદયપુરના શીતલનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४८२)

सं० १५४२ वर्षे चैत्र वदि ८ भौमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० गोला द्वि० भा० पुहुती सुत अमरा वना कीका श्रे० वनाकेन भा० माणिकिदे सुत हरदास देवदास वजा अजा युतेन स्व पुर्विजपितृमातृ-श्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० श्रीआगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरीणां उ(णामु)पदेशेन प्र० श्रीमुनिरत्नसूरिभिः मूर्लीवास्तव्यः ।

(४८३)

॥ संवत् १५४२ वर्षे वैशाष(ख) सुदि १२ रवौ । श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय । संघवी अदा भार्या । नीली । सु । सं । श्रीराज भा ॥ रतनाई नाम्न्या । पु । सं । लषा(खा) । सुत । सर्वांगप्रमुखकुटं(टुं)ब युतया । श्रीविमलनाथ चतुर्विंशतिपट्टः कारितः । पूर्णिमापक्षे ॥ श्रीगुणतिलक । सूरिभिः प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ॥ गंधारवास्तव्य

(४८४)

॥ संवत् १५४२ वर्षे वेशाख सुदि १३ रवौ ॥ श्रीउएसवंशे ॥ सा० जीवा भार्या कर्माई पुत्र सा० जेठा सुश्रावकेण भार्या रूपाई पुत्र हरिचंद वृद्धभ्रातृ सा अराराजसहितेन वृद्धभार्या वीरूपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसंघेन अहम्मदावादनगरे

---

(૪૮૨) ઘોઘાના શ્રીશાંતિનાથના દેરાસરની ધાતુની મૂર્તિનો લેખ.

(૪૮૩) ઘોઘાના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૮૪) જામનગરના શ્રીમુનિસુવ્રતસ્વામિના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૮૫)

सं० १५४२ वैशाख शुदि शुक्रे उकेश० सिंखाडियागोत्रे सं० रेडा सं० सा० ऊदा भार्या ऊदळदे सा० छाजु श्रीमअजिनदत्त.... युतेन आ० पु० श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र॥ श्रीबृहद्गच्छे श्रीमेरुप्रभसूरिभिः

(૪૮૬)

॥ सं० १५४२ वर्षे वइशाप(वैशाख) वदि ९ गुरु(रौ) चांडु गोत्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय से० देवा भा० द्रव्वी सुत २ गंदा भा० रंगी गुणपति भा० गुरदे आत्मश्रेयोर्थं श्रीवास(सु)पूज्यबिंब व्रमा(ब्रह्मा)णगच्छे श्रीम(मु)निचंद्रसूरिभिः प्रतिष्टि(ष्ठि)तं बहीयलि वास्तव्य ॥

---

(૪૮૫) જયપુરના શ્રીઆઠીયાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૮૬) વઢવાણકેંપના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४८७)

॥ श्री० ॥ ॐ ह्रीँ अर्हं नमः स्वाहा

तित्थगरे भगवंते जगजीव वियाणए तिलोयगुरु ।

जो उ करेइ पमाणं सो उपमाणं सुयधराणं ॥ १ ॥

दट्ठण अन्नतित्थयपराभवं भवभयाउ निव्विन्नो ।

नेगम अट्ठसहस्सेण परिवुडो कत्तिउ सेट्ठी ॥ १ ॥

पव्वइउ मुणिसुव्वयसामिसगासंमि बारसंगविऊ ।

बारसुसम परियाउ सोहम्मे सुरवई जाउ ॥ २ ॥

मुग्गिलगिरिंमि सुकोसलेण वग्घीकउवसग्गेण ।

पत्तं परमं ठाणं कित्तिधरेण वि वरं नाणं ॥ ३ ॥

सुकोसलमुणिसुचरियपवित्तसिहरम्मि मुग्गिलगिरिंमि ।

संपइ चित्तउडरुक्खे चिरतरबहु वेइ(?)ए थुणियो ॥ १ ॥

तीर्थेशोऽर्हन् कीर्तिधरः सुकोशलमुनिस्तथा व्याघ्री ।

सर्वेऽपि संतु सुखदाः श्रीखरतरपुण्यनंदिगणे ॥

कीर्तिधर ऋषि मूर्ति.	अर्हन् मूर्ति.	सुकोशल ऋषि मूर्ति.	वाघण अने मुनिनुं चित्र.

(આ ચારે મૂર્તિઓ નીચે આ લેખ છે:—)

॥ श्री० ॥ संवत् १५४३ वर्षे शाके १४०८ प्र० मार्गशीर्ष वदि १३ तिथौ । गुरुदिने । श्रीचित्रकूट महादुर्गे । श्रीरायमल्लराजेंद्र-विजयराज्ये । सकल श्रीसंघेन । सतीर्थ (?) श्रीसुकोशलर्षि प्रतिमा कारिता । प्रतिष्ठिता श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

(૪૮૭) ચિત્તોડગઢ, કીર્તિસ્તંભ પાસે ગોમુખકુંડની પાસેના જિન-મંદિરમાં એક પત્થરની ડાબી બાજુનો લેખ.

(૪૮૮)

संवत १५४३ वर्षे वैशाख सुदि १ गुरौ गूजरज्ञातीय सा । देवा । भा । देवलदे । पु । दो । पासा । भा तरेघू सुत । सोमदत्ते । लोहुया । पुत्र वयेन स्वपितुः श्रेयसे । श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं । प्रथम तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ प्रतिष्ठि(ष्ठि)तं । गंधारवास्तव्यके । कल्याणं भूयात् ॥

(૪૮૯)

सं० १५४३ वर्षे वै० शु० ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० मं० सांगा भा० हकू पु० आसराज भा० धर्म्मिणिनाम्न्या सुत तेजपाल गोविंद युतया श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० श्रीवृद्धतपाप० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥ श्रीगंधारमंदिरे ॥

(૪૯૦)

॥ संवत् १५४४ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे ॥ श्रीश्रीवंशे ॥ व्य० पत्रामल भार्या छूटी अपरभार्या हटू पुत्र व्य० हरीया सुश्रावकेण भा० रुपिणि पु० नाथा भा० सोभागिणियुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन अभिनंदन स्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन वारांहीग्रामे ॥

---

(૪૮૮) સુરતના બાગમાંના નાનપુરાના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૮૯) મહુવાના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૯૦) જામનગરના કલ્યાણજી મેરારજીના ઘરદેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(४९१)

॥ सं १५४४ वर्षे वैशाष(ख) वदि ९ गुरो(रौ) श्रीश्रीमाल ज्ञातीय वि० आसा भा० राजू सु० मेघा जीवा जोगा मेघा भा० मांनू सु० गुणीआसहितेन जीवा भा० माई स्वपितृमातृभ्रातृश्रयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिं० का० प्र० नागेंद्रगच्छे भ० श्रीहेमरत्नसूरिभिः प्रतिष्टि(ष्ठि)तं ।

(४९२)

॥ संवत् १५४४ वर्षे ज्येष्ट(ष्ठ) सुदि ९ सोमे श्रीउपकेशवंशे सा० गोइंद भार्या अमरी पुत्र सा० सहिदे भार्या फटकू सुत शिवदत्त सहिदे भ्रातृ धर्म्मसी पुत्र सहसकिरण शंकर सिवदत्त एतैः] स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं ॥ प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसाधुपूर्णिमाप....॥

(४९३)

॥ सं० १५४५ वर्षे जेष्ट(ज्येष्ठ) सुदि १२ गुरु(रौ) श्रीसंडेरगच्छे ऊ० वेडालबीया गो० सा० पंचा भा० पूरी पु० महिण भा० माणकदे पु० झोला गेही भा० मानू पु० जगसी आत्मश्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजशोभद्रसूरिसंताने श्रीसालिसूरिभिः ॥

(४९४)

॥ सं० १५४७ वर्षे पो(पौ)ष वदि १० बुधे ऊ० ज्ञातीय सा० कोला भा० षी(खी)माइ पु० दीना भा० लाडिकि नाम्न्या देउर सा० हेमा भा० फदु पु० धरणादियुतया स्वश्रेयसे शांतिनाथबिंबं का प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीजयचन्द्रसूरिशिष्येण आ० श्रीजयरत्नसूरिउपदे[०] वडलीग्रामे

(૪૯૧) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૯૨) જામનગરના શ્રીઆદિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૯૩) ઉદયપુરના શ્રીગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.
(૪૯૪) ઉદયપુર ગોડીજીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૯૫)

॥ सं० १५४७ वर्षे माघ सुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव[०] कोता भार्या कस्मीरदे सुत मेहा भार्या माणिकि । तथा स्वश्रेयसे श्रीजीवितस्वामि श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं । वटप्रदीय श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीदेवसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० झंझुवाडा.

(४९६)

॥ सं० १५४७ माघ सु० १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० दो० हाजा सु० दो० मांका भा० कपूरी सु० मांडणकेन भ्रातृ कृष्णराम-प्रमुखकुटुंब युतेन श्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीआगम-गच्छे भ० श्रीअमररत्नसूरीणां पट्टे श्रीसूरिभिः

(४९७)

स्वस्ति श्री संवत् १५४७ वर्षे माघ सुदि १३ रवौ बोरसिद्ध वास्तव्य श्रीश्रीमाल ज्ञाति(तीय) सो० महिराज भा० आसी सुत कमलसी भा० महिराज भा० लीला सुता पूतलीनाम्न्या श्रेयोर्थं श्रीधर्म्मनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्ट[ः]कारितः प्रतिष्टि(ष्ठि)तः पूर्णिमापक्षे भ० श्री गुणरत्नसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

---

(૪૯૫) રાધનપુરના શાન્તિનાથના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૯૬) કતારગામના મ્હોટા મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૯૭) આદડીના મંદિરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.

(૪૯૮)

॥ सं० १५४७ माघशुदि १३ रवौ श्रीमालीज्ञातीय मंत्रि रयण-
यर भा० सूदी सुत मं० सूरा भा० टबकू सु० मं० भूभवसहितेन
श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथबिंबं
कारितं प्रतिष्टि(ष्ठि)तं श्रीसंघेन ॥

(૪૯૯)

संवत् १५४७ वर्षे वैशाष (ख) शुदि ३ सोमे कपोल ज्ञा०
श्रे० सरवण भा० आसू सुत सं० नाना भा० सं० कउतिगदे नाम्ना
निजश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रति० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे
श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

(५००)

सं. १५४७ वर्षे वै० व० ५ श्रीश्रीमालीज्ञातियश्रे० हीरा
भा० जीजी सुत मं० देवदास जाया श्रा० चंपाईनाम्न्या सुत मं०
वासा फला रंगा मदनादिकुटुंबयुतया कारितं श्रीनमिनाथबिंबं प्र० तपा-
गच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीसुमतिसाधुसूरिभि ः ॥

---

(૪૯૮) તળાજાના શ્રીશાંતિનાથજીના દેરાસરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૪૯૯) સુરત નેમુભાઇની વાડીના મંદિરની ધાતુમૂર્ત્તિનો લેખ.

(૫૦૦) જામનગરના શ્રીમુનિસુવ્રતસ્વામિના દેરાસરની ધાતુમૂર્તિનો લેખ.